PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 5]

न**ई बिल्सी, शनिवार, जनवरी 30, 19\$2 (माध** 10, 1903)

No. 5]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 30, 1982 (MAGHA 10, 1903)

इस भाग में भिन्न पून्ड संख्या वी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग गा-ज्यक्ड १

# [PART HI—SECTION 1]

उर्वत्र स्थायालयों, नियम्ब्रक और महालेखात्ररीलक, सब लोक सेत्रा आधीग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुबनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Compttoller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

सघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, विनांक 30 दिसम्बर 1981

सं. 31013/1/81-प्रशा. -।। — अध्यक्ष, संध लोक संवा आयोग एतद्द्वारा डा. स्याम कुमार को 1 मर्द, 1981 से संभ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निदशक (सूचना पद्धति) के पद पर स्थायी स्ट से नियुक्त करते हुई।

पी. एस. राणा अनुभाग अधिकारी **कृते** अध्यक्ष सच सोक सेवा वायोग

रर्ड विल्ली-110011, विनाक 22 दिसम्बर 1981

स. ए. 3?013/3/79-प्रशा.-।—संघ लोक संघा आयोग की सम्मंख्यक अधिसूपना दिनांक 2 दिसम्बर, 1981 के अन्- काम में की. स. से. के चयन ग्रेड, स्यन ग्रूची (1979) के अधिकारी श्री वी वास ग्प्ता को गष्ट्रपति द्वारा 7-11-81 से आगामी आदिशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए महर्ष निगक्त किया जाता है।

दिनांक 24 दिसम्बर 1981

सं० ए० 32013/3/80-प्रशा०-1—संध लोक सेवा मायोग की समसंख्यक ग्रिधिसूचना दिनोक 5 नवम्बर, 1981 के अनुक्रम में 1—436GI/81 वर्ष 1980 के के० स० से० के प्रिष्ठिकारियों की चयन सूबी में सम्मि-लिल उसके ग्रेड 1 में नियुक्ति हेतु निम्नलिखिल प्रिष्ठिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा 1-3-81 से भागामी भादेशों तक संघ-लोक सेवा भायोग के कार्यालय में नियमित भाधार पर भवर सचित्र के पद पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

ऋ० सं०	नाम	चयन सूची में ऋ०सं०
1. श्री जे० एस	० साहनी	9
<ol> <li>श्री एम० पी</li> </ol>	१० जैन	84
3. श्री गोपालह	ह <b>टणन</b>	85
4. श्री एन० के	० सोनी	86
5 <b>. ধ্রী জী</b> ০ <b>ধী</b>	० स <b>क्</b> सेना	94

विनांक 7 जनवरी 1982

सं. ए. 32013/1/81-प्रशा.-।—के. स से के निम्न-लिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए तदर्थ आधार पर सघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अघर सचिव के पव पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए सष्टर्ष निय्क्त किया जाता हैं—

क स नाम अवधि

1. श्री एस को. मिश्र--30-9-81 में 29-12-81 तक

थीमती वी. को मदान—28-10-81 में 27-1-82 सक

य. रा. गांधी

अवर सचिव

राघ लोक सेवा उपयोग

(1073)

गृह मंत्रालय

का. एवं प्र. सू. विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नर्क दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1982

सं. एन-2/69-प्रशासन-5—अपनी बढ़ी हुई सेवाविध समाप्त हो जाने पर, श्री एन. एस. माथुर, उप-विधि सलाहकार केन्द्रीय अन्वषण ब्यूरो, नर्ड दिल्ली दिनांक 31-12-1981 के अपराझ्य से सरकारी सेवा से अन्तिम रूप से निवृत्त हो गए ही। \_

> हीरों ए. छहानी प्रभासनिक अधिकारी (लेखा) केन्द्रीय अन्येषण ब्यरों

महानिदोशालय, केन्द्रीय रिजर्व पूलिस बल नर्द दिल्ली-110022, दिनांक 6 जनवरी 1982

सं ओ. दो. 1366/77-स्थापना—-राष्ट्रपति ने श्री दोस राज बेन्स, उप-पृत्तिस अधीक्षक, 23 वाहिनी, को. रि. पू. यल को कोन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमायली, 1965 को नियम 5(आई) के अनुसार एक माह को नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 31-5-1981 (अपराहन) से कार्यभार मूक्त कर दिया है।

मं. डी. एफ. 24/80-स्थापना --श्री एस. मूकर्जी, उप-पुलिस अधीक्षक के. रि. पू. बल की सेवाएं 2-12-81 (2-12-81) अपराह्न से त्रिपुरा आरमड पूलिस को डेपूटेशन बेमेस पर सोपी जाती है।

> ए. के. सूरी सहायक निवंशक (स्थापना)

महानियशिक का कार्यालय कोन्द्रीय औद्योगिक सूरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 7 जनवरी 1982

सं. इ. - 16013(1)/1/81 - कार्मिक—-बोकारों से स्थानान्तरित होने पर श्री बलजीत राय सूर भा. पू. से. (एम. टी.-54) ने, 30 ग्रिसम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से के. श्री. सु. ब. मुख्यालय के उपमहानिरीक्षक (भर्ती व प्रशिक्षण) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

स्रोन्द्र नाथ, महानिवीशक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनोक 12 जनवरी 1982

सं. 10/34/81-प्रशां.-।—राष्ट्रपति, कलकत्ता में भारत के महापंजीकार का कार्यालय (भाषा प्रभाग) में महायक महापंजीकार (भाषा) के पद पर कार्यरत श्री बी. पी. महापात्र को उसी कार्यालय में तारीख 1 दिसम्बर, 1981 के प्रवाहम में 1 वर्ष से अनिधिक अविधि के लिए या जब तक पद निर्मास आधार पर भरा जाए, जो भी अविधि कम हो, पूर्णतः अम्थायी और सबर्थ आधार पर उप महापंजीकार (भाषा) के पद प्रपदान्नित द्वारा सहर्ष नियक्त करते हैं।

- थी महापात्र का मल्यासय कलकता में होगा।
- 3. उपराक्त पद पर तहा नियुक्ति श्री महापाद को उप महापंजीकार (भाषा) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए काई हैं प्रदान नहीं करोगी। तदा तीर पर उनकी मेवाए उस ग्रेड में विरिष्ठता और आने उच्च पद पर पदोन्ति के लिए नहीं गिनी जाएगी। उपरादत एद पर तहा नियुक्ति को नियक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किमी भी समय दिना कोई कारण बताए रदद किया जा सकता है।
- मं. 11/36/80-प्रशा.-।—राष्ट्रपति, जत्तर प्रवेश, लसनजः मे जनगणना कार्य निद्देशालय में अन्वेशक के पद पर कार्यरतः श्री के. सी. उपाध्याय को उसी कार्यालय में तारीस 14 दिसम्बर, 1981 के पूर्वीहन से 1 वर्ष से अनिधक अविधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविधि कम हो, पूर्णतः अस्थायी और तबर्भ आधार पर सहायक निदेशकं जनगणना कार्य (तळनीकी) के पद पर पदोन्नित व्वारा सहर्ष नियुक्त करते हैं।
  - 2. श्री उपाध्याय का मुख्यालय लखनक में होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तबर्भ नियुक्ति सम्बन्धित अधिकारी को सहायक रिद्शेक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्भ तौर पर सहायक निद्शेक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पव पर पवोन्नित के लिए नहीं गिनी आएंगी। उपरोक्त पद पर तबर्भ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रखद किया जा सकता है।

पी. पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

भार्थिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय

वेवास, दिनांक 1 जनवरी 1982

सं. फा. क. बीएनपी/जी/4/79—शी आर. के, घोषाल, स्थायी किनष्ठ पर्यवेक्षक को दिनांक 29-12-81 (पूर्वाह्न) से 30-1-82 (अपराह्न) तक अल्पाविध की अवकाश रिक्ति में तबर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं मुद्र ण्ट्ट निर्माण) के पद पर रुपये 650-1200 के वेतनमान में नियकत किया जाता है।

म्. वै. वार, महाप्रवेधक

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालयः निविधक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नर्ड दिल्ली-2, दिनाक 31 दिसम्बर 1981

सं. प्रशा.-। का. आ. 382--श्रीमान निविधक लेखा-परीक्षा (केन्द्रीय राजस्व) इस कार्यालय के श्री हरव्वारी सिंह स्थागी अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी के वेतनक्रम 840-1200 रु. में 31-12-81 के पर्वाहन से अगले आवोज आने तक नियुक्त करने हों।

> ्र (अपठनीय) संयुक्त निविधायः, ले. पं. (प्र.)

# कार्यालय महालेखाकार प्रथम, मध्यप्रदेश

## ग्वालियर, विनांक 7 जनवरी 1982

स० प्रणासन-1/ले० ग्र०-प्रोगो/393—महालेखाकार, म० प्र० ने निम्नलिखित स्थाई ग्रनुभाग ग्रधिकारियों को, स्थानापन्न लेखा अधिकारी पद पर वेक्षनमान 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 में उनके नाम के ग्रागे दशिय कार्यभार करने के दिनांक से पदोन्नत किया है. —

<b>羽</b> o	नाम	<u>,                                    </u>	 		भावंटन	स्थाई कमांक	कार्यभार दिन	1क
सर्वश्री			 <del></del>		_ <del></del>	<u> </u>	<del></del>	<del></del>
1. ग्रार०	सी० व्यास	ı	•		म० ले <b>-प्रथ</b> म	02/270	31-12 <b>-8</b> 1	पूर्वाह्य
2 फतहल	ाल जैन			•	तवैष *	02/271	4-1-82	पूर्वाह्न
-	गि० जोगलेकर				J,	02/272	4-1-82	पूर्वाह्न
4. ग्रार०					म० ले० द्वितीय	02/274	31-12-81	पूर्वाह्न
5 प्रेमप्रक	ाण गांधी '				त्त <b>वैव</b>	02/275	4-1-82	पूर्वाह्र
	<b>ी० भागव</b> त				त <b>दैव</b>	02/276	31-12-81	पूर्वाह्र
7. पी∌ ए					"	02/743	31-12-81	्पूर्वाह्न
8 सुरेश					तवैव	02/1057	31-12-81	पूर्वाह्य
9. पी० <b>र्ड</b>				,	तदेव	02/1406	31-12-81	पूर्वाह्
	डी० सोनवाल				त <b>वैव</b>	02/1529	31-12-81	पूर्वाह्म

ध्रुवचरण साहू वरिष्ठ उप म**हालेखाका**र/प्रशासन

महालंगाकार का कायालय-।, आन्ध्र प्रदेश

हैंबराबाद-500 476, दिनाक 6 जनवरी 1982

सं. प्रशा. - 1/8-132/81-82/430---महालेखाकार, आन्ध् प्रदंश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के निम्न लिखित सदस्यों को महालेखाकार, आन्ध् प्रदंश, हैदराबाद द्यारा बंतनमान रह. 840-40-1000-ह. वि.-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर उनके नाम के आगे बताई गई तारीख से जब तक आगे आवेश न दिए जाएं नियुक्त किये जाते हैं।

नाम और भारग्रहण की तारीख सर्वश्री

्रपि. टि. र. सूब्रमन्यम—∽31-12-81़ पू.

यद पद्दोन्नित उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाली नहीं है तथा आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय उच्चतम न्यायालय में अनिर्णित पड़े याचिकाओं के अधीन हैं।

रा हिरहरन, विष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, उड़ीसा भुवनेस्वर, दिनाक 28 अक्तूबर 1981

सं प्रशासन-आर्द ए. डी.-1-29-गोपनीय-2671--महा-लेखाकार जी ने सहर्ष इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा अधिकारियों को उनके नाम के साथ दर्शाए गए तिथियों से मीलिक रूप में लेखा अधिकारी के संवर्ग में नियुक्त किया।

- ्1 श्रीसरोजक्षुमारमञ्जूसदार—−।-4-78
- 2. श्री गी. वेकटोब्दरल्--3-11-78

- 3 श्रीए. के. घोष−--1-4-79
- 4. श्री निरंजन जेना--1-6-79
- श्री निरंजन महान्ती—-26-6-79
- श्री आर. के. जेना—-1-9-79
- 7 श्री आर सूधाकरण-∹1-11-79
- 8 श्री बी वी रमण मूर्ति--1-2-80
- 9. श्री जे. आर. एन. प्रुष्टि---26-5-80

ह*ं. / -*वरिष्ठ उप म**हा**लेखाकार (प्रशासन)

#### रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रॉक) मद्रास-600018, विनाक 5 विसम्बर 1981

स. प्रशासन/11/8318083/अनुशासन—रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, प्रभारी, पी. ए. ओ. (अन्य र्क) ई. एम. ई. सिकन्दराबाद के कार्यालय मे सेवारत, इस संगठन की कुमारी एम. चन्द्र बानू, सुपूत्री श्री टी. श्रीनिवासन, स्थायिवत लेखा परीक्षक, लेखा संख्या-8318083 को, दिनांक 2-7-1980 से 5-7-1980 तक की अर्जित छुट्टी ड्यूटी स्थान छोड़ने की अनुमति सहित मंजूर की गई थी। वे स्त्रीकृत छुट्टी की समाप्ति अर्थात् 7-7-80 (6-7-80 रिववार होने के कारण) को ड्यूटी पर नहीं आयी। उन्होंने चिकित्सा के आधार पर दिनांक 19-11-80 तक की अपनी छुट्टी बज़ायी। वह सन्देश जिसके अन्तर्गत उन को, को. जी. अस्पताल, मन्नास-600005 के अधीक्षक के समक्ष, द्वितीय चिकित्सा राय के लिए स्वास्थ्य परीक्षा कराने के लिए उपस्थित होने का निद्रांश विया गया था, डाक प्राधिकतिरयों द्वारा बिना सुपूर्वंगी के वापिस लीटा दिया गया, जिस पर अभ्युक्ति थी ''ड्यूटी के समय

(स्पूर्दगी के समय) नहीं पाया गया'' और उन्होंने एक पत्र को प्राप्त करने सं इन्कार कर दिया। उन्होंने दिनाक 20-11-80 सं बिना किसी रिपोर्ट के अनुपस्थित रहना जारी रखा जनकी जानकारी के पतंपर बड़े दण्ड के रूप में जो आरोप-पत्र भेजा गवा था जिस पर डांक प्राधिकारियों की अभ्यक्ति थी ''बिना सूचनाकं चलीगयी''। यह भी बिनास्पूर्यभीके ही बापिस लौटा दिया गया। कुमारी एस. चन्द्र वानु पछताछ प्राधिकारियों इवारा ब्लाए जाने पर भी उनके समक्ष उपस्थित नहीं हुई अतः पूछताछ एक पक्षीय की गई। अत: उनको दिनांक 6-7-80 से छुट्टी की संजुरी न होने पर अनपस्थित मान लिया गया हैं क्यों कि न तो उन्होंने ड्यटी के लिए रिपोर्ट की और न ही

अपनी अनुपस्थित का कारण बताते हुए कोई सन्देश ही भेजा, यद्यपि अनको दिनांक 15-10-1981 से सेवा से हटाये जाने के प्रस्तावित दण्ड की सूचना दोते हुए उनको कारण बताओ नोटिस भेजा गया था, वह भी बिना वितरित किये ही लौटा दिया गया। अत अनुशासनिक प्राधिकारियों ने उनको दिनांक पन्द्रहं अक्तूबर, 1981 (15-10-1981) मैं मेवा में हटाने का अन्तिम रूप में निर्णय किया है।

> एस. स्वामीनाथन रक्षा लेखा नियमक (अन्य रॉक) दक्षिण, मद्राम-18

#### कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

## नई विल्ली-110066, विनोक 30 विसम्बर 1981

मं० प्रशा०/1/1175/1/जिल्द-I---राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित श्रधिकारियो (जो प्रत्येक के नाम के सामने लिखी प्रतिनियुक्तियों पर है) को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रुपये 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए उनके नाम के सामने दर्शायी गई तारीखों से, भ्रागामी भ्रादेश पर्यन्त ''श्रनुक्रम नियम के श्रधीन'', सहर्ष नियक्त करते है :--

		•	•
1. श्री संजीव गोयल .		. 18-7-81	प्रमुख लेखा श्रधिकारी, राजस्थान हाउसिग बोर्ड,
			जयपुर । (प्रत्यावितित हो गर्ये)
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		. 20-7-81	श्रवर सचिव, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली ।
<ol> <li>श्रीमती रुखसाना शाहीनग्रलकादरी</li> </ol>		. 3-11-81	भूमि एवं विकास, उप श्रधिकारी, निर्माण एवं
			ग्रावास मंत्रालय, नई दिल्ली ।
4. श्री तारा चन्द्र जोशी .		. 20-11-81	श्रवर सचिव, रक्षा मेंत्रालय, नई दिल्ली ।
स प्रधा /1/1172/क्लिल्ट-1 <i>(</i>	ਾ ਹੀ ਸੀ∖⊸ਤਾਨਾਹ	ित १	श्रीणस मिल्ल

स प्रशाः / । / 1172 / जिल्द-1 (पी. सौ.) — - राष्ट्रपति, भारतीय रोखा लोखा संया के निम्नलिश्चित अधिकारियों की उक्त नेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रंड (रापये 2250-125/2-2500) के स्तर-।। में तद्वर्थ आधार पर की गई नियुक्तियों को, 31 मार्च 1982 तक की अगली अविधि अथवा जब तक नियमित व्यवस्था की जाती है, इनमें जो भी पहले हो, तक सहर्ष बढ़ाते

1. श्री सी. वी. नगेन्द्र

2, श्रीएस. मेलिक

3. श्रीबी. एन. रल्लन

4. श्री आर. एन. त्यागी

5 श्रीके. पी. राव.

आर. के. माथुर रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन) •

#### नई दिल्ली-110066, दिनांक 4 अनवरी 1982

सं जापा - 1 1/2 158-81 - रक्षा लेखा महानियंत्रक एतव् द्वारा निम्नलिखित स्थायी प्रनुभाग प्रधिकारियों (लेखा) को प्रत्येक के नाम के सामने वर्षायी गई तारीख से श्रागामी श्रादेश पर्यन्त, लेखा श्रधिकारियों के रूप में, स्थानापन्न रूप में, नियुक्त करते हैं '--

ऋम सं०	- नाम	- नाम		- नाम संगठन		संगठन	तारीख	
1	2	2		2		3	4	
· ŧ	ार्वश्री							
1.	पी० ए० <b>पं</b> राज्ये		,	रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रफसर) पुणे	12-2-80.			
2.	प्रीप्तपाल सिंह			रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधि) मेरठ	14-2-80			
3. ·	सी ० पी ० सिंह .			रक्षा लेखा नियंत्रक (भ्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	18-2-80			
4.	के ० वैंकटेश्वर राव	<b>.</b> .		रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैक) दक्षिण-मद्रास	12-2-80			
5.	सी० ब्रार० सङ्गोपन		٠,	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	12-2-80			
6.	राम नगीना चौबे		, ,	रक्षा लेखा नियंत्रक (पैंशन) इलाहाबाद	12-2-80			
7.	श्रार० ग्रार० ढोबाल			रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) वेहरादून	12-2-80			
8.	एस० शिवकुमारन थास्पे		٠,	रक्षा लेखा नियंत्रक (दक्षिणी कमान) पुणे	12-2-80			
_	के० सदाशिवम .			रक्षा लेखा नियंत्रक (प्रफसर) पुणे	12-2-80			

]	2		3	4
	सर्वे श्री	<u> </u>		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
10.	टी० रामकुमारन	. रक्षालेख	π नियंत्रक (ध्रफसंर) पुणे	12-2-80
11.	कृष्ण लाल .		ा नियंत्रक, मध्य कर्मान, मेरठ	1 2-2-80
12.	एस० ग्रार० नागराजन	. रक्षालेख	ा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	12-2-80
13.	मुरजीत सिंह .	. <b>रक्षा लेख</b>	n नियंत्रक (नौ सेना) बम्बई	12-2-80
14.	ए० एस० वासन	. रक्षालेख	ा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	12-2-80
15.	स्वामीरेन्द्र दास	. रक्षा लेख	n नियंत्रक (पेंशन) <b>इलाहाबाद</b>	12-2-80
16.	श्रार० पी० गर्मा	. रक्षा लेख	ग नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	7-3-80
<b>17</b> .	एन० एस० प्रसाद	. रक्षा लेख	ा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	12-2-80
18-	के० गोपाल कृष्णनायर	. रक्षालेख	ा नियंत्रक, दक्षिण कमान, पुणे	12-2-80
19.	वी <b>० सु<b>ब्र</b>मणियन</b>	. रक्षा लेख	<b>ग</b> नियंत्रक, पटना	12-2-80
20.	सत्येन्द्र नाथ मिल्ला	. रक्षालेख	वा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	22-2-80
21.	जी० ग्रंकर नारायणन		यंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	12-2-80
22.	ए० के० सरकार	. रक्षालेख	ग नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	12-2-80
23.	जगन्नाथ हस्तिर	. रक्षा लेख	म निर्यंत्रक, पष्चिमी कमान, मेरठ	19 <del>-</del> 5-80
24.	श्रार० रंगास्वामी	. रक्षालेख	बानियंत्रक (नौ सेना) बम्बई	12-2-80
25.	कृष्ण लाल कालरा		ा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	12-2-80
26.	के० बी० गोपाल कृष्णन	. लेखानिय	यंवक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	12-2-80
27.	वी० एम० कानेतकर		। नियंत्रक (श्रन्च रैंक) दक्षिण, मद्रास	12-2-80
28.	वी० कृष्णामूर्ति		बा नियंत्रक, दक्षिण कमान, पूणे	12-2-80
29.	रामेक्बरदासं .	रक्षा लेख	श नियंस्रक, उनरी कमान <b>,</b> जम्म	25~3-80
30.	ए० ग्रार० भट्टाचार्य	. रक्षा लेख	ा नियंत्रक∍दक्षिण कमान, पुणे	(अनुक्रम नियम के
	•			श्रधीन दिनांक
				12-2-80 से)
31.	एन० डब्ल्य्० ग्रगासे	. रक्षालेख	।ा नियंत्रक (भ्रफसर) पुणे	12-2-80
32.	एम० जी० दातार	. रक्षालेख	ग नियंत्रक (श्र <b>फ</b> सर) पुणे	12-2-80
33.	जी० क्षीर सागर		त नियंत्रक, दक्षिण कमान, पूणे	21-2-80
34.	ए० के० गुस्ता शर्मा	. रक्षा लेख	ा नियंत्रक, पटना	1 2-2-8 0
35.	बी० के० पारद	. रक्षा लेख	ा नियंत्रक (अफसर) पुं <b>णे</b>	28-2-80
36.	जे०पी० शर्मा.	. रक्षालेख	ा वियंत्रक, मध्य कमान ,मेरठ	18-2-80
37,	लखबीर सिंह .	. रक्षा लेख	ब्रा नियंत्रक, वायु सेना देहरादून	4-3-80
38.	देवेन्द्र सिंह .		बा चियंत्रक, त्रायुँ सेना, देहरादून	12-2-80
39.	एस० एस० मल्होक्रा		।। नियंत्रक (पेंगन) इलाहाबाद	13-2-80
40.	बिमल कृष्ण दास चौधरी		पंत्रक (फैक्ट्रोज) कलक <del>रा</del>	23-2-80
41.	कमलेश वर्मा	. रक्षा लेख	ब्रा नियंत्रक (पेंशन) दलाहाबाद	21-2-80
42.	ह <b>्रबंश</b> लाल		बा नियंत्रक, ग्रन्य रैंक. उसरे <i>,</i> पेरठ	12-2-80
43.	भव मोहन गर्मा	, रक्षालेख	ग संयुक्त नियंत्रक (निधि) मेरठ	12-2-80
44.	हर स्वरूप शर्मा		वा निमंत्रक पश्चिमी कमान, पेरठ	12-2-80
45	भ्र <u>रूण कुमार</u> घोष	. लेखानिय	यंतक (फैन्ट्रीज) कलकचा	23-2-80
46.	पी० बो० प्रभाकरन नायर		बानियंत्रक, श्रन्य रैंक, दक्षिण मद्रास	1-3-80
47.	जय देव .		बा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	14-4-80
48.	टी० ग्रार० नील कण्ठन		ग्रानियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	28-2-80
49.	डेनियल मनोहरन		बानियंत्रक (भ्रफसर) पूणे	्रयन्कम के श्रधीन
•			, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	दिनांक 13-2-80 मे)
50.	श्रमर चन्द दत्ता	. रक्षा ले <b>ख</b>	धा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरट	13-2-80
51.	टी० ग्रार० सरीन		ग नियंत्रक, पटना	11-3-80
52.	बी० ग्रार० चौब		क्षा नियंत्रक, श्रन्य रैंक उत्तर मेरठ	27-2-80

1 2	3	4
सर्वश्री		
53 नसीर <b>हुसैन जुबे</b> री .	लेखा नियंत्रक . (फैंक्ट्रीज) कलकत्ता	28-2-8
54. मारकंडे सिंह .	. लेखा नियंत्रक ( <mark>फैक्ट्रीज)</mark> कलक <del>रा</del>	29-2-8
55. पो०ए <b>न० टंड</b> न .	. रक्षा लेखा नियंत्रक (भ्रन्य रैक) दक्षिण , मद्रास	29-12-8
se एन०पी०सिंह	रक्षा नेखा नियंत्रक (पेणन) इलाहाबाद	13-2-80
57. रम्म क्रुडण खन्ना .	. रक्षा ले <b>बा</b> नियंत्रक, उत्तरी कमान, जन्म	25-3-86
8 एच <b>० एस० श्रीवास्त</b> व	. रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इत्ताहाबाद	13-2-8
59. महक सिंह	. रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	4-3-80
30 गोपालदास भटनागर	रक्षा लेखा नियंक्षक, पश्चिमी क्रमान, मेरठ	2-4-8
ा थार० सुकामणियन	रक्षा लेखा नियं <b>ज्ञक</b> , दक्षिण कमानः पुणे	15-3-8
32 एम <b>्ब्रा</b> र <b>ेदेशस्थली</b> .	, लेखा नियन्नक (फैन्ट्रीज) कलकत्ता-	29-1-8
<ol> <li>के० भ्रार० राजशेखरन मायर</li> </ol>	. रक्षा लेखा नियंद्रक, दक्षिणी कमाच. पुणे	3- <b>3</b> -8
<ol> <li>एन० डे नियल बोस .</li> </ol>	रक्षा लेखा नियंत्रक (भ्रन्य रैक) दक्षिण, मद्रास	18-3-8
5. भगत सिंह नेगी	. रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	2 2- 3-8
<ol> <li>वी० रामदुराई</li> </ol>	. लेखा नियंत्रक ( <b>फैक्ट्री</b> ज) कलकसा	1 <del>9-</del> 3- 8
7. कृष्ण देव	. रक्षा लेखा नियंत्रक (भ्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्राम	26-3-8
8. वी० एस० के० विट्ठल .	. रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान,पुणे	26-3-8
9. कृष्णलाल <b>धन</b> ा	. रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	31-3-8
0. रमेश बनर्जी	. लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1 3- 4-8
<ol> <li>मृदुल कुमार गोस्वामी</li> </ol>	. रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	31-3-8
2. वाई सुब्बा राव	रक्षा लेखा नियंत्रुक (ग्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	28-3-8
<ol> <li>वाई० गोविन्द राव .</li> </ol>	. रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	1 2-3-8
<ol> <li>कैलाशचन्द रस्तोगी .</li> </ol>	. रक्षा लेखा नियंत्रक. (श्रन्य रैक) दक्षिण, मद्रास	26-3-8
75. रमेशचन्द <b>जै</b> न	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	25-3-8
'6. एल०एल० <b>द्विवे</b> दी .	. रक्षा लेखा नियंक्रक (पेशन) इलाहाबाद	6-3-8
<sup>7</sup> 7. ग्रमरनाथ	. रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान,मेरठ	1 3-5-8
8. डी०एन०राम	. रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	29-4-8
<sup>7</sup> 9. ग्राई०डी०सिंह	. रक्षा लेखा नियंत्रक (पेणन) इलाहाबाद	10-3-8
10. एस० जी० सिंह .	रक्षालेखानियंत्रक (ग्रन्य रैक) उत्तर मेरठ	(ग्रनुकम नियम
		अधीन दिन
and the second		29-4-80 से
31 बी०के०महाजन	रक्षा लेखा निर्यक्षक (उत्तरी कमान) जम्म	29-4-8
12. एस० विकार हुसैन र राज्य रिंग्स चेनी	. रक्षा लेखा नियंत्रक (निधि) मेरठ	21-5-8
33. गबर सिंह नेगी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना . रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	15-4-8
34. <b>हंसराज</b> 35. भार०सी० <b>ढी</b> गरा .		25-5-8
5 5	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) उत्तर,मेरठ रक्षा लेखा नियंक्षक (श्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	9-7-8
36. के० नागेशराव 37. के० बी० सिवसुत्रमणियन	रका लेखा नियंत्रक (अन्य रक) दावाण, महास . रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	18-7-8
	·	29-5-
~	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	29-7-
, ·		21-5-8
		23-4-8
91. महिन चन्द्र गोयल 92. महेश चन्द्र शर्मा	. रक्षा लेखा नियंत्रक, मुख्यालय , नई दिल्ली . रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधि) मेरठ	1 4-7-8
92ः     महरा पाप्र रामा 93ः     ग्रयाम बिहारी लाल सक्सेना		15-4-3
93ः श्यामा अहारा लाल स <del>क्</del> सना 94ः <b>हरिश्चन्द्र</b>		28-4-8
	**	18-6-8
95. के० थी० शकर	. रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रफसर) पुणे	21-4-

1	2	3	4
	 सर्वर्श्वा		
96.	मनमोहन सिंह	, रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	15-4-80
97.	शिवस्थरूप शर्मा	न्क्षा लेखा नियंद्रक (श्रन्य रैंक) उ <del>त्त</del> र, मेरठ	26-5-80
98.	कं० डी० निवारी	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंगन) इलाहाबाद	15-4-80
99.	ई० एस० कृष्णमृति	. रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	· 25-80
100.	आर० एम० बी० एस० राव	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1 2-5-80
101.	प्रेम बली	्रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधि) मेरठ	5-5 <b>-8</b> 0
102.	प्रेम चन्द गुप्ता	. लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कल <del>करा</del>	1-5-80
103.	एम० श्रीनिवासन .	. 'लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	30-5-80
104.	यशैपाल सहाय .	रक्षा लेखा नियनक (श्रन्य रैक) उत्तर, मेरठ	1-5-80
105.	सुशील चन्द्र भौमिक	ं. लेखा नियंक्षक फैक्ट्रीज, कलकत्ता	1-5-80
106.	श्रोंकार सिंह महेश्वरी	रक्षा लेखा नियंत्रक (भ्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	29-9-80
107.	खचेडू सिंह	. रक्षा लेखा नियंत्रक, ग्रन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	3-5-80
108-	**	. रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	6-5-80
109	वी॰ एन॰ ठाकुर	्रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-5-80
110.	पी० एस० भार० के० गास्त्री	. रक्षा लेखा नियंत्रक, श्रफसर पुणे	2-5-80
111.	वी० रामचन्द्रन	. रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूर्ण	1-5-80
112.	बटट् नागेन्द्र राव	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रफसर) पुणे	3-5-80
113.	के० च <b>० ब्रह्मान</b> न्द राव	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रफसर) पुणे	2-5-80
114.	के० साम्बर्णिय राव .	. रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-5-80
115.	टी० एन०, जयरामन	लेखा नियंत्रक (फॅक्ट्रीज) कलकत्ता	29-5-80
116.	सह्य देव श्रार्य	. रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	23-6-80
117.	हरिणचन्द्र मकरन्दी	. रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंग़न) इलाहाबाद	(ग्रनुकम के ग्रधीन
			ंदिमोक 1-5-80 से)
118.	जसवन्तः राय सूरी	. रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान मेरठ	1-5-80
119.	एस० सोमय्या	रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रम्य रैंक) दक्षिण,मद्रास	1-5-80
120.	<b>धस्त्री संगत</b> सिंह .	्रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	27-6-80
121.	मगत राम	. रक्षालेखानियंत्रक (नौसेना) बम्बर्ड	(ग्रनुकम के श्रधीन
			दिनांक 16-6-80
			से )
122-	. चरण दास	. रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंगन) इलाहाबाद	16-6-80
123.	पी०के०श्रीवास्तव .	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकसा	12-6-80
124.	ं राम पाल सिंह्	. लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-5-80
1 2 5.	यशपाल सिंह	. रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान,जम्मू	1-5-80
126.	राजाराम	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	2-6-80
127.	राधे लाल गोयल .	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	(ग्रनुक्रम के ग्रधीन
			दिनांक 2-6-80 से)
128		लेखा नियंद्रक (फैक्ट्रीज) कलकता	2-6-80
129.	Q	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रफसर) पुणे	2-6-80
130	-	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	30-6-80
131.	•	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकसा	2-6-80
132.	· .	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	2-6-80
1 3 3.		. रक्षा लेखा नियंत्रक (भ्रन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	3-6-80
134.		. रक्षा लेखा नियंत्रकं (श्रफसर) पुणे	9-6-80
1 3 5.	वी० सम्ब शिव राव .	्रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रफसर) पुणे	9-6-80

1	2	3	4
	सर्व श्री		
136.	नित्यानन्द चक्रवर्ती	लेखा नियंत्रक ( <b>फै</b> क्ट्रीज) कलकत्ता	20-6-80
137.	एस० साम्ब मृति	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य <sup>के</sup> क) दक्षिण,मद्रास	(ग्रनुक्रम नियम
	,	,	के ग्रधीन 3-6-80
			से)
138.	जे० त्री० एस० एस० ए० माधव राव.	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान,पूणे	3-6-80
139.	टी० प्रार० गुप्ता	रक्षा लेखा नियं <b>क</b> क (पेंशन) <b>इ</b> लाहाबाद	2-6-80
140.	पव्मनाभ मिश्र .	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	20-6-80
141.	एस० रामानाथन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	9-6-80
142.	एम० जी० लाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्थ रैंक) दक्षिण, मद्रास	28-6-80
143.	के० एल० कुण्ड्	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	4-6-80
144.	धर्मप्रकाम	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	(ग्रनुक्रम नियम
		, , ,	के स्रधीन दिनांक
			1 4-7-80 से)
1 45.	सन्तकुमार	. रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहादाद	14-7-80
146	बधीवल राजपूत	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	29-7-80
147.	ऋषिकुमार गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	29-7-80
148	वी०पी०सिंघल	रक्षा लेखा नियन्नक, श्रन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	(भ्रनुक्रम नियम के
146	-		श्रधीन दिनंक
			16-7-80 सें )
1.10	ग्रार०पी० एस० यादव	रक्षा लेखा नियंत्रक (धन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	16-7-80
149.	भारणनार प्राप्त । इन्द्रजीत सिंह	रक्षा लेखा नियंसक, पटना	11-9-80
150.	देवेन्द्र सेन	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	14-7-80
151.		रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	5-7-80
152	मदन मोहन लाल खन्ना	्रे लेखा नियंद्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-7-80
153	डी० पी० गुहा खसनोबिस . श्री पाल जैन	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्सर) पूर्ण	12-9-80
154.	•	रक्षा लेखा नियंद्रक, वक्षिणी कमान, पुणे	16-7-80
155.	सुरेन्द्र बहायुर सिह	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	3-8-80
156	क्रे॰ एल॰ कपूर	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	29-11-80
157.	सुरेशचन्द्र गोयल .	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	10-11-80
158	जय प्रकाण गर्ग .	्रका लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	7
159.	एस० के० भाटिया	. रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूणे	7-7-80
160.	राम निवास गुफ्ता .	. रदा राजा । गमस्रक, जापाणा कर्मान, पुण	(ग्रनुक्रम नियम के ग्रधीन दिनांक
	•		
	C	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कल्कत्ता	1-7-80 से)
161.	राजिकशोर सिंह		1-7-80
162.	योगेन्द्र दस तिवारी .	. रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ . रक्षा लेखा नियंत्रक ∦(मुख्यालय) नई विल्ली	28-7-80
163.	भीम सेन	<b>3</b> . <b>3</b> ,	21-10-80
164.	एम० कोटिलिंग चार्यल्	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्थ रैंक) विक्षण, मद्रास	22-7-80
165	ग्रार० डी० श्रोत्री	. रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-7-80
166	एल <b>० के० दुबे</b> 	. रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	26-7-80
167.	ग्रार० मोहन रंगम	. रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	2-7-80
168.	बंशी लाल सोबती	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	14-8-80
169.	धर्मपाल .	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	26-9-80
170.	राम कृष्ण सक्सेना ,	रक्षा लेखा नियंत्रक, पैटना	27-10-80
171.	पी० डी० कृष्ण स्वामी	रक्षा क्षेत्रा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) ्विक्षिण, मद्रास	1-8-80
172.	कृष्ण लाल कोहली	रक्षा लेखा नियंद्रक, मध्य कमान, मेरठ	15-9-80
173.	बिशन स्वरूप गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक (बायु सेना) देहरादून	27-1-80
174.	मुहम्मद ए० वासें	. रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-8-80

1	· 2			3	4
	 . मर्वंश्री				
175.	पी <b>० डी०</b> तेगपुरे	•	, ,	क्षा लेखा नियंत्रक (श्रन्य रैंक) दक्षिण,मद्रास	1-8-80
176.	बी० गोपाल .			रक्षा लेखा नियंक्षक (ध्रन्य रैंक) उत्तर,मेरठ	18-8-80
177.	के० एल० बनर्जी		. 7	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटमा	16-8-80
178.				नेखा नियंत्रक (फैन्ट्रीज) कलकसा	8-8-80
179.	के० एल० जोशी			क्षा लेखा नियंत्रक (श्रन्य रैंक) विक्षण, मद्रास	1-8-80
180.				रक्षा ले <b>खा</b> नियं <b>त्र</b> क, पटना	29-9-80
181.	मोटवानी भर्जुन	÷	. 7	क्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	1-8-80
182.	एल० ग्रार० तनेजा			आ लेखा नियंत्रक (श्रकसर) पुणे	29-9-80
183.	स्रो०पी० बखशी		. 7	क्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	23-9-80
184.	जगपाल सिंह		. 7	क्षा लेखा नियंत्रक (भ्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	(भानुकम नियम के
					ग्रधीन विनीम
					4-9-80 से)
185	सी० गोपाल कृष्णन			रक्षा ले <b>खा</b> नियं <b>त्रक</b> (भ्रफसर) पुणे	4- <del>9-</del> 80
186.	सुरेण वीर सिंह		. 7	क्ता लेखा नियं <b>ज्ञक</b> ं (पेंशन) इलाहाबाद	8-9-80
187.	कुलदीप सिंह संच्चर		, र	क्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	29 <b>-9-8</b> 0
188.	गजराज सिंह .		. 7	क्षा लेखा नियंक्षक, पटना	29-11-80
189.	हीरान <del>न</del> ्द .	•	. 7	क्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) वेहरादून	6 <b>-9-8</b> 0
190.	एम० वी० रामचन्द्र राव		, 7	क्षा लेखा नियंत्रक, पटना	4- <b>9</b> -80
191.	पी० एस० मेहता		. 7	क्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	29-9-80
192.	सत्य नारायण			एका ले <b>जा</b> नियंकक, पटना	18- <b>9-8</b> 0
193.	जे० के० श्रीवास्तव		, 7	क्ता लेखा निर्यक्षक, पटना	17-9-80
194.	एस०पी० गुक्ल	•	. र	क्षा लेखा नियंत्रक, पटना	23-9-80
195.	मदन गोपाल दिवेकर	÷	. 7	क्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) वस्वर्द	3-9-80
196.	डी० के० मुखर्जी			भे <b>वा</b> नियंत्रक (फैक्ट्रीज) फलकत्ता	1-9-80
197.	फ्रार <b>े बाबू</b> लक्षमनन		. र	क्षा लेखा मिथंत्रक (ग्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	22-9-80
198.	टी० एन० खन्ना		, र	क्षाः लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	24-9-80
199.	रषुबीर सिंह .	•	. र	क्ता लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-9-80
200.	एम० जे० सन्धाना		. र	क्षा लेखा नियंक्रक (भ्रफसर) पुणे	4-9-80
201.	सुरेण चन्द्र सक्सेना		. र	क्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	(अपनुक्रम नियम के
	•				श्रकीन विनांक
					8-1 <b>0-</b> 80 से)
202.	पी० एन० मुखर्जी		. ₹	खा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) सलकत्ता	<b>8</b> -10-80
203.	सी० एल० चोपड़ा		. र	का लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	6-10 <del>-</del> 80
204.	हकूमत राव ग्ररोड़ा		, ই	क्षा लेख्या,नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	4-10-80
205.	एस० कृष्ण मूर्ति		, र	क्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	<b>8</b> -10 <b>-8</b> 0
206.	सी० एल० प्रभाकर	•		ता लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	13-10-80
207.	कमल जीत सिंह		. र	प्ता लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	10-10-80
208.	शिवराज सिंह .		. হ	क्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	9-10-80
209.	श्याम प्रकाश गौतम		. र	क्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	6-10-80
210.	ग्रार० एन० गोस्वामी 🦈		. र	क्षा नियंत्रक, पटना	23-10 <del>-8</del> 0
211.	टी० मो० राजप्पन पिल्लै		. रा	न्ना लेखा नियंत्रक (ग्रक्सर) पुणे	2 <del>9</del> -10-80
212.	बी० एन० प्रधान	•		ता लेखा नियंत्रक (भ्रन्य रैंक) उत्तरमेरठ	6-10-80
213-	एम० सी० जैन			न्ना लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	6-10-80
214.	गुरूशरण सिंह		7	क्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	4-10-80

1	2	3	4
₹	विश्री		
215.	जे०एन०राय	. रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	<b>'7-10-80</b>
216.	जगदीश चन्द्र	. रक्षा लेखा नियंत्रक (भ्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	11-11-80
217.	जे० के० दरगन	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रन्य रैंक) उत्तर मेरठ	22-12-80
218.	मुस्तफा हुसन	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	13-10-80
219.	जै० डी० गुप्ता .	. रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	(भ्रनुक्रम नियम
			के प्रधीन दिनांक
			16-10-80 से)
220.	के <b>० पार्थं सार्थी</b> .	. लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	16-10-80
221.	के०डी० मिश्रा .	. रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	31-10-80
222.	ए० एच० श्रीनिवासन मूर्ति	. रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) विक्षण, मद्रास	23-10-80
<b>223</b> .	एस० वीर भद्र राव .	. रक्षा लेखा नियंत्रक (भ्रन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	21-10-80
224.	एम० वी० सुब्बावघानी	. रक्षालेखानियंत्रक (श्रन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	21-10-80
225.	एच० एस० श्रीनाथ .	. रक्षालेखानियंत्रक (नौसेना) बम्बई	27-10-80
226.	श्रजीत सिंह बावा .	. रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	24-10-80
227.	बद्रीनाथ	. रक्षा लेखा नियंत्रक (म्रन्य रैंक) दक्षिण,मद्रास	21-10-80
228.	एस० एन० भट्टाचार्जी .	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	11-11-80
229.	के० ग्रार० डिनिरियस .	. रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	21-10-80
230.	रौनकलाल .	. रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	<b>24-10-8</b> 0
231.	एम०पी० थिटं	. रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	31-10-80
232.	गरु बरुण सिंह .	. रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	21-11-80
233.	द्यार <b>० रामचन्द्रन</b> ं .	. लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	24-11-80
234.	<b>∛</b> ि एन० मिश्रा .	. रक्षा लेखा नियंत्रकः (पेंशन) इलाहाबाद	24-11-80
235.	ज्ञानचन्द बंसल .	. रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्थ रैंक) उत्तर,मेरठ	25-11-80
236.	तिलक राज शर्मा .	. रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधि) मेरठ	17-11-80
237.	एस० के० सिन्हा .	. लेखा नियंस्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	28-11-80
238.	एल <b>० जनार्दन राव</b> .	. रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक). उत्तर मेरठ	28-11-80
239.	जे० एस० खोरगर् .	. लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	25-11-80
240.	राम कुष्ण	. रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	28-11-80
241.	के० एल० वैंकट सुब्बैया .	. रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधि) मेरठ	17-11-80
242.	पी० सूर्य राव	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	21-11-80
243.	एम० बी० पदमनाभन नायर '	. रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	6-12-80
244.	<b>गं</b> कर लाल	. रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) केन्द्रीय, नागपुर	24-11-80
245.	गुरुबङ्शसिंह	. रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	28-11-80
246.	एस० कृष्ण राव .	. रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) उत्तर मेरठ	24-11-80
247.	के० सुन्दर राव	. रक्षालेखानियंत्रक (ग्रन्य रैंक) उत्तरमेरठ	12-12-80
248.	के०पी० केशवन ़ु.	. रक्षा लेखा नियंत्रक (नौँसेना) बम्बई	29-11-80
249.	एच० एस० रांगाः .	. रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	17-11-80
250.	सीताराम	ं रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	24-11-80
251.	बलजोर सिंह	. रक्षा लेखा नियंत्रक (म्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	8-12-80
252.	मोहन लाल	. रक्षा लेखा नियन्नक (ग्रन्य रैंक) उत्तर मेरठ	31-12-80
253.	पुतराम सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	28-11-80
254.	जी० नटरायन .	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	24-11-80
255.	सी० राजामणि .	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ सेना) बम्बई	24-11-80
256.	भूप सिंह	. रक्षा लेखा नियंत्रक (भ्रम्य रैक) दक्षिण, महास	29-11-80

1	2			3	4
257.	तोताराम	•	•	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	20-11-80 -
258.	रूप राम सिंह	-		रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	10-12-80
259.	ए० के० परमाणिक			रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रफसर) पुणे	10-12-80
260.	पी० शेखरन .			रक्षा लेखा नियंत्रक, विक्षणी कमान, पुणे	24-11-80
261.	प्रभुदयाल .			रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-12-80
262.	डब्ल्यू० एस० <b>वैश्व</b>	-	•	लेखा नियंत्रक (फक्ट्रीज) कलकत्ता	24-11-80
263.	ए० बाल <b>० कृष्ण</b> न	•		रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	26-11-80
264.	टी० डी० वासव	•		रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ सेना) बम्बई	24-11-80
265.	ग्रमर ना <b>थ शो</b> क			रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	27-11-80
266.	ए०के०शाहा .			लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	28-11-80
267.	टी० प्रसन्न .			लेखा नियंत्रक (फक्ट्रीज) कलकत्ता	17-12-80
268,	कृष्ण लाल .			रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रन्य रैक) उत्तर, मेरठ	5-12-80
269.	रमेशचन्द्र .			रक्षा लेखा नियंत्रक (भ्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	21-11-80
270.	बी० पी० मनोचा			रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	10-11-80

ए० के० घोष, रक्षा लेखा उप महा नियंत्रक (परियोजना)

#### रक्षा मंत्रालय

# भारतीय आर्डानीन्स फीक्टरिया सेवा आर्डानीन्स फीक्टरी बोर्डी

#### फलकत्ता, दिनांक 19 दिसम्बर 1981

- सं. 54/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अधि-कारियों को स्थानापन्न डी. ए. डी. जी./डी. एम. के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं :—
  - (1) श्री ए. रगा राव, ए. एम. (परक्षाविध)---1 जुलाई, 1981।
  - (2) श्री एस. के. बन्धोपाध्याय, अस्थायी ए. एम.—— 1 जुलाई, 1981।
  - (3) श्री पी. आर. सुधाकर, ए. एम. (परसाविध)—
     30 नवम्बर, 1981।
  - (4) श्री एस आर. तिवारी, ए.एम. (परसाविध)—— 30 नवम्बर, 1981।
  - (5) श्री एम. वी. श्रीनिवासन्, ए.एम. (परकावधि---30 नवम्बर, 1981।
  - (6) श्री पी. एम. मंशराम, ए. एम. (परखात्रिध)— 30 नवम्बर, 1981।

दिनांक 4 जनवरी 1982

सं. 55/जी/81—राष्ट्रपति ने श्री सी. बी. वाडगानकर, अस्थायी सहायक प्रबन्धक का त्यागपत्र तारीक 2 सितम्बर, 1981 (अपराह्म्न) से मंजूर किया।

. वी. के. मेहता सहायक महानियोगक, आर्डानीन्स फौक्टरिया

#### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यासय आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

नई विल्ली, विनास 11 अनवरी 1982

म . 6/533/58 - प्रशासन 'राज '/348--राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा की प्रवरण श्रेणी के अधिकारी और अभी

मुख्य नियंत्रक, अायात-निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय में निर्यात आयुक्त के रूप में कार्य कर रहे श्री ए. रामधन्द्रन को संवा निवृत्ति की आयु होने पर भी 1 जनवरी, 1982 से एक वर्ष की अविध के लिए सेवा वृद्धि प्रवान करते हैं।

मणि नारायणस्वामी मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

#### उद्योग मंत्रालय

## (औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नर्क दिल्ली-110011, विनास 1 जनवरी 1982 सं. ए - 19018 (573)/82-प्रशासन (राजपत्रित)— राष्ट्रपतिजी, भारतीय अर्थ सेवा के ग्रेड-2 अधिकारी श्री वेववत्त सिंह की, जो आर्थिक कार्य विभाग में सहायक आर्थिक परामर्श-द्वाता है, विनास 11 दिसम्बर, 1981 (अपराह्न) से अगले आदोशों तक, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नर्क दिल्ली के कार्यालय में निद्योक, ग्रेड-2 (आर्थिक अन्वेषण) पद पर नियुक्त करते हैं।

> सी. सी. राय उपनिद्यासक (प्रशासन)

# पूर्ति तथा निपटान महानिद्धेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नर्इ दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1982

सं प्र-1/1(1103)——निरक्षिण निद्येशक (भातु) वर्णपुर के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निद्येशक (प्रशासन) (ग्रंड-।।) श्री जी. नित्या निवर्तमान आयु होने पर दिनाक 30-11-1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गर्य।

> एस एल कपूर उप निवदेशक (प्रशासन) कृते महाभिदेशक, पूर्तितथा निपटान्

#### (प्रशासन अनुभाग-6)

# नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1982

सं. प्र. -6/247 (286)——निरीक्षण निर्देशक, कलकत्का के कार्यात्वय में स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) और स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (इंजी) श्री एस. पी. चटर्जी निवर्तमान आयु होने पर दिनाक 31-10-81 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

स. प्र.-6 (247) 301/61—निरक्षिण निद्धेषक (धातु-कर्म), जमश्चेदपुर के कार्यालय में स्थायी सह्यक निरक्षिण अधिकारी (धातुकर्म-रसायन) तथा स्थानापन्न सहायक निद्धेषक निरक्षिण (धातु-रसायन) (भारतीय निरक्षिण सेवा ग्रंप ''ए'' धातु-रसायन शाखा के ग्रेड-।।।) श्री एन. आर. घोष निवर्तमान आयु होने पर दिनाक 30-11-1981 (अपराह्न) में सरकारी सेवा से निवन्त हो गए।

एम. जी. मैंनन उप निकश्चिक (प्रकासन)

# इस्पात एवं साम मंत्रालय (इस्पात विभाग)

## नीह स्वं इत्नास नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 31 दिसम्बर 1981

सं र्ह ।-2(3)/75( •)---लौह एवं इस्पात नियंत्रक ने एतद् द्वारा दिनांक. 1/1/82 के पूर्वाहन से निम्नलिखित व्यक्तियों को इस कार्यालय में स्थानापन रूप से सहायक लौह एवं इस्पात नियंत्रक के पक्ष पर नियंक्त किया है:---

- (1) श्री दिनय भूषण बागची
- (2) श्री ज्योति रेजन चकवती

## दिनांक 6 जनवरी 1982

सं. ई. 1-2(3)/75( . )—-लीह एवं इस्पात नियंत्रक ने एतक दुसारा श्री एस. सी. सरकार, अधीक्षक को दिनांक 4-1-82 से पद्यत्निति कर स्थानापन्न रूप में सहायक लौह एवं इस्पात नियंत्रक की एद पर नियुक्तर किया है।

> एस . एन . विश्वास संगुक्त लौह एवं इस्पार्त नियंत्रक

## (लाम विभाग)

#### भगरतीय भूजीकारीनक सर्वोक्षण

ं कलकत्ता-700 016, दिनांक 5 जनवरी 1982

मं. 172 की/ए-19012(1-एय सी के)/80-19ए--श्री होम अन्द्र साधुरी को सहायक भूवेजानिक के रूप में भारतीय भूवेजानिक सर्वक्षण में 650 रु. प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन एर 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000-द रो -40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आवशे होने तक 26 सितम्बर, 1981 के पूर्वीहन से नियुक्त किया जा रहा है।

जे. स्वामी नाथ महान्दिशक

#### राष्ट्रीय अभिलेखाकार

#### नर्ह दिल्ली-1, दिनांक 4 अनवरी 1982

सं एफ 8-30/81-इस्ट — श्री बी. आर. हामी को तदर्भ आधार पर स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी 1 जनवरी 1982 से आगामी आदेशों तक नियमित अस्थायी आधार पर प्रशासन अधि-कारी नियुक्त किया जाता है।

एस. ए. आई. तिरमिजी अभिलेख निद्याक

#### मर्द दिल्ली-1, दिनांक 8 जनवरी 1982

स. एफ. 11/9/80/ए 1/स्थापना—अभिलेख निद्देशक, भारत सरकार एतद् द्वारा श्री वी. एव. कोहली, सहायक अभिलेखाधिकारी ग्रेड-। (सामान्य व स्थानापन्न अभिलेखाधिकारी (सामान्य) के तदर्थ आधार पर अभिलेखाधिकारी (सामान्य) के रूप में नियमित अस्थायी आधार पर 1 जनवरी, 1982 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियक्त करते हैं।

द्वी. आर. शर्मा प्रशासन अधिकारी कृते अभिलेख निवेशक भारत सरकार

#### आकाशवाणी महानिव शालय

#### नक् दिल्ली, दिनांक 5 अनवरी 1982

सं. 3/17/64-एस दो—महानिद्धिशक, आकाशवाणी एतद् द्वारा श्री पी. के. बोरो लेखाकार आकाशवाणी, शिलांग को दिनांक 16-12-1981 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर आकाशवाणी इम्फाल पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 7 जनवरी 1982

सं. 10/144/61-एस-दो---मदानिदशक, आकाशवाणी एतव् व्वारा श्री जी. डी. डोंगडे, लेखकार आकाशवाणी, मांगली 23-12-81 (पूर्वास्त) से प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, नागपुर के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. 2/40/80-एस.-दो—महानिवंशक, आकाशवाणी, एतद् द्वारा श्री वी. एल. माहु, सीनियर लेखकार आकाशवाणी, इम्बर्ष 28-12-81 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी, दूर-दर्शन केन्द्र कलकरता के पद पर स्थानायन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एस. वी. संषादी उपनिदंशक प्रशासन **कृते** महानिद्शक

#### नइ दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

मं. ए. 32013/1/81-एम. 5--महानिद क्षक, आकाश-वाणी लेखा निरीक्षक को ग्रेड मो निम्निलिखित अधिकारियों को . उनके नाम को सामने लिखी तारीयों में आकाशवाणी महानिद कालय/ दूरवर्षन महानियोशालय, नर्ष दिल्ली में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं:--

- (1) श्री जे. पी. जैन, तदर्थ लेखा निरक्षिक, आकाशवाणी महानिद्देशालय, नई दिल्ली को 17 नवम्बर, 1981 के अपराहन से आकाशवाणी महानिद्देशालय नई दिल्ली में;
- (2) श्री एम पी. जैन, तदर्थ लेखा निरक्षिक, दूरदर्शन महानिदशालय को 17 नवम्बर, 1981 के अपराहन से दूरदर्शन महानिदशालय, नई दिल्ली में;
- (3) श्री भरत सिंह, तदर्थ लेखा निरीक्षक, आकाशवाणी महानिद्देशालय, नई दिल्ली को 17 नवम्बर, 1981 के अपराहन से आकाशवाणी महानिद्देशालय में; और
- (4) श्री ए.के. गांगूली, विरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, समाचार सेवा प्रभाग, नई दिल्ली को 10 दिसम्बर, 1981 के अपराह्न से आकाशवाणी ग्रहामिदशालय मों।

्रमः वीः संषाद्री प्रशासन उपनिद्रोकः

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नर्ह दिल्ली, विनांक 5 जनवरी 1982

सं. ए. 22012/1/81-स्टोर—श्री समीर चौधरो के तबादला हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 22 सितम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से चिकित्सा सामग्री डिपो, हैंदराबाद से उप महायक महानिदोशक (एम. एस.) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा उन्होंने 23 सितम्बर, 1981 के अपराहन से चिकित्सा सामग्री डिपो, कलकता में उप सहायक महानिदोशक (एम. एस.) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

- 2. श्री एम एल मीना के तबादला हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 23 सितम्बर, 1981 के अपराहन से चिकित्मा सामग्री जिपो, कलकत्ता से उप सहायक महानिद्देशक (एम एस ) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा 12 अक्तूबर, 1981 के पृष्टिन से चिकित्सा सामग्री कियो, गोहाटी में उप सहायक महानिद्देशक (एम एस ) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।
- 3. श्री एच. डी. पटोल के तबादला हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 12 अक्सूबर, 1981 के पूर्वाह्म से चिकित्सा सामग्री डिपो, पोहाटी से उप सहायक महानिवेशक (एम. एस.) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा 22 अक्तूबर, 1981 के पूर्वाह्म से चिकित्सा सामग्री डिपो, है बराबाद में उप सहायक महानिवेशक (एम. एस.) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

शिव दयाल उप निदोशक प्रशासन (स्टोर)

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवारी 1982

सं. ए. 32014/7/81-(एन आई. सी. डी.)-प्रशासन-।—स्वास्थ्य सेवा महानिदाशक ने श्री यू. सी. जाटव, अधीक्षक, एन. आई. सी. डी , दिल्ली, की राष्ट्रीय सचारी रांग संस्थान, दिल्ली में 30 नवम्बर, 1981 अपराहन से और आगामी आदिशों तक अस्थायी तौर पर प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त किया है।

> त्रिलांक चन्द जैन उप निदांशक प्रशासन

#### ग्रामीण पनर्निर्माण मंत्रालय

#### विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय

#### फरीदाबाद, विनांक जनवरी 1982

मं ए 19023/35/78-प्र तृ . — सेवा निवृत्ति की आय् पूर्ण करने पर इस निदेशालय के अधीन लखनउर में श्री एस . पी सिंह, विपणन अधिकारी, दिनांक 30 नवम्बर, 1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

#### दिनांक 7 जनवरी 1982

सं. ए. 19023/8/81-प्र. तृ.—हम निद्देशालय के अधीन तिरुपुर में विपणन अधिकारी (वर्ष ।) के पद पर श्री ए. राघव राव की तदर्थ नियुक्ति को 19 नवम्बर, 1981 (अपराहन) तक बढ़ाया गया है। श्री राव तिरुपुर में ही विनांक 20-11-1981 (पूर्वाहन) से सहायक विपणन अधिकारी (वर्ष ।) के पद पर प्रत्यावितित हो गए है।

बी. एल. मनिहार निदोशक प्रशासन कृते कृषि विषणम सलाहकार

#### परमाणु उन्जा विभाग

#### (परमाण् खनिज प्रभाग)

हैंदराबाद-500016, विनांक 8 अनवरी 1982

सं. प. स. प्र.-16/2/82-भर्ती .--परमाण् उर्जा विभाग, एरमाण् सनिज प्रभाग के निवंशक एतद्द्वारा नामकींग इंधन सम्मिश्र, हैवराबाद के स्थायी वरिष्ठ आश्नुलिपिक तथा स्थानापन्न प्रवरण कोटि आश्नुलिपिक श्री भ. ल. ज. शास्त्री को परमाण् सनिज प्रभाग में 21 दिसम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानाएन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियक्त करते हैं।

म.स्. रात वरिष्ठ प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

# पर्योटन एवं नागर विभानन मंत्रालय भारत भीसम विज्ञान विभाग

नर्षं विल्ली-3, विनांक 5 जनवरी 1982

सं. ए-12040/1/81-म्था.-।—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियां को 30 सितम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक भारत मौसम विज्ञान विभाग में मौसम विज्ञानी श्रेणी ।। के पद पर अस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं:—

- 1. श्रीएम. डी. रामचन्द्रन
- 2. श्री ए. के. शर्मा
- . 3. श्रीए. एल. कोप्पड़

एस. के. दास मौंसम् विज्ञान को अपुर महानिद्देशक

# महानिद्देशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982

सं ए. 12025/1/81-हिन्दी—-राष्ट्रपति ने नागर विमान नन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के श्री सुरोश दक्त अवस्थी को विनांक 22 दिसम्बर, 1981 (पूर्वाहन) से तकनीकी अधिकारी के पद पर नियक्त किया है और उन्हों अन्य आदोश होने तक निक्रोशक, रोडियो निर्माण और विकास एकक, नर्क दिल्ली के कार्यालय, में तैनात किया है।

सं. ए. 12025/1/81-इं. सी.—-राष्ट्रपति ने नागर विमानन के श्री अजय कृमार संगल को दिनांक 4-12-1981 से तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और अन्य आदोश होने तक निदोशक, रोडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 32013/10/80-ई० सी०--राष्ट्रपति ने निम्निखित संचार ग्रिधिकारियों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की ग्रवधि के लिए भौर दिए गए स्टेशन पर वरिष्ठ संचार ग्रिधिकारी के ग्रेड में तदथ श्राधार पर नियुक्त किया है:--

क्रम मं०	नाम			वर्तमान तनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यग्रहण करने की तारीख
1. श्री पी० केशवन				वै० सं० स्टशन, मद्रास	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	1-12-81 (पूर्वाह्न)
2. श्री उमेश कुमार				वै ० सं ० स्टेशन, दिल्ली	वै० सं० स्टेशन, दिल्ली	30-11-81 (पूर्वाह्म)
<ol> <li>श्री एच० एल० श्रीवास्तम</li> </ol>		.*	•	ना० वि० प्रशिक्षण, केन्द्र, इलाहासाद	वै० सं० स्टेशन, विल्ली	23-12-81 (पूर्वाह्म)
4. श्री धाई० उ० शर्मा			٠	महानिदेशक नागर विमानन विभाग (मुख्यालय)	महानिवेशक नागर विमानन विभाग (मुख्यालय)	10-12-81 (पूर्वाह्म)
5. श्री एस० जी० प्रसाद				व० सं० स्टेशन, बम्बई	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	30-11-81 (पूर्वाह्न)
6. श्री बी॰ पी० भगत	•			वे० सं० स्टेशन, बम्बई	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	30-11-81 (पूर्वाह्न)

#### दिनांक 6 जनवरी 1982

मं० ए० 32013/2/81-ई० सीं०—-राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित सहायक तकनीकी श्रधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई ताीख से छः मास की श्रविध के लिए तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में तवर्थ आधार पर नियक्त किया है श्रौर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:—

ऋम सं०	नाम			मोजूदा तैनाती स्टेशन	नया तना <b>ती स्टेशन</b>	कार्यभार संभालने की ता <b>ीख</b>
1	2			3	4	5
1.	श्री ग्रार० एन० दत्त			दिल्ली	दिल्ली <sup>:</sup>	30-11-81 (पूर्वाह्न)
2.	श्री ग्रो०पी० दीक्षित			विल् <b>ली</b>	दिल्ली	30-11-81 (पूर्वाह्म)
3.	श्री एम० एस० साहनी			दिल्ली <sup>•</sup>	दिल्ली	30-11-81 (पूर्वाह्न)।
4.	श्री एस० के० नायर			मद्रास	मद्रास	1-12-81 (पूर्वाह्म)
5.	श्री सी० हरमन			हैदराबाद	हैवराबाद	1-12-81 (पूर्वाह्न)
6.	श्री एंच० एस० शर्मा		,	रे० नि० एवं विकास एकक दिल्ली	रे० नि० एवं विकास एकक, दिल्ली	,
7.	ी के० सी० देवगुण	•	•	रे० नि० एवं विकास एकक दिल्ली	रे० नि० एवं विकास एकक दिल्ली	30-11-81 (पूर्वाह्म)
8.	श्री वी०पी० नारंग		•	रे० नि० एवं विकास एकक, विल्ली		30-11-81 (पूर्वाह्न)
9.	श्री मार० विद्ठल सिंह	•		बंगसीर	बंगलौर	2-12-81 (पूर्वाञ्च)
10.	श्री पी॰ सी॰ जैन	u *	•	महानिदेशकः नागर विमानन काकार्यालय (मुख्यालय)		30-11-81 (पूर्वाह्म)
11.	श्री वी० के० शर्मा			मन्दसौर	मन्दसीर	30-11-81 (पूर्वाह्म)

1	2	3	4		5
12.	श्री राय चन्द	. रे० नि० एवं विमास एकक, नई दिल्ली	रे० नि० एवं विकास, एकक, नई दिल्ली	30-11-81	(पूर्वाह्न)
13.	श्रीप्यारासिह . ,	. श्रम्तसर	ग्र <b>मृतस</b> र	1-12-81	(पूर्वाह्न)
1 <b>4</b> .	श्री ग्राई० जे० शर्मा .	. दिल्ली	विल् <b>ली</b> ·	30-11-81	(पूर्वाह्न)
15.	श्री टी० ग्रार० मनन .	. स्निवेन्द्रम	स्रिवेन्द्रम	. 1-12-81	(पूर्वाह्न)
16.	श्रीजी०एस०कोचीकर .	. पटना	पटना	3-12-81	(पूर्वाह्म)
17.	श्रीके० एस० बालासुब्रक्षण्यम	. मद्रास	मद्रास	2-12-81	(पूर्वाह्म)
18.	श्री मनोहर सिंह	, ग्रहमदाबाद	<b>प्रहमदाबाद</b>	30-11-81	(पूर्वाह्न)
19.	श्री पी० एन० नय्यर ्	. रे० नि० एवं विकास एकक, नई दिल्ली	रे० नि० एवं विकास एकक, नई दिल्ली	30-11-81	(पूर्वाह्न)
20.	श्री एम <b>० डी</b> ० रेंगानाथन     .	, मद्रास	मद्रास	2-12-81	(पूर्वाह्न)
21.	श्रीएच०एल० गर्मा .	. दिल्ली	दिल् <b>ली</b>	30-11-81	(पूर्वाह्न)
22.	श्री वी० कृष्णामूर्ति ,	. भद्रास	मद्रास	1-12-81	(पूर्वाह्म)
23.	श्री एस० एन० सिंह	. वाराणसी	वाराणसी	8-12-81	(पूर्वाह्न)
24.	श्रीकें०बी०कृपलानी .	. बम्बर्ड	बम्बई	·30-11-81	(पूर्वाह्न)
25.	श्री भ्राशिष दत्ता .	. गौहाटी	गौहाटी	2-12-81	(पूर्वाह्म)
26.	श्री एस० सी० घोष .	. रे० नि० एवं विकास एकक, नई दिल्ली	रे० नि० एवं विकास एकक, नई विल्ली	30-11-81	(पूर्वाह्म)
27.	श्री एस० पी० चक्रवर्ती .	. कलकत्ता	कलक्ता	4-12-81	(पूर्वाह्म)
28.	श्री एन० एम० सपड़ा .	: सम् <del>य</del> ई	बम्बई	30-11-81	(पूर्वाह्न)
29.	श्रीबी० एस० बक्जी .	. रे० नि . एवं विकास एकक, नई दिल्ली	रे० नि० एवं विकास एकक, नई दिल्ली	1-12-81	(पूर्वाह्न)
30.	श्रीसी०पी०राव .	. बम्बर्६	बम्बई	30-11-81	(पूर्वाह्म)
31.	श्री ए० के० सक्सेना .	. सी० ए०टी०सी०इलाहाबाद	लखनऊ	10-12-81	(पूर्वाह्न)
32.	श्री रनजीत घोष .	. दिल्ली	रे० पि० एवं विकास एकक, नई विल्ली	7-12-81	(पूर्वाह्न <u>)</u>
33.	श्री ए० एस० पाल .	. बम्बई	बम्बई	30-11-81	(पूर्वाह्न)
34.	श्रीधात्माराम .	. दिल्ली	विल्ली	30-11-81	(पूर्वाह्न)
35.	श्री के० सोबती .	. दिल्ली	<b>दिल्ली</b> '	30-11-81	(पूर्वाह्न)
36.	श्रीवीं०के०रस्तोगी .	. बम्बई	बम्बई	30-11-81	(पूर्वाह्न)
37.	श्री एस० एन० सम्पन .	. रे० नि० एवं विकास एकक,	रे० नि० एवं विकास एकक,	30-11-81	
		नई विल्ली	नई दिल्ली		•
38.	श्रीवी० बी० चौगुले .	. बम्बई	अम्बर्ड	30-11-81	(पूर्वाह्म)
39.	श्रीसी०एच०वैकटचलम .	. बम्बई	बम्बई	30-11-81	
40.	श्री प्रार० एस०े सोक्खी .	. दिल्ली	विल्ली	30-11-81	
41.	श्रीके०एस० ग्रानन्द .	. जयपुर	जयपुर		(पूर्वाह्न)
42.	श्री एम० डब्ल्यु० श्रावती .	. बम्बई	बम्बई	30-11-81	
43.	श्रीके०एम० कृष्णन् .	, बम्धर्ष	बम्बई	30-11-81	
44.	श्री एस० के० राव .	. मद्रास	मद्रास	2-12-81	(पूर्वाह्म)
45.	श्री कुलवन्त सिह	, बम्बई	बम्बई	30-11-81	
46.	श्रीएन०वी०एम०मनी .	. बम्बई	बम्बई	30-11-81	(पूर्वाह्म)
47.	श्री केणो नाथ	, बम्बई	बम्बई	30-11-81	_
48.	श्री हरि भगवान	. बम्बई	बम्बई	30-11-81	
49.	श्री एन० बी० सिद्धपालकर	, नागपुर	नागपुर	1-12-81	
50	श्री एस० एस० पराशर	. ना <b>गपुर</b>	नागपुँर	1-12-81	
		. नागपुर	नामपुर	1-12-81	(पूर्वाह्न)

1	2	3	4	5
52. श्रीए <b>०</b> के०	वैंगची .	. शलकता	<b>, क</b> लकता	30-11-81 (पूर्वाह्न
53. <b>श्री डी॰</b> एन	<b>न</b> ० विण्वास .	. केलकेता	कलकत्ता	30-11-81 (पूर्वाह्र
54. श्रीजे०सी	० राय .	. <b>कलकर</b> ा	<b>कलक्</b> ता	30-11-81 (पूर्वाह्र
55 श्री एस० के	० भट्टाचार्याः	. कलकेता	<b>मलक</b> त्ता	1-12-81 (पूर्वाह्र
56. <b>श्री एम</b> ० ए	ल०के०चटर्जी.	<i>नालकता</i>	<i>कालका</i> ना	30-11-81 (पूर्वाह्म)
57. श्री <b>बी</b> ० के	<b>मुख</b> र्जी .	. कलकता	कलकता	30-11-81 (पूर्वाह्म
58. श्री <b>टी</b> ० वी	० गोपालकृष्णन्	. कलकता	कलकता	2-12-81 (पूर्वाह्न)
59. श्रीएम०के	० <del>चक्र</del> वर्ती .	. क <b>ंग्</b> ता	कलकरा	1-12-81 (पूर्वाह्र)
60. श्री एन० वे	ा राय .	. कलकर्ता	कलकत्ता	30-11-81 (पूर्वाह्न
	·····	······································	<del></del>	प्रेम चन्द

निदेशक सहायक प्रशासन

#### विद्रेश सचार सेवा

# बंम्बर्दे, दिनांक 2 जनवरी 1982

सं. 1/257/81-स्था .--विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतव्व्वारा बम्बर्इ शासा के पर्यवेक्षक, श्री जी. सी. डीलिमा को 2 सितम्बर, 1981 के प्वहिन से आगामी आवें शेर तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उंप परियात प्रबंधक नियुक्त करते है।

सं. 1/335/81-स्था. -- विविश संचार सेवा के महानिदेशक एतदुद्वारा अम्बर्द पासा के पर्यवेक्षक, श्री एफ. पी. डीसुझा को 2-9-81 के पूर्वाह्म से आगामी आविशों तक उसी शासा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

> एच. एल. मलहोत्रा उप निव शक (प्रशा.) कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमाशुल्क समाहर्तालय, उडीसा

भूवनेश्वर, दिनांक 8 जनवरी 1982

सं. 14/81--सेवा निवृति की आयु हो जाने पर कोन्द्रीय उत्पाद क्ष्या सीमाशुल्क के समाहतीलय, कटक प्रमंडल में स्थापित हुए श्री गोपीनाथ महापात्र, प्रशासनिक अधिकारी, दिनांक 30 नवम्बर, 1981 दो पहर को इस विभाग में अवसर लिये।

> एस. दास सहायक समाहर्त्ता (म्रूच्या .) ं केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमाशुल्क , भूवनेष्यर

समाहतां, केन्द्रीय उत्पादन श्लक का कार्यालयं,

कन्द्रीय राजस्व बंगलौर, दिनांक 14 मर्ह 1981

सं. 5/81--कोन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के नियम 5 के द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, मैं इसके बवारा, कोन्द्रीय उत्पादन शुल्क के अधिकारिक सहायक समाहर्ताओं को, कैन्द्रीय उत्पादन श्ल्क नियमावली 1944 के नियम 95-क

के अधीन, समाहर्ता की शक्तियां प्रयोग करने का प्राधिकार प्रदान करता हूं।

साक्ष्यांकित एस. वी. रामचन्द्र अधीक्षक (तक.)

> सी. भूजंगस्वामी समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शूलेक, बंगलोर

#### बंगलौर-1, दिनांक 12 जून 1981

सं. 6/81—-दित्त मंत्रालय, (राजस्य विभाग) भारत सरकार, द्वारा दिनाक 29-4-1981 की जारी की गई अधि-सूधना सं. 110/81 केन्द्रीय उत्पादन श्रृत्क की द्विष्टगत रसते हुए इस समाहतीलय की दिनांक 6-4-81 को पूर्वतः अधिसूचना संख्या 3/81 निरस्त की जाती है।

#### दिनांक 21 जुलाई 1981

सं. 7/81--केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली नियम 5 के अधीन मुक्तमें निहित्त शिक्तियों का प्रयीग अंदर्त हुए, मैं इसके ख्वारा, कोन्द्रीय उत्पादन शुल्क के सहायक समाहर्ताओं को उनके अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में विस मंत्रालय की दिनांक 12-11-1980 की अधिसूचना सं. 178/80 केन्द्रीय उत्पादन शुल्क द्वारा प्रतिस्थापित विनाक 17-11-1962 की दिल्त मंत्रालय की अधिसूचना सं. 197/62/कोन्द्रीय उत्पादन शुल्क के परन्तुक (5) के संबंध में , माल के निर्यात की अवधि की, उस तिथि से, जिससे कि उत्पादन करने वासी फौक्टरी अथवा भाडांगार से नियात के लिए पहली बार माल की निकासी की गयी थी, 4 महीने से दर्र बढ़ाने की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के ''समाहर्ता'' की शिक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्रा**धिकृत करता ह**ूं।

. सं०४/४1—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के नियम 5 के प्रधीन मुझ में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मै इसके द्वारा नीचे उल्लिखित सारणी के स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्टत तथा ऊपरी श्रेणी के, केन्द्रीय उत्पादन शुरुण कर्नाटक समाहर्सीलय, केन्द्रीय

उत्पादन शुल्क मधिकारियों को उनके म्रपने-भ्रपने मधिकार क्षेत्र में, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के नियम 19(2), 27(4), 49, 147 तथा 196 के मधीन दी गई "समाहर्ता" की णिक्तयों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है।

सारणे

ऋम उत्पादन शुल्क योग्य माल पर प्रत्येक केन्द्रीय उत्पादन
 मं० पृथक मामले में श्रन्तर्गस्त शुल्क की शुरूक प्रधिकारी
 राशी का पदक्रम

1. रु० 1000/- से श्रिधिक न हो श्रिधीक्षक 1000/- रु० से श्रिधिक लेकिन रु० 2500/- सहायक समाहर्ता मे श्रिधिक न हो

3. रु० 2500/- से भ्रधिक लेकिन रु० 5000/- उपसमाहर्ता से भ्रधिक न हो

> भार० एन०शुक्ल समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बंगलौर–।

## समाहतीलय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नागपुर-440001, दिनांक 28 विसम्बर 1981

सं. 11/81--इस समाहती क्षेत्र के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग चंद्रपुर (नागपुर से कार्यान्वित), श्री जे. टी. डॉगरों ने आयु सीमा प्राप्त करने पर दिनांक 31 अक्तूबर, 1981 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

सं. 12/81——भारत सरकार, विस्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली के स्थापना आदोश क्रमांक 197/81 दिनांक 13-11-1981 (मि. सं. ए. 22012/106/81-एली.-।।) के अनुसार, इंडियन पेंट्रों केमिकल्स कार्पोरोजन लिमिटोड बरोडा में प्रति स्थापना से प्रत्यावर्तन पर श्री पी. आर. कान्होरों ने सहायक समाहती, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-।।, नागपूर के कार्यालय का दिनांक 9 विसम्बर, 1981 के पूर्वीहन से कार्यभार संभाल लिया।

सं. 13/81—सहायक समाहती, कोन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, चंद्रपुर (नागपुर से कार्यान्वित) के पद पर तैनात के फल-स्वरूप, श्री आर. जे. बेले, पहले सहायक समाहती कोन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-।।, नागपुर ने सहायक समाहती, कोन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग चंद्रपुर (नागपुर से कार्यान्वित) के कार्यालय का दिनांक 14 विसम्बर, 1981 के प्वीह्न से कार्यभार संभाल सिया।

हस्ताकार के. शंकररामन समाहर्ता

#### केन्द्रीय जल आयोग

नर्क दिल्ली-110066, दिनांक जनवरी 1981

मं. ए-19012/959/81-स्थापना-पांच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एसद्द्यारा श्री रणजीत कुमार दास पर्यवेशक को स्थानापन्न रूप में अतिरिक्त सहायक निद्येशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर 3--4360I/81

रः 650-30-740-35-810-दः रोः -35-880-40-1000-दः रोः-40-1200 को वेतनमान में 6 महीने की अविधि के लिये अथवा पदों के नियमित आधार पर भरो जाने तक, जो भी पहले हो, नियक्त करते हैं।

> ए. भट्टाचार्य अवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्यालय, मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं रण्डट्रोनिक्स इन्सट्रयूमेंटस् प्राइविट लिमिटोड को विषय मो

#### बम्बर्ग, ब्रिनिक 4 जनवरी 1982

सं. 625/16038/560/3—कम्पनी अधिनियम 1956 की भारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन भास के अवसान पर रण्डट्रोनिक्स इनसट्रयुमेंट्सै प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दर्शित ं न किया गया हो तो रिजस्टर में काट विया जाएगा और कम्पनी विचटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं अम्को मिशन्स प्रायेवेट लिमिटोड के विषय में

#### बम्बर्ड, दिनांक 4 जनवरी 1982

सं. 627/16227/560/(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अमको मिशन्स प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशा न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विचटित कर दी जाएगी।

औमप्रकाश जैन कम्पनियों का अतिरिक्त रस्ट्रिए, महाराष्ट्र, स्म्बर्ड

कर्मनी अधिनियम, 1956 और मशीन एण्ट जनरल सिर्वसिंस सं. 3425/560/81-82—कर्म्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसब्द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारील से तीन मास के अवसान पर मशीन एण्ड जनरल सर्विसेस प्राईवेट लिमिट के का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

> पी. टी. गजवानी कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और यम. आर. वी बस सर्विस प्राक्षिट लिमिटोड को विषय में

मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1982

सं. 4074/560/81---कम्पनी अंधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एसद्-द्वारा सूचना

वी जाती है कि एस. आर. बी. बस सर्विस प्राइबेट लिमिटोड का नाम आफ रिजिस्टर से काट विद्या गया है और उनन कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आरोकिस्भाता देनिफिट फण्ड प्राह्मिट लिमिटेड के विषय में

### मद्रास, विनांक 7 जनवरी 1982

मं 5466/560/81---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-ध्वारा सूचना दी जाती है कि आरोकियमाता बोनिफिट फंड प्राइ वेट लिमिटंड का नाम आज रिजस्टर के काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

काम्पनी अधिनियम, 1956 और मद्रकाली बस सर्विस चिट फंड कम्पनी-द्रांसपोट से प्राइवेट लिमिट के विषय में मद्रास, दिलांक 7 जनवरी 1982

सं. 4579/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्-व्वारा सृचना दी जाती है कि मद्रकाली बस सर्विस लिमिटेंड का नाम आज रिजस्टर से कट विया गैया है और उक्त कम्पनी विविद्य हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वसंत आटोमोबाई ल इंजी-नियरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटोड के विषय मे

सं. 6666/560/81—कस्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्-व्वारा सूचना दी जाती है कि वसंत आटोमोबाई ल इंजीनियरिंग कस्पनी प्राइविट लिमिट के का नाम आज रजिक्टर से काट दिया गया और उक्त कम्पनी विश्टित हो गयी है।

इ. संलवराज कम्पनियाँ का सहाबक रिजस्ट्रार तमिलनाड

#### अगय-करर अपीय अधिक रण

अस्बर्ड-400020, दिनांद्य 7 जनश्रशी, 1982

मं. एफ 48 एडी (एटी) /81—श्री आर. के. घोष, सहायक अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण, अहमदाबाद न्यायपीठ बंबई, जिन्हों आयं-कर अपील अधिकरण, अहमदाबाद न्यायपीठ, अहमदाबाद में तदर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर विनांक 6-11-1981 वो तीन महीने के लिए कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी, दोखये इन कार्यालय के दिमांक 4-12-81 की अधिसूचना कमांक एफ 48-एडी (एटी) 81, को अब आय-कर अपील अधिकरण, अहमदाबाद न्यायपीठ, अहमदाबाद में तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर विनांक 6-1-82 से और एक महीने के लिए या तयतक जबतक कि उक्त पद होतु नियमित भती नहीं की जाती, जो भी शीधूतर हो, स्थानापना रूप में कार्य करते रहने की अनुमति दो जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है, और यह श्री आर. के. घोष को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई वाका नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रवत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्त किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

सं. एफ 48-एडी (एटी) / 81---अधिवर्षिता की आयु को प्राप्त हो जाने से श्री नारजनपास, सहायक पंजीकार, आय-कर अपील अधिकरण, विल्ली न्यायपौठ, दिल्ली दिनांक 31 दिसम्बर, 1981 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

टी. डी. सुग्ला अध्यक्ष प्ररूप आइ . टी . एन . एस . -----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, मद्रास

मद्रास, विनांक 18 विसम्बर 1981

निवास 83/अप्रैल/81—यत. मुक्ते, आर. रिवाधन्त्रन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- दे अधिक है

और जिसकी स. सर्वे 924 है, तथा जो सिविधिर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिर्वाधिर (डाक् मेंट सं 183/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उखित बाजार मृत्य से कम के वृक्यमान

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरिनियों) के बीध ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती, द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उन्त भविनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अभीन मुझ्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् है—— (1) श्रीमर्सी सरीजिन अम्मलि।

(अन्तरक)

(2) श्री जगवींसवर राजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर, सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की लारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील के 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्पवदीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो धक्त श्रिधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिकाधित है, वही श्रष्ट होगा जो उस श्रष्ट्याय में विधा गया है।

# वनुषुची

भूमि और निर्माण-सर्वे 924, सिवंघिरि, (डाक्रूमेट सं. 183/81)।

आर. रजिचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-।, मन्नास

तारीचा: 18-12-1981

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

अप्रमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य सहायक आयुकर आयुक्त (तिरक्षिण)

अर्जन रंज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 दिसम्बर 1981

निवंश सं 11/अप्रैल/81—-यतः मुक्ते, बार रिविष्कत्तन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

25,000/ रु. स जायक हु. जीर जिसकी सं 154, 155 है, तथा जो भोल्लवार अग्रहारम रांड, मद्रास में स्थित हैं (और इससे उपागव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास, नारत (डाक मेंट सं 1637/81) में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल, 1981

अभल, 1981 को पूर्विक्स संपरित के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्यक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिधिक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन वा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्धात :---

(1) जयरामन और अदर्स।

(अन्तरक)

(2) जयरामन और अदर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तितु द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि और निर्माण 154, 155 मोल्लवार अग्रहाराम रोड, मदास-21, (डाक्-मेंट सं. 1637/81)।

> आर. रजिबन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।, मद्रास

तारीब : 18-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकार अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण -अर्जन रोज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 दिसम्बर 1981

निवण सं. 1/अप्रैल/81—यतः मुक्ते, आर रिवचन्द्रन, म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हमए से प्रधिक है

और जिसकी सं. 213 है, तथा जो तमब चंट्री स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास, नारत (डाक्ट्रमेट सं. 1504/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1981 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल सं, एसे, दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित। (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं गया हैं -

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी भाय की आवत, उक्त ग्रिश्चित्तयम के ग्रिग्चीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचमे में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हों मारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या श्रन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रज, उक्त मधिनियम, को धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, जक्त अधिनियम की भारा 269-मुक्की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री नाग्र कलनजिय्म।

(अन्तरक)

(2) श्री आर. जे मेता और कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताकरी के पास
  निखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जी उबत ग्रिधिनियम के प्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्र8्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि और निर्माण-213, तमबु चेट्टी स्ट्रीट, भद्रास-1, (डाक्यूमेट सं. 1504/81)।

> आर. रजिभन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-१, मन्नास

तारीब : 18-12-1981

# प्ररूप आहें .टी.एन.एस. ------

# नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, मन्रास

मन्नास, विनांक 18 विसम्बर 1981

निवंश सं. 8/अप्रैल/81---यतः मुक्ते, आर. रिवचन्द्रन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर संपीत, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं 125 है, तथा जा तमबू चेट्टी स्ट्रीट, मदास-1 (हाफ घोर) में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाक मेंट सं. 1429/81) में भारतीय रिषस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्षिल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह चिक्वास कारने का कारण है कि स्थापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात मे अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रीतफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनिय्त के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में तृषिभा के निय; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निस्निलिखिस व्यक्तियों, अधीत्:--

(1) श्री के. एस. बक्तीर अहमद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सलमा बाय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्कीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## ममुस्ची

भूमि और निर्माण-125, तमझ चेट्टी स्ट्रीट, मन्नास-1 (हाफ शेर), (डाक मेंट सं. 1429/81)।

आर. रिजियन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।, महास

तारील 18-12-1981

मोहर: •

(1) वि मक्स हाटल्स असोक्सिएसन। प्ररूप आर्ड टी एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 दिसम्बर 1981

निबंश सं. 143/अप्रैल/81--यतः म्फे, आर. रविचन्त्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है और जिसकी सं 5 है, तथा जो कोनिठ चेट्टी स्ट्रीट, मदास-1 में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाक मेंट सं. 1825/81) में भारतीय रिज़क्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 81 की पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल स, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिसत उब्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूपुसे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क वायित्य मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आयं या किसी धन या, अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) धनकर अधिनियम, को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चर्तहरू था, छिपान मे स्विधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित .व्यक्तियों , अर्थात् :--

(अन्तरक)

(2) रफीक ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

क्यो गह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए . कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वनः के राज्यम मंप्रकानन की तारीस से 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामिल से 30 दिन की अवधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (■) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहरसाक्षरीं के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम को अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बहुति अर्थहोगा, जो उत्तस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

भृमि और निर्माण-5, कोनदी चट्टी स्ट्रीट , (डाक में द सं 1825/81)।

> आर. रजिचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रिज-।, मदास

तारीख: 18-12-1981

# मुक्य आई..टी.एन्.एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भाउत चडुकाड

## कार्यावम्, सहायक बायकर आयुक्त (निर्देशमा)

अर्जन रंज-।, मधाम

मद्रास, दिनांक 18 दिसम्बर 1981

निवंश सं. 145/अप्रैल/81—यतः मुक्ते, आर. रिवचन्द्रन, आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात्. 'उक्त अधिनियमं कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उन्ति बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 48 है, तथा जो अरमेनियन स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाक्ट्रमेंट सं. 1896/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अपैल, 1981 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के व्ययमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्स-विक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरक से हुई दिक्त की बावत , उक्त अविधिनयम के बनीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कुरने या उससे क्वने में स्विभा के लिए। अहि/वा
- (क) प्रेसी जिस्सी बाव मा जिस्सी बुन वा अन्य बास्तिवी की, विन्हें भारतीय वाव-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विभा के शिष्कृ

(1) (1) अहामद कलील, (2) एम. अवास कलील, (3) शमसुन्नीसा बेगम, (4) एम. कासीम, (5) टाक्रू कलील, (6) जीवन्नीसा बेगम, 13 कालेज रोड, नुगंमबाक्कम, मन्नास-6।

(अन्तरक)

(2) बसिक इंजीनियर्स एण्ड ट्रोडर्स, 30 एरबलू स्ट्रीट, मद्रास)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुन्।

## उनत् सम्पत्ति के नृपन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 रिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतायाः
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भीतर उनत स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी बन्ध व्यक्ति वृवारा बधाहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण, 48, अरमेनियन स्ट्रीट मधारू-1 डाकू-मेंट सं. 1896/81

> आर. रविचन्द्रेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-१, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, द्वतत बीधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन निम्निसिधित व्यक्तियम नुष्यादः—

तारीख: 18-12-1981

प्रकप् काइ. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को बधीन स्मना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जनवरी 1982

निषदेश सं. आई ए. सी. (अर्जन) 2219--अतः मूर्फे,

वेवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं जिंदाहरगंज डबरा में स्थित मिल है, तथा जो डबरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डबरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-4-1981

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पर्सित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, होसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्नितियों उद्देश्य से उनत प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :---4—436GI/81 (1) श्री अर्जून वास पुत्र लेसमल, जवाहरगंज डबरा, जिला ग्वालियर।

(अन्तरक)

(2) श्री नेभामल पुत्र परतोमल सिंधी, डबरा, रामदास पहाड़िया हरचरणलाल, डबरा, (2) श्री बुजेश-कुमार नाबालिक पुत्र रामबिलाम शर्मा, स्भाषगंज, डबरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के जर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनल्जी

वार्ड नं. 12, जबाहरगंज उबरा में स्थित राइस एवं दान मिल।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

तारीच : 1-1-1982

प्ररूप भाई० टी० एन● एस●---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जनवरी 1982

निद्येश सं. आर्झ. ए. सी. (अर्जन) 2220---अतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा-26 अब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वादर सम्पत्ति, जिसका छनित बाजार मूल्य 25,000/- दं के अधिक है

और जिसकी सं जवाहरगंज डबंरा में स्थित मिल है, तथा जो डबरा में स्थित है (और इससे उपाबत्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डबरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 10-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, स्रक्षे बृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ति विश्वत से बन्त अन्तरण लिखित में बाह्तविक रूप से काबत नहीं किया गया है। ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, **एक्त अधिनिय**म के अधीन कर देने के अन्तरण के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत धिधिनियम, या धन-कर प्रकिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अयः उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उपत अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिक्ति व्यक्तिमों धर्मात् :--- (1) श्री पूरनलाल पुत्र लेखूमल सिंधी, जवाहरगंज डबरा, जिला ग्वालियर।

(अन्तरक)

(2) श्री रामदास पहाड़िया, श्री हरचरणलाल पहाड़िया, सूभाषगंज, डबरा, जिला ग्वालियर। (अन्तिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्थन के किए कार्यनाहियां करता है।

**उक्त** सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राष्ट्रक में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि वा तरस्वकादी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की सबधि, को भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिश के कीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति हारा, प्रश्लोहस्ताक्ष रो के पास जिल्लित में किए जा सकेंगे।

स्थानारण हेन न्यूसर्मे प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जी छक्त अधिनियम के अध्याय 20 नक में परिभाषित है, कही मर्च होगा जो उस अध्याय में विया यया है।

# अनुसृची

बार्ड नं. 12, जवाहरगंज उक्षरा में स्थित हाइस एवं वाल मिल का एक भाग।

> देवेप्रिय पन्त स्**क्षम् प्राप्थिकारौ** स**हायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)** अर्जन रोज, भोषाल

तारींख : 1-1-1982

#### স্বাক্তণ আই০ তী০ হল০ হয়০--

नाथ्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के सबीन सूचना

#### चारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जनवरी 1982

निवोध सं. आर्ड्, ए. सी. (अर्जन) 2221---अत मुक्ते, वोबप्रिय पन्त,

आवकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा पया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूश्य 25,000/-रुठ. से अधिक है और

जिसकी सं जवाहरगजा डबरा में स्थित मिल है, तथा जो डबरा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डबरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-4-1981

को पूर्वा क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में नास्तविक एए से किया नहीं किया नया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी मान की बाबत ज़क्त प्रवित्यम के भवीन कर देने के प्रस्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिषित्रमम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषित्रमम, या धन-कर घिषित्रमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए;

शता अब, उपत प्रविनियम की भारा 269-प के **प्रमुखरण** में, मैं, उपत प्रविनियम की बारा 269-प की **प्रवास (1)** के अभीन, निकातिकित व्यक्तितंथों, अभीतः है--

- (1) श्री बालचन्य पुत्र अर्जुनदास सिंधी, जवाहरगंज डबरा, जिला ग्वालियर। (अस्तरक)
- (2) श्री प्रदीपक्त्मार प्त्र श्री रामदास पहाडिया वैश्य, सुभाषगंज डबरा। (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीब से 30 दिन की अवधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी सम्य व्यक्ति द्वारा भंधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

हपडबीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त खिंहानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हीगा, जो उस सक्याय में वियागया है।

# अनुसूची

वार्ड नं. 12, जवाहरगज इवरा में स्थित राइस मिल एवं वाल मिल का एक भाग।

> देविप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

तारीब : 1-1-1982

मोहर .

## प्रकप घाई • टी • घ्न • प्स •----

# **आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की बारा 269-प (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जनवरी 1982

निद`श सं. आर्इ. ए. मी. (अर्जन) 2222——अतः मुफ्ते, धोवप्रिय पन्त,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे] **इस**में इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-अब के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- इपये से ग्रधिक है, और जिसकी संजवाहरगंज डबरामे स्थित है, तथा जो डबरा में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डबरा में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-4-1971

की पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अदेश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में बाक्तविक रूप से कथित नहीं किया यया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या छससे बचने में सुविज्ञा के लिये; और/या
- (खा) ऐसी किसी अपय या किसी घन या अन्य आ दिलायों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्यं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया याया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-थ की उपधारा (1) र्के अभीन मिम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री लालचन्द पुत्र लेखूमल सिंधी, जवाहरगंज इवरा, जिला ग्वालियर। (अन्तरक)

(2) श्री राजेशक मार पुत्र रामिबलास शर्मा, स्भाषगंज, डबरा, जिला ग्वालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिने की अवधि या तस्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भवछि, जो भी अंवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
  - (ख) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकेंगे।

स्पब्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो खनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## ननुसूची

वार्ड नं. 12, जवाहरगंज, डबरा में स्थित राइस एवं दाल मिल का एक भाग।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्णन रोज, भोपाल

ता**रील** : 1-1-1982

प्रकप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जनवरी 1982

निवास सं. आई. ए. सी. (अर्जन) 2223--अत्ः मूर्फे, वोबप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें यह विश्वास करने का आतरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं जवाहरगंज डबरा में स्थित मिल हैं, तथा जो डबरा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डबरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक 7-4-1981

कों पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मृफ्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पश्चम प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष का निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हुए से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना आहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

कतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्मीकावित व्यक्तियों, जर्धात्:—— (1) भी भगवान दास पृत्रं श्री लंखूमल सिधी, जवाहरगंज, हजारा, जिला ग्वालियर।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीकृष्ण पूत्र रामदास पहाडिया, स्भाषगंज, डबरा, जिला ग्वालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धर्धि-नियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अस्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

वार्ड नं. 12, जवाहरगंज, डबरा में स्थित राइस एवं दाल मिल का एक भाग।

> दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोषाल

तारीब : 1-1-1982 मोहर : प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 1 जनवरी 1982

निदेश सं. आर्ड. ए. सी. (अर्जन) 2224--अतः मुभ्ते,

दोवप्रिय पन्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी मं जवाहरगंज डबरा में स्थित मिल है, तथा जो डबरा में स्थित है (और इससे उपाबिष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, डबरा मे रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 7-4-1981

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफोल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवों कित संपत्ति का उपित बाजार म्ल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के वायित्न में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; मौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री भीषमलाल सिंधी, जवाहरगंज डबरा, जिला ग्वालियर। (असरक)
- (2) श्री राजेश कुमार पत्र रामबिलास शर्मा, निवासी सभाषगंज डबरा।

(बन्तरिती)

को यह त्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काओंच :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व 🛊 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि गाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चमाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में जित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्तम्क्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पण्डीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वन्स्ची

वार्ड नं. 12, जवाहरगंज, डबरा में स्थित राइस एवं दाल मिल का एक भागर

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सङ्घायकः आयकर आयुक्तः (निरक्षिण) अर्जन रोज, भोपाल

तारीम : 1-1-1982

माइर:

प्रस्प प्राई० टी० एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### मारत सरकार

कायस्य, सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 31 दिसम्बर 1981

मापाल, विनाक 31 विसम्बर 1981

निवोष सं. आर्कः ए. सी. (अर्जन) 2225—अत म्फे, के. के. राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं अर्ड नं 13 का मकान का भाग है, तथा जो विविधा में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विदिशा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 29-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रक्रिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रिष्ठिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भग्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने ऐ स्विधक कि सिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनिोम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

- (1) श्री नरसिहदोस गांयल पुत्र श्री नाराणदास जी गांयलः, जाति अग्रवालः, निवासी विदिशाः। (अन्तरक)
- (2) श्री भरतलाल पुत्र गावर्धन दास अग्रवाल, निवासी सिरोंज, हाल निवास, विदिशा। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्व। क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रैकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सर्कोंगे।

स्पब्ती सरण: --इममें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

वार्ड न . 13, स्वर्णक मल कालोनी, विदिशा में स्थित मकान।

के. के. गय सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोषाल

तारीख 31-12-1981 मो**इ**र 🖟 प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज. भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 दिसम्बर 1981

निद्रांश सं. आर्ड. ए. सी. (अर्जन)/2226--अतः मुक्ते, के. के. राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं मं नं 14 है, तथा जो वं नं 13, विविशा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विदिशा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1981

को पृवींकरा सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निमलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्फ़्या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री नरसिंहदास गायस पुत्र श्री नारायणवास शियल, जाति अग्रवास, निवासी विविधा।

(अन्तरक)

(2) श्री हरिजीम बाब पुत्र गोवर्धनदास अग्रवाल, निवासी स्वर्णकार कालोनी, विदिशा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं [1]

## मनुसूची

बार्ड नं 13, म नं 14, स्वर्णकार कालोनी, विदिशा स्थित।

> के. के. राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

तारील : 31-12-1981

प्रकप नाइ . टी . एन . एस . ------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 दिसम्बर 1981

निवर्षा सं. आर्ह. ए. एस. (अर्जन)/2227---अतः म्भे, के. के. राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- से अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं वार्ड नं. 13 का मकान का भाग है, तथा जो बिदिशा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिदिशा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 29-4-1981

पूर्वोंक्त संगित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास क एने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम, के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐनी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्थिभ के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 5---436GI/81

(1) श्री नर्रोंसेह्दांस गोयल पुत्र श्री नारायणवास जी. गोयल, अग्रवाल, निवासी विदिशा।

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती राधिकाभाई पत्नी गोवर्धनदास जी. अग्रवाल, नि. सिरोज होल, बिदिशा।

(अन्तरक)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन करी अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करों 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पंध्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शंख्वों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

वार्ड नं. 13, बिदिशा में स्थित मकान।

के के राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

ता्**रीय**ः 31-12-1981

प्ररूप आर्दे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 दिसम्बर 1981

निर्दोश सं. आर्ह. ए. मी. (अर्जन)/2228~-अतः म्भे, के. के. राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र. से अधिक है

और जिसकी सं. वार्ड नं. 13 का मकान का भाग है, तथा जो बिदिशा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिदिशा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 29-4-1981

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बाम्सीयक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निकास में स्थीन कर क्षेत्रे के अन्तरक के शिक्षण मो कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;। बौड/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अध्यक्षास्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिविधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के जधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

(1) श्री नहिंसित्यास गोयल आत्मण श्री नारायणदास अग्रवाल, निवासी विदिशा।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रहलाद बाबू पुत्र गोवर्धनदास अग्रवाल, निवासी सिरोज, जिला बिविशा।

(अन्तरिती)

(3) (1) श्री अशोक कमार, (2) श्री प्रकाश टोलर। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उसत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क्त) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-विष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के एस लिखन में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

वार्ड नं. 13, विविशा में स्थित मकान का एक भाग।

के. के. राय सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

तारीस : 31-12-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 31 दिसम्बर 1981

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी. (अर्जन) 2229——अतः मुर्फे, के. के. राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उन्तित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक हैं.

और जिस्की सं मं नं 14 का भाग है, तथा जो व नं 13, विविद्या में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कर से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विविधा में रिजस्ट्रीकरण अधिनिशम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकान से, एसे दृश्यमान प्रतिकास का पन्तृह प्रतिक्षत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अत्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-काल निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक क्य से कि भृत नहीं किया ग्या हैं। --

- (क) अन्तरण से धुद्ध किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुनिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिहरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिपाने में स्थिश को लिए;

जत. जब, उन्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के म्हील, निम्नीलियत व्यक्तियों, भर्मात् ध—

(1) श्री नरसिंह्वास गोयल पुत्र श्री नारायणवास जी. गोयल, अग्रवाल, निवासी विविद्या।।

(अन्तरक)

(2)श्री नारायण पृत्र गोवर्धनवास अग्रवाल, विविद्या। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाविष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

#### ere di

वार्ड नं 13, मकान नं 14 का एक भाग, विविशा स्थित, स्वर्णकार कालोनी, निविशा।

के. कें. राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र</sup>ज, भोपाल

तारीख: 31-12-1981

#### प्ररूप आर्हें टी. एत. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 दिसम्बर 1981

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी. (अर्जन)/2230— यतः मुक्ते, के. के. राय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उण्डित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और और जिसकी सं. 25/510 हैं, तथा जो खूबी की बर्जारया लश्कर में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-4-1981 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य,

उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एेसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलि**सित उद्देश्य से उक्त बन्तरण** लि**स्ति में** 

शास्तविक रूप से कश्थित नहीं किया गया है :---

मीड/वा

- (क) अन्तरण से इर्ड़ किसी आध की बाबत उक्त आधि-नियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के वास्तिस में कभी करने या, सुबुस्से बचने में सुविधा के लिए;
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसूरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारः (त) को अधीन, निष्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत्:-- (1) शाह जी राव आंगरे पुत्र श्री चन्द्राजी राव आंगरे निवासी सम्भाजी विलास, आंगरे का बाजार ग्वालियर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गंगाद त्री पत्नी परमानन्द क्रेशवानी निवासी सूबी की बजरिया, लक्कर, ग्वालियर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वन। की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारींच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरि के नास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

#### अनुसुची

मकान जिसका म्यूनिसपल नं 25/510 खूबी की बजारिया लक्कर, ग्वालियर में स्थित ।

के. के. राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, भोपाल

त्रारीख : 31-12-1981

मोहर 🕄

### प्रकप भाई० टी• एत• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 दिसम्बर 1981

निवर्षेश सं. आई. ए. मी (अर्जन)/2231--अतः म्फें, को. को. राथ

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु में अधिक हो

और जिसकी सं. 25/510 का भाग है, तथा जो खूबी की बजरिया में स्थित हैं (और इससे उपाइव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-4-1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्यास करणे का कारण है कि ग्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को व्योन निम्मलिकित व्यक्तियों, भृष्ति ६-- (1) श्री शम्भाजी राव आंगरे पुत्र श्री वन्द्राजी राव आंगरे, शम्भाजी विलास. आंगरे का बाजार लक्कर ग्वालियर।

(अन्तरक)

(2) 1. अशोक क्मार पुत्र सयालदास केसवानी 2. विब्व्या बाई पुभी परमानन्द केशवानी नि. सूवी की बजरिया लक्कर ग्यालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन को तारोच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती. हो, के भीतर पृकांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक<sup>3</sup>गे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

मकान नं. 25/510 का एक भाग खूबी बर्जरिया, लहकर, ग्वालियर में स्थित ।

> के. के. राय सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

ता्रीब : 31-12-1981

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** थारा 269-घ (1) क अर्थान स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 विसम्बर 1981

निर्देश स आर्द्र.ए.सी (अर्जन)/2232---अतः मुफ्ते, के.के.राय

आयकर जिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र र से अधिक हैं

और जिसकी स 25/510 का भाग है, तथा जो खूबी की बजिरया में स्थित है (और इससे उपाबंद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के लिए अतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल म, एमे इश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन मिम्निस्चित व्यक्तियों भृषात्:--

- (1) श्री शम्भाजी राष आंगरे पुत्र श्री चन्त्राजी राष आंगरे, शम्भाजी विलास, आंगरे का बाजार लक्कर ग्वालियर।
- (2) श्रीमती उमा दंवी पत्नी श्री कृष्ण शिवहरे निवासी आंगरे का बाजार, लक्कर ग्वालियर । (अन्त्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

# उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी जा से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यामित यों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्याविसयों में से किसी व्यावित बुवारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्सीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

मकान नं. 25/510 का एक भाग खूबी अजरिया, लश्कर ग्वालियर में स्थित ।

के. के. राय सक्षम प्राधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज़, भोपाल

तारीस . 31-12-1981 मोहरः प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1981

संदर्भ सं. 3 नि. स. आ. आ. /एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/4-81/7700--- प्रिंक में विभल विशष्ठ,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक और

जिसकी सं. 3498, है एवं जो कुचा लाल मैन, दरीया गंज में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक अप्रैल 1981 को

को पूर्वोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियो) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः——

- शीमती शान्ता शर्मा परनी लेट श्री श्रीकिशम, निवासी-3492, कच्चा लाल मैन, दरीया गंज, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2 श्री जगवीश मौनी, सूप्त एल. राम चन्दर निवासी-3498, काचा लाल मौन, बरीया गंज, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी वा से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी वदिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हू , वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### य राज्य स्त्री

मकान नं. 3498, काचा लाल मैन, दरीया गंज, दिल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, ''एच'' ब्लाक इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई विल्ली

ता्रीख: 30-11-1981

शरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्णलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्थन राज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1981

निर्दोध सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/4-81/7771--अत: म्भे, विमल विशष्ट,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है और

और जिसकी सं. 14/6723, है तथा जो अहाता किवारा, गली कुआं वाली, बारा हिन्दूराव, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति एक की गई है और मूओ यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-दिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अमृत् :--

(1) श्री हरी राम मुपूत्र सुधा मंल एण्ड बूदर्स, निवासी सकान नं. 14/6722, जी. एफ. अहाता किदारा, बारा हिन्दा्राव, विल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कान्ता दोवी पत्नी सृषरम दास, निवासी-14/6723, एफ. एफ. अहाता किदारा, बारा हिन्दुराव, विल्ली ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई" भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 चिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितेबक्ष किसी जन्म व्यक्ति स्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युष्टिकरणः "-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उन्ते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# जनुसूची

प्रो. नं. 14/6723, एफ. एफ. बहाता किंदारी, गसी क्रांबा बोली, बारा हिस्दुराव, विल्ली ।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज 2, दिल्ली, नर्ड दिल्ली-110002

सा**रीय** : 30-11**-1981** 

प्रकप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रांज 2, नहीं दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 19 दिस्म्बर 1981

निर्दोश सं. आई ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर-1/4-81/7769, अत: मुक्ते, विमल् विशिष्ट,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कपए से भिक्षक है

और जिसकी संख्या 2615, है तथा जो छटा प्रताप सिंह किनारी बाजार, में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चक प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/गा.
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर धिवनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त घिनियम, या घन-कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के, श्रनुसरण में ,कें, उक्त श्रविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित श्यिक्यों, शर्यात :—6—436GI[8]

- (1) श्री ज्ञान चन्द्र सुपुत्र लक्षमण दास, 452, प्लाट नं ।
   4, एम. एस. ब्लौक, हरी नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती फुलवती पत्नी सुरज भान, 2623, छटा प्रताप सिंह, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पन्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रो नं 2615, छटा प्रताप सिंह, किनारी बाजार विल्ली

विमुल बिशुष्ट सक्षम अभिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 19-12-1981

प्ररूप् आहें, टी. एन. एस.------

शायकर श्रीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 30 नवम्बर 1981

निवर्ष सं. आई ए. सी /एक्यू/2/एस-आर-1/4-81/7770—अतः मुभ्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुट. से अधिक है

और जिसकी संख्या 18, है तथा जो ग्राम वसई दागपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से काम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्निलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उसमे अचने में स्विधा के लिए; औद्द/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जज, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के अन्तरग को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती कमलेश खनिजा, पत्नी केवल कृशम खनिजा, निवासी एफ-54, राजोरी गार्डोन, नर्डे दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री जगदीश श्नचन्दा पत्नी श्री हन्स एज मनचन्दा निवासी-1625, मन्नाम रोड, काशिमरी गेट, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ता संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परं सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी बन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याथ ४०-के में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

प्लाट नं . 18, ग्राम-बसई दाराप्र, दिल्ली

विमल विज्ञास्य सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज 2, नर्हो दिल्ली-110002

तारीख : 30-11-1981

र• से अधिक है

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

# भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 209-घ (1) के घंधीन सूचना

प्रारत मरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रॉज 2, न**र्इ दि**ल्ली

नर्इ दिल्ली, विनाक 28 नवम्बर 1981

निव<sup>3</sup>श स. 3 नि. स. आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/4-81/4501——चूकि मैं, विमल वशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के मनीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छचिन बाजार मृष्य 25,000/-

और जिसकी स. कृषि भूमि है एवं जा ग्राम-बंपरौला, विल्ली में स्थित है जिसकी अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची में विया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक अप्रैल, 1981

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीतिकत उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत खब्द खिल नियम, के झधीन कर देने के धन्तरक के वाविश्व में कसी करने या उक्षसे बचने में बुविवा के विष्; और/या
  - (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः **अब, उस्त अधिनियम** की **धारा 269-ग के अनु**-मरण में, मैं, उत्तर अधिनियम की **धारा 269-व की** उपधारा (1) के अधीन, रिम्नलिखित ब्यक्तियों.अर्थात् ।—

- (1) श्री प्रथी सुपूत्र मथुरा, निवासी-बपरौला, दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री हरीश अरोडा सुपुत्र इन्दर सिंह, ग्राम-टोहरी, गढ़वाल, यू. पी.

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मन्ति के अर्जन क सम्बन्ध मा कोई भी गाभेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20 क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनृसुची

कृषि भूमि ग्राम-बपरौला, विल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली

ता्रीब : 28--11-1981

मोहर ः

#### प्ररूप बार्ष: टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रॉज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्बीजीशन-2/एस-आर-1/4-81/7688——चूं कि मैं, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या वार्ड-13, प्रो. 6940, है एवं जो बेरी बाला बाग, आजाद मार्किट में स्थित हैं, जिसका अधिक बिस्तृत बिवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधि-कारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यथितयाँ, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती चानन दोनी पत्नी हरभगवान एण्ड बर्दर्स निवासी सी/150, अशोक विहार, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री रिफक अहमव सूपृत्र मोहमव नवाब और श्रीमती अमतुल रिक्षिव पत्नी रिफक अहमव, निवासी-6940 बेरीवाला बाग, आजाद मार्किट दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दा और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमृत्ची

ग्राउण्ड फ्लोर प्रो. नं. 6940, वार्ड नं. 13, बेरीवाला बाग, आजाद मार्केट, नर्इ दिल्ली

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-11-1981

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स. आ ्ञा . ∕एक्वीजीशन-2 ∕एस-आर-1 ∕ 4-81/4500--चुकि भैं, विमल विशिष्ट, **अगयकर** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि** स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रा. से अधिक **ह**ै

और जिसकी स. कृषि भूमि हु एव जो ग्राम ब्घरौला, दिल्ली मे स्थित है जिसकी अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची मो दिया गया। को पंजीकरण अधिनियम 1981 (1981 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्द, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को जिन्हां भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

वत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) प्थी सुपुत्र मथ्या, निवासी-वपरौला, विल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री मंजीत अरोडा सुपूत्र इन्दर सिंह, निवासी ग्राम टहरी, यू. पी.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाखन की तारी बुसे 45 विन की अथिथिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

कृषि भूमि, ग्राम-बपरौला, दिल्ली, भूमि-6 विघे और 17 विष्वे ससरा नं. 49/2, और 49/3,

> विमल मिण्ड सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 2, नर्इ विल्ली-110002

तारील: 28-11-1981

मांहर :

प्ररूप भाई० टो० एन० एस•----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रॉज 2, नर्ह विल्ली नर्ह विल्ली, दिनाक 30 नवम्बर 1981

निद<sup>\*</sup>श म आर्द्र -ए मी /एक्यू/2/एस-आर-1/4-81/7718--अत मुक्ते, विमल विशिष्ट, ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्मे

इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सच्या 4771/23 ही तथा जो भरता राम रोड, दरीया गज, दिल्ली में भारतीय रिजम्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक अप्रैल 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखन उद्देश्य ये उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल हम से कियत नहीं किया गया है:—

- (कं) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हे भारतीय ग्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त घधिनियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, उक्त घधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियो, प्रधीतः :--- (1) श्रीमती राय कनवारी दोवी संशीया, पत्नी श्री बहादुर मल संशीया, एण्ड अदर्स, निवासी-4771/23, दरीया गंज, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मैं. युनाइटांड इलंक्ट्रोनिकम, 4374/4 बी, असारी रोड, दरीया गंज, विल्ली (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अन्तिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टी करण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, जो उकत ग्रीध-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जी एफ मकान नं . 4771/23, भरत राम रोड, दरीया गंज, दिल्ली ।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नर्षे दिल्ली-110002

तारीस 30-11-1981 मोहर : प्रक्रम आहें, टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 9 विसम्बर 1981

निवर्श स आई ए सी  $/ v_{e} = \sqrt{2/v_{e}} + 3 \cdot v_{e} = 1/4 - 81/7$ 

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या 34/6 है तथा जो वेस्ट पटाल नगर, में स्थित हैं (और इूससे उपाबव्ध अनुमूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई विल्ली में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिम्फल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय कौ बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय भायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विभा के लिए:

नतः जब, उक्त मिधिनियम, की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात ---

- (1) श्रीमती लाजबन्ती आनन्द, निवासी-1/3, बेस्ट पटोल नगर, न**र्इ दिल्ली** । श्री अन्तरक)
- (2) श्रीमती शान्सि दोवी, निवासी 24/17-18, वेस्ट पटोल नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दवारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सपित्त में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहरूनाक्षरी के पास लिक्सित में किए जा सकेगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भगतची

प्रो. न 34/6, बेस्ट पटोल नगर, नर्क दिल्ली

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली-110002

तारील 9-12-1981 मोहर 🖫 प्ररूप आह. टी. एन. एस ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, नहीं दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निवर्षेण सं. आई ए. सी./एक्यू /2/एस-आर/1/4-81/7813—-अतः मुभ्ने, विमल विशिष्ट, आयक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च फे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 21 है तथा जो केवल पार्क, अझाद प्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित व

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुन्धि। के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी भन या बस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

जतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण धें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्रीमती कान्ता बंबी, पत्नी श्री राम भज गुप्ता, ग्राम और पो बस्तत्थार पूर, दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री नारागण दास गुप्ता, सुपुत्र श्री मानक चन्द्र, दाम ए-12, क्षेत्रल पार्क आजादप्र, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

प्लाट नं. 21, खसरा नं. 23, क्षेत्रफल-200 वर्ग गज, केवल पार्क, ग्राम-अज्ञादपुर, विल्ली

> िवमल वशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र्</sup>ज 2, नई दिल्ली-110002

तारील 9-12-1981 मोहर : प्रस्प आहे.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन्रीज 2, नहीं दिल्ली

नर्षे दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निवर्षेश सं. आई ए. सी./एक्यू./2/एस-आर/1/4-81/ 7772—-अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1621 है तथा जो बस्ती गोला हां, सदर बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिकित में वास्त्विक रूप से किथा मुद्दी किया स्था है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए, और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था खिपाने में स्विद्या के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अभीत्:——
7--436 GI/81

(1) श्री ममन सिंह सुपुत्र जीसुख राम, निवासी 1621, बस्ती जुलाहन, मदर बाजार, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र प्रसाद सूपूत्र श्री एम. सिंह निवासी नं सी । 3/323, लोबी कालोनी, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रो. नं. 1621, बस्ती जुलाहन, सदर बाजार, विल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नर्ह दिल्ली-110002

तारीख: 9-12-1981

मोहर 🛭

प्रारूप आई टी.एन.एस.-----

आयकर आधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आय्कर आय्क्त (निरोक्षण)

अर्जन रोज 2, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनाक 9 दिसम्बर 1981

निवर्षा म. आई ए सी /एक्यू/2/एस-आर-1/4-81/7733--अत मुभ्ते, विमल विशिष्ट,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-रू के अधीन सक्षय प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पित, का जिसका उचित आजार मूल्य 25000/-रु से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 14/6876 है तथा जो गली विच वाली, अहाता किदारा बागहिन्दा गव, मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची मो पूर्व रूप से प्रणित है) रिजम्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय दिल्ली मो भारतीय रिजम्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल, 1981

(1908 की 16) के अधान, ताराख अप्रल, 1981 को पूर्वों क्त सपितन का उचित बाजार मूल्य से कम दृष्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- भल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किंगित में बाम्यिक स्प से कथिस नहीं किया गया हैं---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

अत अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण मो, मो, जक्त अधिनियम की धारा 269 ह की उप गरा (1) को अधीन निम्निल्सित व्यक्तियों अर्थात:-- (1) घनसाम दास सूपृत्र किमल राम निवासी अशोक विजार दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री मोहंग्द सुवालीन सुपुत्र सफीउलाह, 6876, गली विच वाली अहाता किंदारा बारा हिन्दू राव, चिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त हाती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः - इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

प्रो. नं. 14/6876, गली बिचवाली, अहाता कियारा, बाराहिन्द् राव, दिल्ली

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नर्ड दिल्ली-110002

तारींख · 9-12-1981 मोहर · प्ररूप आध्रं.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन तूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 9 विसम्बर 1981

निवर्भेश सं. आई ए. सी./एक्यू./2/एस-आर/1/4-81/7816--अत: मुक्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 415, ब्लाक सी है तथा जो मज्लीस पार्क, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्यों कि सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आभ्भियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण जों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती किरन वाली पत्नी श्री लेख राज, निवासी सी-431, मजलीस पार्क विल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती राज रानी, पत्नी श्री के ए अग्रवाल निवासी सी-429, भजलीस पार्क दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहिक करता हुं।

उक्त संपितत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की रामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इंस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिष्म, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची
प्लाट नं. 415. ब्लोंक 'सी' मजलीस पार्का, दिल्ली

विमल विशष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-12-1981

प्रकृष आई.टी.एन्.एस.----

# आयकर ममिनियम, 1961 (1961 का 43) की बहरा 2694(1) के ममीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, नई विल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निदाँश स. आई ए. सी. /एक्यू. /2/एस-आर/1/4-81/7780—अत मुफे, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे ६सके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा य्या है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है जौर जिसकी संख्या 1072-73 है तथा जो वार्ड नं.. 13, मोहला किशन गंज, दिल्ली मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्व रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अपैल, 1981 को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यान

को पूर्वाकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिशत से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारियत्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सूविभा के लिए;

जतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनुसरण जें. मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के जभीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्रीमती शामनित्ता पत्नी श्री शेख मोहमद शेयव एण्ड अदर्स, निवासी 1078-79 मोहला किशन गंज, टेलीबाग, दिल्ली

(अन्तरक)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्थाना की तामिल से 30 दिन की अविधि, भी भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वनुस्ची

प्रो. नं. 1072-73, वार्ड नं. 13, मोहला किशन गंज, टेलीवारा, विल्ली

> विमल विशिष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नई दिल्ली-110002

तारीब : 9-12*-*1981

प्ररूप आर्घ.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निर्दोश स. आई ए. सी./एक्य्/2/एस-आर-1/4-81/ 7775 -- अतः मुभ्ते, विमल विशिष्ट, अन्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/रतः से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 111/2252-53 ही तथा जो गली हिन्गा बंग, विल्ली मं स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णिंद है) रिज्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (का) अन्तरण से हुई किसी अगय की वाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करनी या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अम्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री दोश राज, सुपुत्र गोपाल दास, निवासी-135, टाइप 3, तीमारपूर, विल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री राधेरयाम सुपुत्र केंदार नाथ निवासी-2252-53, गली हिंगा बेग, विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस् सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्र) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित मे हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिधनियम, के मध्याय 20-क में पुरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रो. नं. 111/2252-53, गली हिंगा देग, दिल्ली ।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नई विल्ली-110002

तारीख: 9-12-1981

माहरू 🛭

# प्रकप भाई+ टी+ एन+ एस+

# आयकर पश्चितियन; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### माप्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज 2, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निव श म. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर/2/4-81/4485—अतः मूओ, विमल विशिष्ट, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गग्वात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), को धारा 233-ख के अधीन सक्षम प्राधिकश्री की यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उविन बाजार मृत्य 25,000/- द० से प्रधिक है और जिसकी संख्या सी-98, है तथा जो फतेह नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से धर्णित है) रिजन्स्ट्रीकर्ता अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अपल, 1981

को पूर्वे कित सम्पान के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्दरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परब्रह प्रतिशत से धिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और बन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पामा गया प्रतिफल, निम्न लिखित उद्देश्य से उच्न अन्तरण निखित में बाह्तविक रूप सं क्षित नहीं किया गया है।--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत **एक्स** अधिनियम के आधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुबिधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त समिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया करना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए;

ग्रतः अबः, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधनरा (1) के मुभीन, निम्नुसिचित् व्यक्तियों, मुभीत् ध---

- (1) श्रीमती उर्मिना रानी, पत्नी श्री रामजी वास, सलुजा, निवासी-3/129, रमेश नगर, नई विल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री एस. जसकिर सिंह सुपुत्र एस. पृथमी सिंह निवासी-जी-ए/112 ए, जनकपूरी, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

**७**वत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप ।-- -

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन भी तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दिखबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोतस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण रूज-इसमें प्रयुक्त कक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रष्टपाय 20-क में परिभाषित (है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ज़नुस्यो

> विमल बिजाष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नई विल्ली-110002

तारील 🛭 9-12-1981 मोहर 🕄

### प्रकप आई० टी० एन० एस०--

# आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मिनी सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रंज 2, नई दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 9 विसम्बर 1981

निर्दोश सं. आर्घ. ए. सी. /एक्यू. /2/एस-आर/2/4-81/4533--अतः म्फो, विमल विशिष्ट,

आयकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या जे 8/50, है तथा जो राजोरी गार्डोन, ततारपुर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विर्णत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृत्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृत्यमान प्रतिफल के नन्त्रह प्रतिशत मे अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और भक्षरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया अया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भागः की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रक्तरक के दायिस्य में कभी करने या उसमे बंबने में सुविधा के लिए; और/या
- (खं) ऐसी किनो श्राय या किसी घर या भ्रम्य भ्रास्तियों हो, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या भ्रमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए ।

अतः घव, उक्त अधिनियम की धारा 269ना के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269न की उपधारा (1) के भधीन, निरुनिवित स्थक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एस. विनन्दर पाल सिंह सूपूत्र एस. हरबंस सिंह, एण्ड अदर्स, निवासी-ज-164, राजोरी गार्डोन, नर्ड विल्ली
  - (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सीता वंबी पत्नी श्री मोती राम, निवासी 80, प्रेम नगर, विल्ली (अन्सरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के फिए कार्यवाहियां चरता हूं।

एक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्प्रति में हितबाद किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदोंका, जो 'लक्त श्वधि-सियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रवें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

# वन्सूची

सकान नं 50, ब्लाक-जे 8, राजोरी सार्क्षन, 160 वर्गगज ततारपूर, नद्दं विरुखी

> विमल बिशाष्ट्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रोज-2,, नर्ह विल्ली-110002

तारीस : 9-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज 2, नई विल्ली

नर्ष दिल्ली, विनांक 14 दिसम्बर 1981

निवां श सं . आर्ड . ए . सी . /एक्यू , -2/एस-आर-1/4-81/ 7789--अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख हे अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने जिसका उचित का कारण है कि स्**पादर** सम्पत्ति प्रधिक 25,000/-रुगए से म्रुप और जिसकी संख्या 2292 है तथा जो 2292, गली पहाडं वाली, धरमपुरा, मी स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मी पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्तिः∰क उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रोर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त पश्चि-नियम के भ्रम्नीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में किमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या

उद्देषय से उक्त भ्रन्तरण निखित में वास्तविक अप में कथित

नहीं किया गा है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अने या अने आस्तियों को, जिन्ही भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकतः अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हो प्रयोजनार्थ अस्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विंगा के तिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ण के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- - (1) श्री मिलाप चन्द, 2292, पहाडवाली गली वार्ड-नं. 5, धररपरा. विल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार अग्रवाल निवासी-2003, कटरा, लक्ष्यु सिंह फौन्टोन, विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पृवाँक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पर्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,। बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

क्वाटर नं . 2292, गली पहाड़ वाली, धरमपुरा, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2 नर्ह दिल्ली,-110002

तारीब : 14 -12-1981

# प्ररूप आहा. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-ण (1) के अधीन सूचना** 

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-।।, नई दिल्ली
नई दिल्ली, विनांक 30 नवस्बर 1981

संवर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-2/4-81/ 4499--अत मुक्ते, विमल विशिष्ट,

भायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एव जो ग्राम-बपरौला, दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृह विवरण अनुसूची में दिया गया है) को पजीकरण अधिनियम (1908) (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त जिथिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी भाग या किसी धन या जन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

8-436GI/8 1

- (1) श्री पृथी सुपृत्र मथुरा, ग्राम्-बपराैला, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री इन्बर सिंह सुपुत्र देवी सहाय, निवासी-ग्राम-टोहरी, यू. पी.। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

ह्म स्पष्टीकरण -- इससे प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>र्ड</sup>, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि 8 बिधे और 3 बिख्वे, ससरा नं. 49/18, 49/24, और 50/4, ग्राम-बपरौता, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, नर्झ दिल्ली

मोहर:

तारील : 30-11-1981

# प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस॰----

# श्राय हर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 289 व (1) के भंधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, नर्झ विल्ली नर्झ विल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्बीजीशन-2/एस-2/4-81/7821—अत: मुक्ते, विमल विशिष्ट, ध्रायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उनके प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर समात्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 6035 है एवं जो बस्ती हरफ्ले सिंह सदर बाजार में स्थित हैं (जिसका अधिक विस्तृत विवरण अनु-सूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में विनाक अप्रैल-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बोच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित दहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के प्रधीन, अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री शृदरी नाथ सृतृत्र श्री जगन नाथ 7ए/5, डब्ल्यू-इ -ए-कराल बाग, नई दिल्ली।
  - (अन्तर्क)
- श्री किशन लाल सुपुत्र श्री राम लाल और सन्दीप, कुमार (माइनर) सुपुत्र श्री किशन लाल निवासी-6035, (एक-एक) बस्ती हरफुल सिंह, विल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी नर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पद्यों का, जो उक्त श्रिव-तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रो. नं. 6035, बस्ती हरफुल सिंह, सदर बाजार, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-।।, नर्द दिल्ली

ता्रीब : 30-11-1981

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

स्रायकर अस्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र्</sup>ज-2, न**र्ड** दिल्ली

नर्क विल्ली, विनांक 9 दिसम्बर 1981

निद्रोंश सं. आई ए. सी./एक्यू./2/एस-आर/2/4-81/4576—-अत. मुभ्ने, यिमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269: ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रुठः से अधिक है

और जिसकी संख्या 2 है तथा जो ब्लाक-सी-60, शिवाजी पार्क, मारीपुर में स्थित है और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिषस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील अप्रैल 1981

को पूर्वा कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्ने या उससे ब्बने में सुनिका के लिए; बार्डि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, िष्टु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

 श्रीमती रिविकान्ता शारदा पत्नी श्री जगदीश चन्द्र शारदा, निवासी-बी-95/96, डी. सी. एम. क्वाटर्स, लाइन मं. 9, राहतक रोड, दिल्ली। (अन्तरक)

 श्री रूप चन्य जैन सुपुत्र श्री जियालाल जैन, नवासी-1446, गली नं 2, कैलाश नगर, दल्ली-31। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप दे--

- (क) इस सृष्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुस्ची

प्लाट नं. 2, ब्लौक-सी/60, अबाबी पार्क, ग्रास-मादीपूर, विल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रेज-।।, नर्द्द दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को, अन्सरण मो, मी, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :--

तारील . 9-12-1981 मोहर .

### प्रकप धार्थक टीक एनक एसक-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज-2, नई दिल्ली नर्ह दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निदर्शि सं आई, ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/4-81/ 4466---अतः मुभ्ने, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं डी 71 है तथा जो न्युमुलतान नगर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1981

को जो पृथ्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है पौर अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित **डहे**श्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया चया है :---

- (का) जन्तरण से हुई किसी बाद की बादत उनत अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा 📽 लिए; मीड/पा
- 📵) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ , या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री नरेश क्रुमार दिवान, सुपुत्र श्री भगवान स्वरुप दिवान, 21-बी/8, न्यु रोहतक रोड, दिल्ली।
- 2. श्री इन्दर सिंह चौधरी सुपृत्र श्री रामकला (2) फुल कुमार (3) बलजीत सिंह, निवासी-20/28, पंजाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी मध्रके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना करी तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपूत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, को उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रो. नं. मकान डी-71, न्यू मुलतान नगर, ससरा नं. 3/1, 9, 10, ग्राम-जवाला हरी, 200 वर्ग गज, दिल्ली।

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली

तारील · 9-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# अ।यकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-व(1) के भ्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निर्दोश सं. आई, ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/4-81/4435—-अत: मुफे विमल विशिष्ट, गायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मम्पिन जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. 23/29-बी है तथा जो तिलक नगर में स्थित है (और इससं उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (अ) धन्तरण से हुई किसी माथ की बाबत, उक्त बिनियम के मनीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए जीर/या;
- (त्र) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिखी द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जड़वा चाहिए था, कियाने में मुविधा के किए;

भतः अय, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नतिखित कालेग्यों, अर्थात्:——

- श्रीमती लाजबन्ती विधवा पत्नी श्री मोती सिंह, निवासी-16/40, जोशी रोड, करोल बाग। (अन्तरक)
- 2. श्री सुन्दर दास कामरा, सुपुत्र श्री खुशी राम- 20-बी/82-बी, तिलक नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :-

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी से 45 दिन की अवधि या तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धां प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उचत ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्च होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पो. न. 23/29-बी, तिलक नगर, दिल्ली।

विमल विधिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन् रजिन्।।, नई दिल्ली

तारीख: 9-12-1981

# प्रकप आई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूच्ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नक्ष विल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निद<sup>क्</sup>श सं. आर् $^{4}$ , ए. सी. $^{4}$ एक्यू. $^{2}$ /एस-आर- $^{2}$ /4-81/4484—अप्तः मुभ्ने विमल विशिष्ट,

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं. 102/ए हैं तथा जो हरी नगर, ग्राम-तिहार में स्थित हैं (और इससे उपाश्व्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिष्ट्रिक्ती अधिकारी के कार्यालय विल्ली में भारतीय रिष्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उज्जित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रति-फल के शिये अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उज्जित वाजार मूल्य, उपके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (श्रस्तरकों) भीर प्रस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विखित में वाश्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, एक्त अधिनियम के सधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बनन में सुविधा के लिए; स्वीर/या
- (ख) ऐसी किसो अाथ या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए या, छिनाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः सन, धनत अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण म, मैं, धनत अधिनियम की घारा 269-च की धपवारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् --- श्रीमती राग्रियारी, पत्नी श्री राम लाल, निवासी-सी-152, हरी नगर, घंटाघर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री बृज मोहन, सुपुत्र श्री कास्तुरी लाल, नवासी-ए-93, हरी नगर, घंटाधर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

खन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मा**लो**प ! ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रत्योहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्ष्यों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रबंहोना, जो उस अड्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रो. नं. 102, बलौक नं. 'ए' हरी नगर, तिहाक, नर्ह विल्ली, 220 वर्ग गज।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रजे-।।, न**र्ह** दिल्ली

<del>तारीब : 9-12-198</del>1

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नहीं विल्ली

नई दिल्ली, विनांक 9 विसम्बर 1981

निर्दोश सं. आर्द्द, ए. सी./एक्यू./2/एम-आर-2/4-81/ 4441 -- अतः भूके विमल यशिष्ट,

धायकर प्रधिनियम, 1981 (1981का 43) (जिसे इसर्मे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुरुष 25,000/- रु० मे प्रधिप्त है

और जिसकी सं. भी-33 एंहै तथा जो नरायणा इन्बर प्री कालोंनी में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यम।न प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह अधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पामा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (म) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत प्रश्चिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा धन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, छिपान में सुविधा के लिए।

ब्रत: ब्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

श्री मनमोहन अरोड़ा सूपुत्र राम नाथ अरोड़ा इ-14, एन . डी . एम . सी . भाग-2 , नर्द्द दिल्ली ।

(अन्सरक)

2. श्री करम सिंह परमार सुपुत्र नरायण सिंह परमार, निवासी-इ-32, इन्दर पूरी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्य**वाहि**यां क**र**ता हुं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की नारीख, से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिदारा;
- (ब) इस युचना के राजपढ में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के वास निष्वित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो अवत भविनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभावित हैं. वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं, बी-33ए, बसरा नं 1607, ग्राम-नरायणा, इन्दर पुरी, कालोनी, नई दिल्ली।

> विमल बहाष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीख: 9-12-1981

माहर:

# प्रकप् नाद् , टी., एन्., एत्.-----

भायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुमना

#### भारत् सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-2, नद्द दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 9 दिसमबर 1981

निर्दोश सं. आर्द्द, ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/4-81/ 4525--अत. मुभ्हे विमल विशिष्ट 🧨 कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को , यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक ह⁴ और जिसकी सं. डब्ल्यु-जेड-140 है तथा जो प्लाट एल/65, के-24 (न्यू) शिष नगर एक्स. मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लंग दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन तारीस अप्रैल 1981 को, पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-केल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूपुसे कथित नहीं किया गया हैं ⊈−−

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- श्री कलप नाथ सुपृत्र लक्षमी राय निवासी-डब्ब्यु. जड-140 शिय नगर, नई विल्ली। (अन्तरिती)
- राम कनवार गृप्ता एण्ड अदर्स, निवासी-ए-9, रघुबीर नगर, नद्द विल्ली।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब व्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकींगे।

स्थव्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं. डब्ल्यू-जंड-140, प्लाट नं. एल/65 (पूरानी) के-24, (न्यू) शिथ नगर एक्स. ग्राम-तीहाड चिल्ली। तारीख: 9-12-1981

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नर्दे दिल्ली

तारील · 9-12-81 मोहर: प्ररूप आई टी एन एस ------

श्रापकर मि**धिनियम, 196**1 (1961 का 43) की धारा 2**69व(1**) के अधीन सूचना

पारन यरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आगुवन (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

नर्क दिल्ली,, दिनाक 9 दिसम्बर 1981

निर्वोश सं आर्द्र, एं सी /एउय् / 2/एस-आर-2/4-81/7701—ज्या सभी विसल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का-43) (जिसे इसमें इसके पश्चान उकत अधिनियम कहा गया है) की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी स ए-25 है तथा जो ग्राम बमर्ड दारा-पुर में स्थित है (और इसमें उपादद्ध अनूम्बी में पूर्ण रूप में विज्ञात है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1981

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त मण्टित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण किवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) प्रचारण में हुई िहिसी आप को बाबन, उकन प्रिष्ठिन नियम के प्रोन हर देने के प्रन्तरक के दापित्व में कमी करन मं उपन बचन में मुनिया के लिए, श्रीद्या
- (ख) ऐसी किनी झाप या किसी घन या पनः प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा पकट नहीं किन्न गया था या किया जाना चाहिए या लियाने में सुविधा के लिन्न,

भतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, भैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निणिकिन व्यक्तियों, अर्थात् ---- 9--436GI/81

- 1 श्री नन्द किसोर सुप्त श्रीलाल चन्द नितासी:बी-3/ 16, राजारी गार्कन, नर्ह दिल्ली। (अन्तर ह)
  - की एस के र्मालक संपुत्र थी आर बी रालीक, निवासी-ए-62, विभाग इनवर्ण, दिल्ली।

(সুন্ধ্যি**ন্** 

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा से 45 बिन की प्रविध्या गत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को प्रविध्य औ भी प्रविध्य समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तिया में से किसी व्यक्तियाः
- (ख) इस सूचना क राजान में प्रकाशन को तारी के ने 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ब क किसी सम्प क्यांकित द्वारा, प्रधोत्स्ताक्षरी के गांव लिखित में किए अ। सकेंगे।

साइटीकरण:--क्रममे प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो जनत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में स्याय थ

### अमस्यी

प्रो न ए-25, ग्राम-बसई दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली

विमल विभाष्ट स्क्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आगुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, नर्झ दिल्ली

तारीस 9-12-1981 मोहर

### प्ररूप आर्च. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृष्यना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकण आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, नई दिल्ली

नद्दं दिल्ली, दिनाक 9 दिसम्बर 1981

निर्दाध स आर्ड ए सी /एक्यू /2/एस-आर-1/4-81 7758 - अत स्फे विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य. 25,000/- रु से अधिक है

और जिस्में में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उचत अन्तरण लिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निस्तिवित स्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री लीलाबन्ती परनी श्री किमत राम निवासी बी-4/64, अशोक दिहार, फेस-2, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्रीमती राजरानी, पत्नी श्री क्रम्तुरी लाल असरी, निवासी,, प्रथम मिजिल, मकान नं 6817-16818, गली स्खनवाली, बेरीवाला वाग, पुलबंगस, आजाद मार्केट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचनों के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

प्रो. नः 6817-6818 बेरीवाला बाग, पुलबंगस आजाद मार्कोट, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, न**र्द्द दि**ल्ली

तारीय 9-12-1981 मो**हर** : प्ररूप आर्दे टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रॉज-2, नर्ह दिल्ली

नर्दे दिल्ली, दिनाक 30 नवम्बर 1981

निदां स आई, ए सी /एक्यू /2/एस-आर-2/4-81/7783—— चू कि में निम्ल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी मार्च न 109 है तथा जो खुर्बी द मार्केट दिल्ली में स्थित हैं जिसका अधिक विस्तृत दिवरण सलग्न अनुसूची में दिया गया को पजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालग में दिनाक अपल 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यभान प्रतिफल से ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अत्तरितियो) के बीच एमे उन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्च थ्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्त-विक स्प मे कथित उही किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री अशोक काँुमार सृपुत्र प्रोम चन्द, राजेश काँ्मार सृपुत्र पन्ना लाल, निवासी-21/36, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री लखपत राय और रमेश कामार, सूप्त्र राजा राम, निवासी-को-5/36, मांडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरणः—-इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

#### अनसची

सोप नं. 109, खुरमीव मार्केट, विल्ली।

स्थाम प्राधिकारी स्थाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नर्हा दिल्ली

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियो, अधीत् ——

प्तारील 9-12-1981 मोहर प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.------

नामकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नइ दिल्ली, दिनाक 9 दिसम्बर 1981

निदींश सं. आर्ड, ए. सी./एतय्./ $2^{\prime}$ एस-आर-2/4-81/4461—अतः स्फे विमल विशिष्ट,

आफ्रकर विशिव्यम, 1981, (1981 का 43) (जिसे इसमें इनके प्रयुक्त (उक्त समितिसमें कहा गया है), का धारा 26 अन्त्र है भीन प्रथम पाणि पारी की, यह विश्वाप करने का कारण है कि स्वानर पम्पति, जिसरा उचित बानार मूल्य 25.000 हुए से पश्चिक है

और जिसकी संस्था 51 है तथा को ज्याब्दा नित्त राजोरी गाड़ींन मी स्थित है (और इस्से उपाब्द्ध अनुसूची मी पूर्ण कद से पिणत है), रिजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली मी भारतीय रिजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वर्ण 16) के अधीन तारीक अप्रैस 1981

को पूबीक्त सम्पत्ति के उधित बागार स्त्य से कम के दृष्णान प्रतिक्रल के गए प्रन्तरित की गई है और पूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्ष्म सम्पत्ति का उचित बाजार मूलप्रभिक्ते दृष्यमान स्तिकृत ने, ऐते दृष्यमान प्रतिकृत का पन्द्रभ्यात्रणन से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रनारकों) और अन्तरिती (प्रन्तिविधों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया र्मिकल, निम्नलिखित उद्देश से उस्त प्रन्तरण लिखित में सम्तविक क्या से कथान नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की जावन, उका आधि-निया के आधीर कर देने के अन्तरक के दासित्व में कमा करने था उससे बनते में युविधा के लिए; और्ष्या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों. अर्थात :— 1. श्री प्यारे लाल और श्री नरीन्जन वास, सूप्त्र श्री बरकट राम पुरी, निवासी-जे6/51, राजोरी गार्डोन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री रतन घन्द सुपृत्र श्री राम चन्द लुथरा, निवासी-जे-6/51, राजोरी गडिंन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पृवाकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स से**45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से .45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किमी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदौं का जो आयकर आंशिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

# अनुसूची

प्रो. न. जे-6/51, राजोरी, गाडौंन, नई दिल्ली।

विमल विशिष्ट स्क्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली

तारीक : 9-12-1981

माहर:

रुपए से अधिक है

प्ररूप आई० टी० एन० एंस० -----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र ज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 नथम्बर 1981

निर्दोश स. आई, ए. सी. /एक्यू. /2/एस-आर-1/4-81/7817---अतः मृभ्ते, विमल विशिष्ट, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सन्नम पाधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-

और जिसकी सं जं-46, है तथा ओ बसई दारापुर, राजोरी गार्डोंन, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दृष्यमान प्रतिकत्त के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृष्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और ग्रन्तरेक (ग्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (श्रम्तरितियों) क्ष्रीब ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्ननिखित उद्देश्य मे उक्त ग्रन्तरण लिखित में ग्रास्त्रिक का में क्रिया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।
- अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात्:--

- श्री चम्न लाल शर्मा सुपृत्र दयाल चन्द निवासी-।।-सी/45, नेहरू नगर, गाजियाबाद।
   (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजनत्र ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सर्गें।

ह्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रीर पर्दों का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिवा गया है।

#### ਬਰ ਦਾ ਦੀ

ेलाट नं. जे/46, राजोरी गाउ $^4$ न, ग्राम-बसर्ह दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आंयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-।।, नई दिल्ली

तारीख: 30-11-81

माहर:

# प्ररूप भाई•टी•एन•एस•----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की म्रारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 26 नवम्बर 1981

निद्रांश स आर्थ ए सी, / एक्यू / 2 / एस - आर - 1 / 4-81 / 4424 ---- अत मुफे, विमल विशिष्ट, आयि हर प्रिक्षिति र ते 1961 (1961 का 43) (जिमे इन्पर्ने ड ते रिक्सित् र ते 1961 (1961 का 43) (जिमे इन्पर्ने ड ते रिक्सित् र प्रिक्षित र ते 1961 की स्वाप्त करने का कारण है कि स्थान संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 /- ६० से प्रिक्ष है

और जिसकी सख्या 2611, वार्ड 12 है तथा जो बस्ती पजावियन, एस /मडी मार्गस्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मा और पूर्ण इप से विर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कारोलय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल, 1981

को पूर्वनित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निष् अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिकृत से प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफन निम्मिलिखित उद्देश्य से उनन प्रन्तरण लिखित में बास्तिक का निम्मिलिखन नहीं किया गया है

- (क) प्रत्नरण प हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्राध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करते था उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसा घन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्ह भारतीय श्रायकर श्रिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त प्रिष्ठितियम, या धन कर श्रिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ शन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

खतः प्रव, उन्न प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, खनत प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री राम लाल सुपुत्र परमानन्द, निवासी 2611, बस्ती पजाबियन, एस /मडी, दिल्ली।
  - (अन्तरक)
- 2 श्रीमती रतन माला जैन, पत्नी प्रेम वन्द भैन, निदासी 4430/2, आर्यापुरा, एस /मडी, विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हं।

उक्त सम्पति के प्रजात के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षप :--

- -(क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मयिंग या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाध्य होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबेड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पटों का, जो खकत श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

न 2611, वार्ड न 12, बस्ती पजाबियन, एस मंडी, दिल्ली।

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

तारीच 26 11~1981 मोहर प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) क अधीन सूचना

#### भारत सरकार

काय्किय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 27 नवम्बर 1981

निर्धोध सं आर्ड ए.. सी,/एक्यू /2/एस.-आर.-1/ .4-81/7654--अत मुफ्ते, विमल बिशिष्ट,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें: इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपादित जिसका जीचत बाजार मृत्य 25,000/-क से अधिक हैं

और जिसकी संस्था 171 (पुराना) नया न. 326-ए से 335, सोप 327 और 328 है तथा जो दरीबा कला में स्थित है (और इसम उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रिरिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितयों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

खतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण हैं. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री कक्कित कृमार राजपूत स्प्य एल. श्री धना सिह, निवासी 1560 क्चा सठ, दरीबा कलां दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री प्रपील जैन पत्नी विजय क्रुमार जैन, निवासी 21/15, शक्ति नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्सि में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पिरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सोप नं 327 और 328, प्रो न 171.(पूरानी) और न्यू न 326-ए से 335, दरीबो कला, दिल्ली।

विमल दक्षिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

तारीख : 27-11-1981

मोहर 🕐

# प्ररूप आर्च.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1981

निदर्भा सं. आई. ए. सी,/एक्यू./2/एस.-आर.-1/ 4-81/7714—-अतः मुभ्ते, विमल विशिष्ट, क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕रतः से अधिक हैं और जिसकी संख्या 52 है तथा जो नजफ़गढ़ रोड, इन्डस्ट्रीयल एरीया, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधनयम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीस अप्रैन, 1981 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास-करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्यदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कें दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (क्यं एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाको लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्युक्तियों, अर्थात्:---

 श्रीमती सन्तोष कृमारी पत्नी मोहन लाल जैन और अदर्स, नवासी-7076, गर्ली चौ. तेज सिंह, पहाड़ी धीरज, दिल्ली।

(अन्सरक)

2. श्रीमती विशन कुमारी पत्नी रविन्दर कमार एण्ड अदर्स, निवासी-220, चावडी बाजार, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधियातत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रो. नं. 52, इन्डस्ट्रीयल एरीया, नजफगढ़ रोड, विल्ली।

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्थन रोज-2, नई दिल्ली

**तारील : 30-11-1981** मोहर :

# प्रकप आई० टी• एन• एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

नर्के दिल्ली, दिनाक 27 नवम्बर 1981

निवर्षा स. आई ए. सी,/एक्यू /2/एस.-आर -1/4-81/7709--अट मुफे, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु. से अधिक है

- (क) अन्तरक के हुई किसी आय की बाबत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए-था, छिपाने में मृतिधा के लिए,

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है अधीन निम्निसिसित व्यक्तियों अर्थात् :-- 10—436GI/81

1. श्रीमती आतश दोवी ढोगरा पत्नी पी. ढी. ढ़ी गरा, निवासी 26/13, इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 मास्टर मनिश अरोडा (माइनर) सृपुत्र भूषण अरोडा, दिवासी 1-190, किली नगर, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्विया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:—हसमे प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो इक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

## मन्त्रची

एफ -36 सोप, सेन्द्रल मार्केट, किती नगर, नई दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-2, नई दिल्ली

ता**रीब** : 27-11-1981

प्रकार साई० टी॰ एन॰ एप॰-----

आंयक्रथ अितियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च (1) के सधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निर्दोश मं. आर्ड. ए. मी./एक्यू./2/एस-आर-2/4-81/ 4458—-अतः मुभे, विमल विशिष्ट,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधी। सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास खरने का कारण है कि स्वावर सम्पन्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000-कु दे श्रीवक है

और जिसकी सं. डब्ल्यु-जेड-66, है तथा जो ग्राम-तीहाइ, दिल्ली राज्य में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीच अप्रैल 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के बुक्णमान प्रतिकल के लिए एक्तरित की गई है और मुझे यह रिण्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का लिया बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रज्ञ प्रतिकत से प्रविक्त है और मन्तरक (मन्तरकीं) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) खन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्सर न के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/गा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी. घन या अरथ आश्रित्यों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रिवित्यम, 19:2 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अरतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के आए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, त्रर्थात्:—— श्री शमशेर सिंह सुपुत्र दौलत सिंह निवासी खंबल्यु-जेड-66, उगरसेन मार्कोट, नर्झ दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जानकी दोवी पत्नी कृष्ण लाल और कृष्ण लाल सुपुत्र इसर दास, निवासी जी-20/2ए, राजोरी गांडोंन, नहीं दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तरक स्वाधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भानर पूर्वीक्त
  अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भानर पूर्वीक्त
- (ख) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीय ये 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवर किसी अन्य व्यक्ति हारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं. डब्ल्यु-जेड-66, ग्राम-तिहार, राज्य दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-2, नर्झ दिल्ली-110002

तारीच : 27-11-1981

प्ररूप आई ँ टी० एन० एस० -

# आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन पुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नर्ह दिल्ली

नर्ध दिल्ली, विनांक 14 विसम्बर 1981

निर्दोश सं. आर्क्ट. ए. सी./एक्यू. $\frac{1}{2}$ /एस-आर- $\frac{2}{4-81}$ / 7725—अतः मुभ्ने विमल बिशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 37/24 है तथा जो ईस्ट पटोल नगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी अधीन 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहृप्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अमितयों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृत्यिधा के निए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन गैनम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1 श्री विलायती राम सुरी, सुपुत्र खजान चन्च सुरी, निवासी-37/24, इस्ट पटोल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री नरोश कुमार वर्मा सुपुत्र आतमा राम वर्मा, निवासी आर्द-53, किती नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्प्वतीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हुँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जनसं ची

जी. बी. क्वाटर नं. 37/24, इस्ट पटोल नगर, नई दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्ष दिल्ली-110002

तारीख : 14-12-1981

# प्रकृप आहें. टी. एन . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निविधा स आई ए सी /एक्यू /2/एस-आर-2/4-81/781%—अतः मृफो, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं और जिसकी सल्या वी-6/16 हैं तथा जो मोडल टाउन में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विर्णित हैं),

अपि जिसकी सख्या बी-6/16 है तथा जा माडल टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख़ अप्रैल 1981

को प्योक्त संयक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिसत उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आयं यो किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

बत. अब, उर्जत अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण बाँ माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्तित, व्यक्तियों अधीत:--  सैतीं स सिंह सुपृत्र गुरमुख सिंह ए-79 मोडल टाउन, बरेली।

(अन्तरक)

 क लक्दीप सिंह सुपुत्र एल एस. ल्याल बी-6/16, मोडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह जुनना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:-- ं

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पारित में हित्यव्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्रो. नं. बी-6/16, मोडल टाउन, विल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 14-12-1981 मोहर : प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिना 30 नवस्वर 1981

निर्देश सं आर्ध एं सी /एक्यू / 2/एस, -आर -2/4 - 81/4536---अतं सुफे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु से अधिक हैं

और जिसकी स कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-गोला खुर्द में स्थित है (और इसम उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल क, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थत्— ा 1 श्री राम रीखी सूपूर्ण गनेसी बिल, गोला खुर्व, दिल्ली। (अन्तरक) 2 मैं बबी सोप इन्डस्ट्रीज, गोला खुर्द, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विने की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषां कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्पत्नीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि., ग्राम-गोला खुर्दा, दिल्ली।

विमल बिघाष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2, विस्ली, नई विल्ली-110002

तारीख 30-11-1981 मो**हर** ब

# प्रकृप आई० टी० एन० एम०-

# नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-त्र (1) के नधीन सृचना

## गरत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 नवस्त्रर 1981

निर्दोश सं. आई, ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/4-81/7815—अत: मुक्ते विमल विशिष्ट, आग्राग्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उका पितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत पश्चम नाधिताम का, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संत्ति जिपका उचित बाजार मृत्यं 25,000/- रु॰ अधिक है

और जिसकी स. 13/6875 है तथा जो बेरीवाला बाग, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील अप्रैल 1981

को पूर्णोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम बृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करेंगे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफत में, ऐमे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रदिगत में पश्चिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तये पाया गया प्रति-फन निम्नितियोंन उद्देश्य में उका अन्तरण लिखन में बास्त्रिक कप में कथित नहीं किया गया है।—-

- (क) अन्तरण सं हुई किसी श्राय की नामल उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) एसा किसी आप या किसी धन या भग्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए;

श्रतः अब, एक्त प्रधिनियम, को धारा 269-ग कं ग्रामुसरण में, में, उक्त अधिनयम को धारा 269-घको उत्तरास (1) के अधीन निम्नुलिखित् व्यक्तित्यों अर्थात् ६——  श्रीमती कृष्णा रानी विधवा पत्नी खैराती लाल निवासी-एफ-10, मोडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री तेज भान और माती राम, सूण्त्र श्री टोक चन्द निवासी-10230, लाइब्रोरी रांड, विल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

ान्त सम्पत्ति के ग्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क") इस मूनता के राजान में प्रकाशन की तारीख में 45 दिव की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की नामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी यक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोजन व्यक्तियों में किसा व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर एकत स्वावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ब्रधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्राड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रार्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गर्मा है।

# अनुसूची

म्यूनिसिपल नं. 13/6875, बेरीकाला बाग, दिल्ली।

विमलः विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्राष-2 दिल्ली, नहीं दिल्ली-110002

तारी**स** : 30-11-1981

मोहुर :

# प्रकप भाई • टी • एन ० एस ० -----

आथकर विधितियम, 196। (1961 का 43) की बारा 269 व(1) के यक्षीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नर्ष दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनाक 50 दबम्बर 1981

निर्दोध स आर्ड. ए. सी /एक्यू <sup>/</sup>2/एस-आर-2/4-81/ 4924—–अतः मुफे, विमल बिशिष्ट,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ज अधिन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका इजिन गाजार मुख्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं आर-सोप नं 2, है तथा जो नरायणा इन्दर-गुरी में स्थित है (और इसमें उपाबवध अनुसूची में गूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कागीलय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अभीन तारील अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित जाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरिक (प्रन्तरिकों) भीर प्रन्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तनिवित उद्देश्य से उक्त प्रत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दाणित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभ्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अब, उयत प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उयत प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के भ्रमीत निम्निविवन व्यक्तियों श्रमीत: --  श्री जे के. गोयल, सुपृत्र आर.पी. गोयल निवासी इ-ए-128, इन्दरपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री यत्यभूषण जैन, सुपुत्र राम नरायण जैन, निवासी-2964, कुला मधे दास, आजार सीनाराम, दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोत्तन सम्पति के अनेत स् लिए कार्यवाहिया करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकारन की तारीख स 45 विन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित, जा भी भविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी, के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

प्लाट नं. आर, सोप नं. 2, ग्राम-नरायणा क्षन्दरपुरी, नर्द दिल्ली।

> विमल ४शिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीच : 30-11-1981

प्रष्य आई. टी. एन. एस. ----

# द्भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के धंधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज<sub>-2</sub>, न**र्ह** दिल्ली नर्ह दिल्ली, दिनाक 30 नवम्बर 1981

निदर्श सं. आर्झ ए. सी /एक्यू /2/एस-आर-2/4-81/7773—अर्श मुक्ते विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसकें पश्चास् 'उक्ट मिंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के संधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उलित बाजार मूल्य 25,000/- क्यमें से अधिक है और जिसकी सं. 701, न्यु-1892 है तथा जो चान्दनी चौंक में स्थित है (और इससे उपाण्य्य अन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य कम से कम के दृश्यमान प्रतिफंत के दिए अन्तरित की वर्द है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित वाजार मूल्य, उपके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रप्र प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (प्रत्यक्तीं) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक कि निए तय पाया नया प्रति-फल निम्नितियों उनेस्य से उक्त अन्तरक विश्वित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गवा है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत जक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रष्टिरक के दायिख में कमी करते या उससे बचने में शुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अध्य प्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर बाधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रश्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या किया जाना चाहिए था, खिमामे में सुविधा के सिए;

जतः, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व ने अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के बसीन निक्वलिखित व्यक्तियों, प्रकृति '---  श्री लाला बेनी प्रसाद निवासी-51, क्रीडस कालानी, नई विल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री सुखबीर सरण अग्रवाल (एच-यू-एक) 20003, दाटरा, लछुसिंह फिंटिन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके प्रवेषित यम्यति के प्रजेत के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपन सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भो आक्षेपः⊸-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की प्रविध या तत्मन्वन्छी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध वाद पें समाप्त होतो हो, के भी र पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारक;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समित में हिनबूद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रताहम्ताक्षरों के गान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो उक्त प्राधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही प्रयं तोगा जो उस ग्रध्याय में विया गया

## अनसची

म्युनिसिपल न . 701, और न्यु म्युनिसिपल नं् 1892, चान्दंनी चौक, षिल्ली।

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ता**रील** : 9-1-1981

\_\_\_\_\_

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्धालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंग रंज-2, न्हीं दिल्ली

र्ड दिल्ली, दिनक 9 दिसंबर 1981

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/4-81/4428--भार भूके दिमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं सी-28 है तथा जो शिवाजी पार्क, 4 रोहतक रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्द अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यल्य, विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1981

को पूर्वो कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप संवीधन नहीं जिल्ला गणा है न

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के साथित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 11—436GI/81

 श्री नानक चन्च कपुर सुपुत्र लाजाराम कपूर, निवासी-ए-10, लार स रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री राजीन्दर प्रसाद सुपुत्र गोरा लाल निवासी-सी-12, बाली नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षाप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थानत या कित्यों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, भो उक्त. अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## समयी

सी-28, शिवाजी पार्क, रोहतक रोड, दिल्ली।

विमल विधिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2 दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख : 9-1-1981

# प्ररूप माइ. टी. एन. एस.-----

पाय हर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रॉज-2, नई फिल्ली नर्इ दिल्ली, दिनंक 9 दिसंबर 1981

निव<sup>क्र</sup>श सं. आर्इ. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/4-81/ 4380--अतः मुभ्ते विमल विशिष्ट,

श्रायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-हपए से प्रधिक है

और जिसकी सं एच-93/2 ही तथा जो शिवाजी पार्क, मादी पुर में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हु"), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1981

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) ठेबीच ऐप अन्तरण के लिए तय पाया गरा प्रतिफन, निम्नलिखिन उद्देषण से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (জ) प्रन्तरण में हुई फिसी ,श्राय की बाबत, उक्त श्राध-नियम के प्रधीत कर देने के भन्तरक के दायिए। म कमी केरन या उसम बचने म सुविधा के लिए अरि/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ध्रम्य प्रास्तियो को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर **मधिनिय**म, 1957 (1957 का 27) 🔆 प्रयोज**नार्य मस्तरिती द्वारा प्र**कट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री अधिवनी कामार अपर श्री अधारेक कामार सुपृत्र **ीलद्या यागर भण्डारी.** नितासी-एच-93/2, शियाजी पार्का, मादीपुर, दि*ल्*ती। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती चान्द रानी पत्नी किदार नाथ मानी 36/62, पजाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकन सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :-

- (क) इस सूचनाके राजपन्नामें प्रकाशन की **तारीख**ा से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 विन की प्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे

स्पष्टीक्ररण !---उसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदो का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाचित है, बहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्ची

नं. एच-93/2, शिवाजी पार्कः, ग्राम-मादीपुर, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख** : 9-1-1981

प्रकप नाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज 2. नहां विल्ली

नई विल्ली, दिनाक 14 दिसम्बर 1981

निवर्षा सः आर्घ ए. सी./एक्य्./2/एस-आर-2/4-81/ 4395--अत. मुक्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रा. संअधिक है

और जिसकी संख्या 1/57 है तथा जा तिहार नृ. 1, मुभाष नगर, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

'अधीन, तारील अप्रैल, 1981 को प्वोक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपरित का उचित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियो) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उच्त अधि-**नियम के अधी**न कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उत्सरी बचने में सुविधा की लिये, मौर∕या
- (ब) ऐसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य आस्तियों **को, जिन्ह**ें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-**कर अधि**नियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्री फलेह चन्च मुपुत्र ताला राम, 4928, काजी हाँज, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री लसली चौहान, सूपुत्र एल श्री आर. एच चिहान, निवासी-22/1, प्राना राजीन्दर नगर, नर्इ विल्ली

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थल की तामिल से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख़ से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

थ्रो. न. 1/57, तिहार न. 1, सूभाष नगर, न $\mathfrak{s}^{\epsilon}$  विल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली-110002

अतः अबं, उक्त अधिनियमं, की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथीत :--

तारीख . 14-12-1981

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निवर्षेश सं. आर्घ ए. सी /एक्यू./2/एस-आर-1/4-81/7692~-अतः मुक्ते, विभल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रा. रो अधिक हैं

और जिसकी संख्या सोप नं. 11 है तथा जो अजाद मार्केंट, में स्थित हैं (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यलय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कमं के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियंम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के सधीन भिम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थातः--  श्रीमती कोशल्या रानी, पत्नी तीलक राज निवासी 8/47, जंगपुरा, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री आदर्श खरे सूपूत्र साम नाथ खरे, निवासी-1300 फीजरोज, बहादुर गढ़, दिल्ली

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमृस्ची

**भी**. बी. सोप न. 11, आजाद मार्कोट, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नर्झ दिल्ली-110002

तारीब : 14-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली

नक्क दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निवर्षा सं. आई ए. सी. /एक्यू.  $\frac{1}{2}$ /एस-आर- $\frac{1}{4-81}$ /  $\frac{1}{1--3}$  अतः मुक्ते, विभल विशिष्ट,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्हा अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. संअधिक है

और जिसकी संख्या 13/3104 है तथा जो गली अहिरन बहाबूर गढ़ रोड, मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो पूर्व रूप से वर्णित है), रिजरद्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह सिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतिरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्ता वक्त रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की शायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, भें, उपत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के बधीन निम्निक्षित व्यक्तियाँ, अधीत्  $\mathbf{E}$ --

- श्री निवन कुमार सुपुत्र राम किशार अग्रवाल निवासी-3011, भगवान गंज, बहादुर गढ़ रोड, दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री श्याम सुन्वर भातार सुपुत्र एन. डी. भातार, निवासी-डी-29, पेश-1, अशांक विहार, विल्ली (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारील सैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो जनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

## अनुसूची

मुनिसीपल नं 3104, वार्ड नं 13, गली अ**हिरन,** बहादर गढ़ रोड, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 2, नर्ह दिल्ली-110002

तारी**क . 14-12-1981** 

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सम्रना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 14 दिसम्बर 1981

निव $^{\circ}$ श सं. आर्इ ए.  $^{\circ}$ सी. $^{\circ}$ एक्य्. $^{\prime}$ 2 $^{\circ}$ एस-आर- $^{\circ}$ 1 $^{\prime}$ 4-8 $^{\circ}$ 7810--अतः मुभ्ते, विमल विशिष्ट, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इशके पक्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रत. से अधिक हैं और जिसकी सस्था 5105 है तथा जो वार्ड न . 13, इहाद्र-गढ़ रांड अहरिन, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से दर्णित हैं), रिजस्ट्रीकेर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रिजम्झीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्या के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वायत सपिति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे ध्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियो) को बीच एंसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उदुदाश्य सं उत्रापता राजा विसमित भावारवीयक रूप से कथित नहीं किया गया ह<sup>र</sup>ै:--

- (क) सन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्-या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अध, अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की अपधारा (1) के अधीर्त निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री राम किशार अग्रवाल सुपुत्र ज्योती, 301-1, भगवान गंज, बहाबुर गढ़ दिल्ली (अन्तरक)
  - सपत्र एम. आर. भातार,
- श्री एल . डी . भातार सुपुत्र एम . आर. भातार, निवासी-डी-29, अशांक विहार, पेश-1, विल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामी लंसे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परिस में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पन्धिकरण:-इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अगत्तची

म्युनिसीप्ल नं. 3103 वार्डं नं. 13, बहादूर गढ़ राडे, गली अहिरन, दिल्ली ।

> विमल विशिष्ट सक्षम अधिकारी सहारुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नई दिल्ली-110002

गारीख : 14-12-1981 मोहर: *=* : -----

# प्रकृप वार्ड.टी.एन्.एस.---=

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज 2, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 विसम्बर 1981

्निर्दोश सं. आर्इ ए. सी /एक्स्य् /2/एस-आर-1/4-81/ 7737--अतः मुक्ते, विभल विशिष्ट,

मायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पवचात् 'उक्त् अधिनियम्' कहा गया हैं), 269-व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं।

और जिसकी संख्या 13/6875, है तथा को बेरी वाला बाग, दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुगुची में पूर्व रूप से तर्णित है), रजिट्टीटर्सा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख अप्रैल, 1981

को एवेंक्स संपति के रिनट बाजार सल्य में कम के दश्यमान प्रक्तिक से के सिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने कुत कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एस दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म क्रमी करने या उसके उचने में सविधा के लिए, और/या
- (ब) एसी किसी बाब वा किसी धन या बन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, एः भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नयाथा याकियाजानाचाहिए था छिपाने में सनिधा के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनसरण में, में, उक्त विधितियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:---

 श्रीमती कुशन रानी विधवा पत्नी लेराती लाल एफ 10, मोडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरक)

🤰 गोपी चन्द्र सुपुत्र श्रीटक चन्द्र निवासी-8744, शिदीपुग, नर्के दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां कारता हुई।।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्2--

- (क) इस स्वनाक टाजपम् में, प्रकायन की बार्रीय से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी जनिष बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से हैकसी व्यक्ति दुवाराः।
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावह संपत्ति में हित्बस्थ किसी जन्य व्यक्ति वृवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ਛੂੰ

# अनुसूची

म्यूनिसीपल नं 13/6875 (न्यू) बेरीबाला बाग, दिल्ली

विमल विशष्ट सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज 2. नहीं दिल्ली-110002

तारीस : 14-12**-**1981

मोहर

# त्ररूप बार्ड .टी .एन .एस . ------

**आय्कार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-খ (1) के अधीन শ্বলা

## ज़रुव चरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज 2, नर्ड दिल्ली

नर्झ दिल्ली, विनांक 14 दिसम्बर 1981

निद<sup>ें</sup>श सं. आई ए. सी./एक्यू./२/एस-आर-1/4-81 7720--अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट,

नायकर निष्ठियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वस करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से विश्वक है

और जिसकी संख्या डी. एस. नं. 1001 है, तथा जो न्यू नं. 1505, गली कांटदना, संइवालन, में स्थित है (और इससं उपादद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयं, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अधैल-1981

1908 (1908 का 16) के अधान, ताराल अप्रल-1981 की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मल्य में कम के दश्यमान प्रतिकास के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित्त का उचित बाजार मुख्य, उसके वश्यमान प्रतिकास से, एसे वश्यमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिकाल निम्निसिश्त उद्योग्य से उच्य अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) विकास से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी नाम मा किसी भूत या नम्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा जन्त निभिन्यम, या चन्कर निभिन्यम, या चन्कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्वा चा वा किया चाना चाहिए था कियाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त व्यक्तियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री गरफ दिन स्पृत्र इसामुदीन, निवासी-4219, गली शाहनरा, अजगरी गेट, दिल्ली
  - (अन्तरक)
- 2, श्री पिरवा बस्यू स्प्य चेत्र दांत्र निदासी-1550 सुद्दालन, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्थन के लिए कार्यबाहियां करता हुन्।

उनत् सम्परित् की बुर्जन् की सुस्वरूथः मीं काहि भी बाक्षोपः---

- (क) इस भूषना को राज्यम् में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूषना की तामील से 30 विन की अविधि, थो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत्
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा गर्मिं।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिकास है अध्यात 20-क में यूथा परिभाषित हूँ, वहीं भर्ष होगा जो उस अध्यास में दिया गुंसा हैं।

## अनुसुची

डी. एल. मकान नं 1001, त्यू नं 1505, कोटना मोहला मुद्दवालन, चीतली कबार, दिल्ली

> विमल विशिष्ट सक्षम अधिकारी सहारक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2 , नई विल्ली-110002

तारीख : 14-12-1981

मोक्टर

प्रकप प्रार्थि टो० एव० एम०-----

भ्रायक्षर क्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के क्रिधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज् 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 विसम्बर 1981

निर्दोश सं. आई ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/4-81/4429—अतः मुफ्ते, विमल विशिष्ट, . आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इम ६ पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित्र बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं 11, है तथा जो न्यू मुलतान नगर, राहतक गड़, में स्थित है (और इससे उपाब्ध्ध अनुसूची मो पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली-56 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित वास्त्रिक कप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रिक्षित्यम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुिक्षा के लिए, धीर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या मन्य खास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— 12—436GI/81

- शीमती वर्शना देवी सिंगल् पत्नी लाल चन्द सिंगल, निवासी-डी. डी. ए. मल्टी स्टोरी, फ्लेट नं सी-4, भीम नगरी होज खास, विल्ली (अन्तरक)
- श्री प्रेम चन्द जैन एण्ड अदर्स, सूपुत्र श्री दीप चन्द जैन, निवासी-मकान नं. डी-75, न्यू. मूलतान नगर, शकुर बस्ती दिल्ली (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त तम्पत्ति हे प्रजैत हे सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविष्ठ, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पाम
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राब्दोकरण:----इसने प्रयुक्त कब्दों श्रोर पदों का, जो उकत प्रवि नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं. 11, ब्लॉंक 'डी' न्यू मुलतान नगर, रोहतक रोड, दिल्ली

> विमल विशिष्ट सक्षम अधिकारी सहास्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज् 2, नई दिल्ली-110002

तारीस<sup>=</sup>: 14-12-1981

मेहर

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

मायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयुक्त आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्थन रंज 2, नृष्ट विल्ली नृष्ट दिल्ली, दिन्ति 14 विसम्बर 1981

निर्वोश सं. आई ए. सी./एक्यू./2/एस्-आर-1/4-81/7804—-अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/—रः. से अधिक हैं और जिसकी संख्या 3/36, हैं तथा जो रमेश नगर, नई विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निस्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक

रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बुचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

कतः अब, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग कें अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमृती उमीला कपुर 37/19, इस्ट पृट'ल नगर,। नई दिल्ली

(अन्सरक)

 श्रीमृती उषा भाटीया, 3/36, रमेश नगर; नृष्टें दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पृत्ति के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्चना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृश्कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त ज़ब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अमलची

3/36, रमेश नगर, नई विल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रंज 2, नर्ह दिल्ली-110002

तारौब : 14-12-1981

# प्रकप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय् सहायक आयुक्त अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 2, नहीं दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बुर 1981

निर्दोश सं. आई ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/4-81/4472—-अत्: मुभ्ते, विमल विशिष्ट,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशम करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- हा से अधिक है

और जिसकी संख्या 54, है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाक्षद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, तारीख अप्रैल-1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकल के लिए अम्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्व स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिगत से घष्टिक है भीर अन्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किया नहीं किया गया है।—

- (क) नृत्तरण वे हुइ किसी नाय की बाब्द, बक्त म्मिनियम के मधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते ब्ल्ने में सुविधा के तिए; अदि/वा
- (ब) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गुवा था या किया जाना चाहिए था कियाने जें सुविधा के जिए;

ब्तः ब्ब्, उक्त अधिनियम की भारा 269-गं के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घं की उपधारा (1) के श्भीन निम्न्तिबित व्यक्तियों अर्थात् हे—  श्री वंद प्रकाश सचवंवा, सुपृत्र दिवान चन्च सुचदंवा, निवासी-54, रोंड नं. 42, पंजाबी बाग, नर्द्र दिल्ली

(अन्तरक)

शी अजीत सिंह सुपुत्र जगत सिंह निवासी-मकान नं. 12, रोड नं 42, पंजाबी बाग, नई विल्ली (अन्तरिती)

करे यह स्थाना आर् करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# बनत् स्थ्यत्ति भी नर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा धं 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (्व) इस स्वा में राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बृद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या हुँ।

## असम ची

मुकान नं . 54, पंजाबी बाग, नर्ष दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम अभिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज् 2, नर्ष दिल्ली-110002

तारीख . 9-12-81 मा**हर**ः प्ररूप बाई टें• एम० प्रा•---

# आयकर **अधिनियम, 1961 (1961 सा 43) की धारा** 2<del>89-प</del> (1) के प्रधीन पूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1981

निद<sup>क</sup>श सं. आई ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/4-81/7728—अत: मुफ्ते, विमल विशिष्ट,

ब्रायकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पमवात् 'अक्त बाधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ब्रधिक है

और जिसकी संख्या के-1/2, है तथा जो मोडल टाउन, विल्ली में स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीह अप्रैल-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज़क्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री नथु राम वाधवा सुपुत्र देवी दास, निवासी 1866, मलका गंज, एस/मंडी, दिल्ली (अन्सरक)
- 2. श्री तोज राम बंसल सुपुत्र लालजी मल नियासी-के-। 2, माडल टाउन, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारां अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उसत अधिनियम्, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रां. नं. के-1/2, मोडल टाउन, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोजु 2, नहीं दिल्ली-110002

मत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीच : 30-11-1981

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) को धारा 269-म (1) के ग्रंभीन सुमना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, नुई विल्ली

नई दिल्ली, विनांक 9 विसम्बर 1981

निर्दोश सं. आई ए. सी./एक्यू -2/एस-आर-2/4-81/7818—अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट,

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याज्ञर मुख्य 25,000/- न्यों से श्रिधिक है

और जिसकी संख्या एफ 8 है तथा जो राजोरी गार्डोंन, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल- 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐस अप्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है!—

- (क) अस्तरण में दुई किमी आय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें ब्रबने में मुविधा के लिए; ग्रौर/था
  - (ब) ऐसी किसी प्राय या जिस्सी धन या अस्य भास्तियों को, जिन्हें मारतीय ग्रायकर ग्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धनकर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- श्रीमती लीला वन्ती पत्नी अमर सिंह निवासी
   ए-165, गुजरनवाला कालोनी, नर्ह दिल्ली
   (अन्तरक)
- श्रीमती विद्या काँर पत्नी गुरचरन सिंह एफ-8, राजोरी गार्डन, नर्ड दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स स्म्मिस को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🎨 --

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब छ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी • अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अमृत्**ची

मकान नं : एफ-८, राजोरी गाडोंन, नर्ह दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नहीं विल्ली-110002

तारीख : 9-12-1981

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

बाय्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-म (1) के बधीन सचना

#### धारत सरकार

कार्यालय सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 14 दिसम्बर 1981 -

निर्देश स आई ए सी  $\sqrt{v}$ क्यू -2/vस-आर-1/4-81/7717—अत सुभ्ते, विमल विशिष्ट,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संप्रित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सस्या एम-56/ए, है तथा जो किती नगर, बसई दारापुर, में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल-1981

को पूर्धिकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में बास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है.——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय ें की बाबत, उक्त ध्रिधिनयम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर्या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्सरिती दारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भत: भव, उक्त मधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— 1 श्रीमती शान्ती देवी पत्नी कुन्दन लाल, निवासी-एल 67, किती नग्र, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2 श्रीमती करमीत कौर घर्ड, पत्नी मसन सिंह घर्ड, एण्ड अदर्स, नियासी-जी-53, किती नगर, नर्ड दिल्ली

(जन्तरितौ)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वाक्त</u> सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-अव्ध किसी अस्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा स्कॉर्ग।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# जन्सूची

प्लाट नं 56/ए, किसी नगर, नर्द्र विल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 2, नई विल्ली-110002

ता्रीच 14-12-1981

प्ररूप आहर्. टी. एन्. एस . -----

आयुक्त अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) की सुधीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्याल्य, सहायक बायकर बायक्त (निर्देशका)

अर्जन रंज-।, नहाँ दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी. /एक्यू । /एस-आर-1/4-81/ 164---अतः मुक्ते, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचितः बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था 7 है तथा जो फिराज गांधी राड, लाजपत नगर, में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित , बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रिक्षा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती परम कमते, निवासी-2-बी, हिरा महल,
   44 अमृतसर, गील मार्ग, नर्द दिल्ली
   (अन्तरक)
- श्री देवी दास अग्रवाल सुपुत्र बंक्येय लाल अग्रवाल और श्रीमती शान्ती अग्रवाल पत्नी श्री देवी दास अग्रवाल नं । 7, फिरांज गांधी मार्ग, लाजपत नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रो. नं. ७, फिराज गांधी राड, लाजपुत नगर, न**ई दिल्ली** क्षेत्रफल-७९१. १, वर्ग गज।

> आर. बी. एल, अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज्-।, नर्झ दिल्ली

तारौस : 17-12-81 मोहर : प्ररूप आर्द्द . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

नक् दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1981.

निर्दोश सं. आर्ड. ए. मी./एक्यू-1/एस-आर-3/4-81/23—अतः मुक्ते, आर. बी. एलं अग्रवाल, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्दात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर म्रम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हो अभेर जिसकी संख्या एस-474 हो तथा जो ग्रेटर कौलाश-2, नर्ष विल्ली में स्थित हो (और इसमें उपाइद्ध में पूर्व रूप में वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल-1981 को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हो और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार

मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्युक्तियों. अर्थातः :--

- श्री राम किशन हुन्छा मकान नं 2640, लम्बी गृली बस्ती पंजाबीयन, एस/मंडी, दिल्ली (अन्तरक)
- 2 श्री इन्द्रजीत सिंह, निवासी एम-103, ग्रेटर कौलाश-।, नर्ह दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

· उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यांथ्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जनस ची

निवासीय प्लाट नं . एस-474 , ग्रेटर कौलाश-2 , नर्झ दिल्ली एरीया-550 वर्ग गज।

आग. बी. एल, अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-।, नई दिल्ली

तारीच : 17-12-81

प्र∗प आहो. टॉ. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्तं (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली - नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निवोध सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/4-81/ 24—अतः मुर्के, आर. बी. एल. अरवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस-375 है तथा जो ग्रैटर कौलाश-2, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, उधीन, तारीस अभैल-1981

को पूर्वीक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्ज प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विया जाना चाहिए था, छिपाने में मृजिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन किम्मिलिसत व्यक्तियों अर्थात् हिन्। 3—436GI/81

- क रन . अयदयाय सिंह सुपुत्र श्री मोहर सिंह, निवासी ग्राम-भदायस, रोबाड़ी, (जिला-महोन्द्रगृढ़)
- (अन्तरक)
   2. मी. एस. वि, इन्डस्ट्रीज, प्रोप. श्री पथन कामार सिंघानिया सूपुत्र स्वागीय श्री आर. एल, सिंघानिया 6/7, शान्ति निकेतन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पत्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं एस-375, ग्रेटर कौलाश-2, रहें दिल्ली।

आर. बी. एल, अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली

तारीब : 17-12-81

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन सूचना

## भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।, नर्इ दिल्ली

नर्ष विल्ली, विनांक 17 दिसम्बर 1981

निवोश सं. आर्ष: ए सी./एक्यू./।/एस-आर-3/4-81/ 35—-अतः म्भे, आर. बी. एल. अग्रवाल,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस-547 है तथा जो ग्रेटर की नाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीक एण अधिनीयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अभील-1981

को पूर्वीकत संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीभ कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिछ; और्ऽया
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा में सिष्ण;

भतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भुधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- श्री राणा श्रताप कर्ता (एच-यु-एफ) सुपृत्र स्वागींय श्री करम चन्द जेनरल मैनेजर, मैं. उषा किरन ब्लेक (वायर राष) लिं. टेलीमीवाली राची, जिहार (अन्तरक)
- मैं. भाटीया प्रो. प्रा. िल. व्यारा डाइरेक्टर श्री एन के. भाटीया सृपुत्र श्री बी. आर. भाटीया डब्ल्यू-41, ग्रेटर कैलाश-।, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पछ्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ज़क्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>8</sup>।

# मन्स्ची

वंकोन्ट प्लाट नं. एस-347, क्षेत्र 296 वर्ग गज, ग्रेटर कौलाश--।।, न**र्ह वि**ल्ली।

> आर. बी. एल, अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली

ग़रीख . 17-12-81 मोहर ⊔ प्रकप भाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, न**र्इ दि**ल्ली न**र्इ दिल्ली, दिना**क 17 दिसम्बर 1981

निविश स. आर्ड ए सी. /एक्यू. /। /एस-आर-3/4-81/39--अत मुफे, आर. बी. एल. अग्रवाल, अग्रवाल, आग्रवाल, अग्रवाल, अग्य

और जिसकी संख्या एस-384 है तथा जो ग्रंटर कौलाश-2, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीक ता अधिकारी के कार्यालय, रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अल्लिरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिशित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: शब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उचभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः.--

1 लॅ. करन. कनवालजीत सिंह (रिटायर) डी-360 डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री हनुमान प्रसाद गुप्ता श्रीमती विमला.गुप्ता ई-54, एन. डी. एस. ई. भाग-।, न्हें दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क). इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी. के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

प्रो. नं. एस-384, भ्रेंटर कौलाश-2, नई विस्सी।

आर. बी. एल, अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन राज-।, नर्झ दिल्ली

तारीब 17-12-81 मोहर ःः प्ररूप आई. टी. एन. एस.------आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नर्झ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निदंश म. आई. ए. गी. /एक्यू./।/एम-आर-3/4-81/47—अह. मुफे, आर. बी एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी संस्था 82, ब्लोक-17 हैं तथा जो सुन्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्ली म. रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्फें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तिवक रूप के कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबतं, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या कि.सी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे सविधा के लिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अधीतः--

- श्री तिलक राज कपूर और अन्य, मैं, क्रांहिनूर केमिकल बिल्डिंग, रनाडे रोड, दादर, बम्बई। (अन्तरक)
- ए. वि. एम. चमन लाल महिता, निवासी-जी-7, आनन्द निकेतन,, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी - व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसुची

प्रो. नं. 82, ब्लीक नं. 171, सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

आर. बी. एल, अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नर्डो दिल्ली

तारील : 17-12-1981

# प्ररूप धाई • ही • एन • एस • -

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग्रं(1) के ग्रधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन्रेज-।, नई दिल्ली

नह दिल्ली, दिनाक 17 दिसम्बर 1981

निर्दोक्ष स आर्ड. ए सी./एक्यू,-।/एस-आर-1/4-81/ 50---अतः मुभी, आर ती. एल. अग्रवाल,

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० संप्रधिक है

और जिसकी सम्या एस-192 है तथा जो ग्रंटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली म रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर, तारील अप्रैल-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के नृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उक्ति बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पग्दह प्रतिश्वत से अधिक है मोर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अंतरितियों) से बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए। धौर/बा
- (@) ऐसी किसी आय या किसी धन या धाय धास्त्रियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिक्षिमम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती, द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, जियाने में शुविधा के सिए;

श्रताः भव जनत भविनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— । में डिलाइट बिल्डिंग, ए-2/140, सफदरजंग इनकलेय, नर्इ दिल्ली।

(अन्तरक)

 2. श्री तरलोचन सिंह मैनी, एस-268, पचिशला पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तुरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त खब्दों श्लीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20 - क में परिभावित हैं, वहीं अर्थं होगा, जो उन्ह्राय में दिया गया है।

## अनसभी

मकान न . एस-192, ग्रेटर कौलाग-2, नर्द दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नर्ह दिल्ली-110002

तारीस । 7-12-1981 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-खु (1) के अधीन सूचना

भारत स्रकार

. कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 17 विसम्बर 1981

निर्देश सं. आई. एं. सी./एक्यू.-।/एस-आर-1/4-81/52—अतः मुफ्ते, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. एस-559 है, तथा जो ग्रेटर कौलाश-2, नई विल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजरीट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीस अप्रैल-1981 को पूर्वा वित सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा वित सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में वास्तिक कम से किंग्त नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आहर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---  डा. श्रीमती कांशिल्या प्रभाकर और अन्य, निवासी-1/16, सर्व प्रिया विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 मृं. सूरज लैम्प एण्ड इन्डस्ट्रीज, (प्रा.) लि. 402, आकाश दीप ब्रिल्डिंग, बाराखम्बा रोड, नर्ष दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं

# अनुसूची

बंकोन्ट प्लाट नं. एस-559, ग्रेटर कौलाश-2, नई विल्ली क्षेत्र 1151-6/10 वर्ग गज।

आरंबी. एल. अग्रघाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंजु-।, नर्इं पिल्ली

तारीच . 17-12-81 मोहर : प्ररूप आई. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 17 दिसम्बर 1981

नियोग स. आई. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/4-81/59—अतः मुक्ते, आर. बी. एल अग्रवाल,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स वी अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था एम-7 है तथा जो ग्रेटर कौलाश-1, नहीं विल्ली में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अग्रैल-1981

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निचित उद्देष्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिण्य क्य में कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विध-मियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर/या-
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अन्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:— शी धरम् घन्द वि. पी. तलवार संवा ट्रस्ट, द्वारा मेनेजीग ट्रस्टी वि. पी. तलवार सुपृत्र श्री डी.सी. तलवार निवासी-एन-10., साउथ एक्स भाग-।, रई दिल्ली

(अन्तरक)

श्री तिलोक चन्द सुराना सूप्रत्न श्री मेलु राम, निवासी-इ-280, ग्रेटर कौलाश-।, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अव्य क्यिक्त व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# धनसूत्री

मकान नं एम-7, ग्रंटर कौलाश-1, न**र्ड** दिल्ली 195 वर्ग गज।

> आर. बी. एल, अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली

तारीब : 17-12-81

मोहर 🛭

# प्रस्थ बार्ड ्टी एन एस . -----

**बाय्और बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज ।, नई दिल्ली

नर्क विल्ली, दिनाक 17 विसम्बर 1981

निवोद्यः सः आर्धः एं सी /एक्यू /।/एस-आर-3/4-81/ 61--अत मुभ्ने, आर बी एल अग्रवाल,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति, जिसका उन्चित बाजार मृख्य 25,000 रु., से अधिक है

और जिमकी सस्या एस-458 है तथा जो ग्रेंटर कैलाश-1, नई दिल्ली म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल-1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित वाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम; 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिट्रिक्त व्यक्तियाँ जूर्णाहः—

- । भी सरजीत सिंह सुपुत्र स्वर्गीय श्री कपूर सिंह नियासी-370 सेक्टर-7, आर के पुरम नर्ड दिल्ली ' (अन्तरक)
- 2 श्री अरुण मितल सुपुत्र वि बी मितल, निवासी-ए-3, ग्रेटर कैलाभ इन्कलेव-1, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूवाक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरुवा हुने॥

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पर्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में विया गया है।

#### अनसची

प्लाट न 458, ब्लौक एम, क्षेत्रफल 208 वर्ग गज, ग्रेटर कौलाश-1, नई दिल्ली।

> आर वी एल, अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, नई दिल्ली

तारील 17-12-81 मोहर प्रकृप भाई • टी • एन • एस • ----

प्रायंकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के ग्रंभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रंज-।, नई दिल्ली

नहीं दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निद्देश सं. आई. ए. सी. /एक्यू. / । /एस-आर-3/4-81/63—अतः मुक्ते, आर. बी. एल. अग्रवाल, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से प्राधिक है

और जिसकी संख्या ई-293 है तथा जो ग्रेटर कौलाश-2, नई विल्ली में स्थित है (और इसिसे उपाब्द्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक अग्रैल-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विदेशास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) सन्तरण से हुई किसी साथ की बाबस, क्षम्ल स्रिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने था अससे बचने में सुविधा के लिए; सीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या घरण घास्तकों को जिन्हें भारतीय भाय-कर घष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर घष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया या या किया जाना चाहिए या, जिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अतः प्रका अधितियम की धारा 269-म के अन्मरण में, में, उक्त अधितियम की धारा 269-म की खपधारा (1) भणीन निव्यतिवित्र व्यक्तियों, अर्थातः—— 14—436Gli81  श्री होमन्त विरमानी सुपुत्र एस. एल. विरमानी (स्वर्गीय) निवासी-ई-293, ग्रेटर कौलाक-2, नई विल्ली

(अन्तरक)

 श्रीमती उषा चोपड़ा पत्नी आई. आर. घोपड़ा रानी घोपड़ा पत्नी आर. के. घोपड़ा श्रीमती प्रीया घोपड़ा पत्नी श्री एस. के. चोपड़ा निवासी-इ-551, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

की यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूजना की नामीन ये 30 दिन की प्रविधि, जो भी
  मविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से सिसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख ने 45 त्रिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पस लिखित में किए जासकेंगे।

हपड्टीकरण !—-इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो चक्त घडि-नियम, के अध्याय 20क में परिभावित है, वही अधंहोगा, जी उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं. 293, ब्लौक - ई, क्षेत्रफल-249 वर्ग गज, ग्रेटर कौलाश^1, नई दिल्ली।

> आर. बी. एल, अग्रवाल सक्ष्म प्राधिकारी सहादक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, नई दिल्ली

तारीब : 17-12-81

प्ररूप आर्इ. टी एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंड-।, नई दिल्ली

नह दिल्ली, दिनांक 17 विसम्बर 1981

निद्देश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/4-81/ 67--अतः म्भे, आर. बी. एल. अग्रनाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य ∠5.000 /- रठ. से अधिक ह<sup>8</sup> और जिसकी संख्या 41 है तथा जो रिंग रोड, लाजपत नगर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध उन्सुची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालण, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैस-1981 को पूर्वेक्ति संपरित के उमित नाजार मन्य से काम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते रह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का ण्न्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्युद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हर्ड किमी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, जक्त अधिनियमः की भारा २६०-गः के रज्यरणः में, में, जक्त अधिनियम की भारा २६०-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अधीतः :—

- 1. डा. इन्दु भूषण सुपुत्र डा. कर्लभूषण निरासी-जी-28, लाजपत नगर-।।।, नहीदिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री सूरज प्रकाश सुपुत्र श्री भानन सिंह एण्डे अदर्श, निजासी-41-रिंग रोड, लाजपत नगर-।।।, नहीं दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## ननुसूची

1/4 अविभाजीत हिस्से प्रो. नं. 41 रिंग रोड 4 लाजपत नगर-।।।, नक्षे दिल्ली।

> आर. भी. एल, अग्रवाल सक्षम ाधिकारी सहायक आयब्द आपूक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नर्द दिल्ली

तारीख: 17-12-81

प्रकाप आइ० टो० एन० एस०-----

भारकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ब्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नक्ष दिल्ली

नर्क दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निवंश सं. आई. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/4-81/90—-अत: मुफ्ते, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके एक्वात् 'उकत प्रधितियम' हहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हा करनावर सम्यास, जिसका डीवन बाजार मूल्य 25,000/- ५० से प्रधिक है

और जिल्की सं. एफ-31 से 41 है सथा जो कनाट प्लेस, नई दिल्ली के स्थित है (आर इससे उपा॰ द्ध अनुसूची में पूर्व से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्सा अधिकारी के काटालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अर्थल-1981

को पूर्णक सम्माल क उचित अजार पूरु से कम क दूरमान प्रतिकत क लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि स्वापूर्वकित नम्मान का उपन माजार पूरुय, उसके दूरमान रिकार एए, दूरमान स्विक ना र-उद्देशात में नाम कह है मौर अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीव एसे अन्तरम के निए तम पापा गया प्रवक्त निम्नितिबंद सहस्य में स्वत अन्तरम लिबित में बास्तावक कम स कियत नहीं किया गया। है:---

- (व) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उसम बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी आर या किसी धन य प्रस्य प्रास्तियों को, निन्ते नारतीय गायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उका प्रधितियम या धनकर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ गत्तियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

श्रातः, अब, उक्त ग्रीभिनिय की घारा 269-ग के अन्मरण में में उक्त ग्रीधितियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः---

- श्री उगवीश प्रसाद अग्रवाल कर्ता अगदीश प्रसाद एख-यु-एफ, 26, एशीया नगर, मथुरा रोड दिल्ली (श्राम्बरक)
- 2. भी. कम्पटीट बिल्डर्स, जन्तर मन्तर रोड, नइ दिल्ली

(अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्द्यारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी श्वक्तियो पर सूचना की नापी। में 30 दिन को ग्रविध जो भी ग्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस प्चना के राजपत में प्रकाणन की नारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रजीहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्तेंगे।

एन्डरो-रम ---डसचे प्रमुक्त शब्दा धीर पदों का, जो उक्त प्रधितियम, कंप्रध्याय 20-क वे सरनाथित है, बड़ो प्रस्त होगा, तो उन प्रख्यास में विश नया है।

## बन्सूची

6 हिस्से प्रो. नं. एक-31 से 41, कर्नाट प्लेस, नई विल्ली।

आर. बी. एल, अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली

तारीख: 17-12-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

क्षायक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निदोक्त सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/4-81/ 97-- अत: मुभ्ने, आर. बी. एल. अग्रवाल, मायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यष्ट विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है और जिसकी संख्या 90, ब्लीक-ए-1 ही तथा जो सफदरजंग रोसी-र्डोस स्फीस, नर्डा विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित ही), रिज्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिल्ली मे रिजस्ट्रीकरण अधिनीम्म, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारी अप्रैल-1981 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक **है** और अन्तरक (अन्तर**कों) और अन्तरिती** 'अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :~-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के वास्तित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः

- श्री कस्तुरी लाल चढ़ा सूपूत्र श्री गोपाल दास चढ़ा, निवासी-2442, 10 दिखनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली वर्तमान पता: 66/879, कुतूब रोड, दिल्ली। (अन्तरक)
- श्रीमती पदमा महन्त पत्नी सी. डी. महन्त, ए-13, कीलाश कालोनी, नहीं दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त कान्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

प्लाट नं. 90, ब्लीक नं. ए-1, सफदरजंग इविलयमेंट रोसीड सीयस स्कीम, नई दिल्ली क्षेत्र 298 वर्ग गज।

> आर. बी. एल, अग्रवाल सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली

सारीच : 17-12-81

मोहरः

शक्प प्राई॰ टी० एन० एस०<del>--</del>

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज ।, नर्ह दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 17 विसम्बर 1981

न्दिक्त सं. आर्घः ए. सी./एक्यूः/।/एस-आर-3/4-81/ 108---अतः मुभे, आर. बी. एल. अग्रशल,

धायकर प्राधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाबार मृख्य 25,000/ इपय से प्रधिक है

और जिस्की संख्या बी 10, है तथा जो कालीन्वी कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अर्थल-1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम से कम हश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है कीर मुझे यह विश्वास क ने की कारण है कि ग्याकृतिन पंतित का उचित बाजार मूल्य उमके दृष्यमान प्रतिकत थ. ऐसे दृष्यमान प्रतिकत के अन्तरित भित्राल से अधिक है धीर अन्तरित (अन्तरिकों) भीर अन्तरिता (अन्तरितायों) के बीच एस प्रतर्ण के लिए तय श्राप एश अतिकल, निम्नलिखन उर्षण से उवत भ्रात्रण लिखित में बास्त-विक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) घम्नरण में हुई किमी धाय की बाबत उक्त धिन नियम के घभीन कर देने के धन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; सौर/या
- (का) ऐसी किमी भाष या किसी अन या अस्य भास्तियों की. जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजाय कन्नियों बार प्रकट नहीं किया गाया माकिया जाना चाहिए था कि में में भूकिस के लिए।

अतः अब, उक्त पांजितयम की धारा 269-ग के अनुसरण चैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

- मैं. आर. सी. सूद एण्ड कं. प्रा. लि. इरोज सिनेमा बिल्डोग, जंगपुरा एक्स. नई दिल्ली डाई-रॉक्टर श्री एस. के. सूद।
- श्रीमती राज कुमारी जैन बी-2/62, संफवरजंग इनक्लेय, नह दिल्ली।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति हे प्रार्थन के संबंध में कोई भी भाक्षाप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की नाभीत मे 30 दिन की अविध जो भी धविक्ष बाद में समाप्त होती हो, के सीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति अर्था;
- (सा) इस ब्वन के राजपन में प्रकाणन की तारीय स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबाद किसी पन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रजाहस्ताक्षरी ८ एवं निध्यत ए किए ज सकेंग

स्पक्की करण : -- इसमे जयुक्त शब्दों भीर पदीं का, को उक्त प्रिवियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्च होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

16 वां हिस्से प्लाट नं बी-10, क्षेत्र 886 113/144 वर्ग गज, कटगरी-2, ग्रूप-ए, कालीन्दी कालोनी, नर्ह दिल्ली।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुग्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, नर्झ विल्ली-110002

तारीब : 17-12-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज ।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निदाँकः सं. आर्दः ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/4-81/ 109--अतः मुक्ते, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमे पक्षात् उक्त आयोग्यम् कहा गया हो, की धारा

269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उनित बाजार मृत्य 25,000/-रु. स अधिक है

और जिसकी संख्या बी-10, है तथा जो कालीन्दी कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाब्द्ध उनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), राजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कायालय, दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल-1981

को पृश्वत सम्परित के उचित बाजार मूल्य के कम के ध्रयमान प्रतिक के लिए अन्तरित को गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से, एसे द्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह शंत्कत से आध है आर अन्तर के (अतरका) आर अतरिती (अन्तरितिता) के बाच एस अन्तरण हे लिए त्य पाया गया प्रतिकल का निम्नोलिखत उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखत म बास्तिवक कप स कि थत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम क अधीन कर दन क अन्तरक के दायित्व म कमी करन या उसस अचन में सुविधा कालए, आर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त सिधी यम की धारा 269-ग को अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को सधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत्:--

- 1. मैं. आर. सी. सुव एण्ड क. प्रा. लि. इरोज सिनेमा बिल्डोग, जंगपुरा एक्स. नई विल्ली (अन्तरक)
- श्रीमती यिना चोपड़ा 36-होम कन्त,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उत्रत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हागा जा उस अध्याय मा दिया गया है।

# वन्सूची

1/16 वां हिस्से प्लाट नं बी-10, कटोगरी-11, भूप-ए, क्षेत्र 886 113/144, कालीन्दी कालोनी, नहाँ विल्ली।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज ।, नहीं दिल्ली-110002

तारीख: 17-12-1981

मोहार 🗄

बरूप आइ० टी० एन० एम०-----

ध्रायत्रर ⊭ाधनियम 1961 (1961का 43) की धारा 269-च (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्थन रेंज ।, नहीं दिल्ली नहीं दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निदाँदा सं. आई. ए. सी. /एक्यू. /। /एस-आर-3/4-81/110---अतः मुफे, आर. बी. एल. अप्रवाल, अतिहर अविनियम, १००० (१५०० का ६३) (जिमे इममें असके पश्चात 'उना अधिनेत्रम' प्रदा गया है), को आरा 269-ख के अधीन प्रथम प्राप्तिकारी भी, यह विश्वास करने का रारण है कि स्थावर प्रस्पत्ति, जिपका उचित्र बाजार वन्य 2500% करके से विषय है और जिसकी संख्या बी-10, है तथा जो कालीन्दी कालोनी, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल-1981

को पूर्वीकत स गंस वे उचित्र बाजार मृत्य से कम के दिण्यमान प्रतिस्त्र के लिए अन्तरित को गई है भीर मुझं यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत पश्पित का सचित बाजार मृत्य, उसके दिण्यमान प्रतिष्क्ष से, ऐसे दृण्यमान प्रतिष्क्ष से, ऐसे दृण्यमान प्रतिष्क है और प्रत्यक्ष (प्रन्तरका। और पन्तरिता (अन्तरितया) के बीच नेसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिक्ष निम्निस्थित उद्देश्य में उक्त पश्चरण लिखित में वास्तिबक रूप से किया नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बबने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों की, 'जम्ह भारतीय अध्यक्तर ग्रीधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: भ्रम, उमा प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रम्-सरण म, में, उमा प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों; ग्रायौत —

- मैं आर. सी. सुद एण्ड कं.प्रा. लि. इरोज सीनेमा बिल्डींग, अंग्पुरा एक्स. नई दिल्ली। (अन्तक)
- श्री सुनिल धवन, बी-1/219, लाजपत नगर, नई विल्ली। (अन्तरिती)

को यह मूचन बारी करक पूर्वोकन सम्पत्ति के **धर्व**ं के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इन म्बना के राजाका प्रशासन की गारीख थे 45 दिन दी धर्माप्र या तत्मरबस्धी स्पक्तियो । इ मूचना की तामील में 30 दिन की प्रविधि, जो भां ध्वविध बाद में रसाप्त यांगे थे, के भीत पूर्वोकर क्यक्तियों में से कियों क्यक्ति दारी,
- (ख) इस मूचना के राज्यात में प्रकाणन की नारीख सें
  45 दिन के भीतर हक्त स्थावर नम्पति हितज्ञ द्व किसी प्रस्य स्थावन तरा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पादशीकरण '--इसमें प्रयुक्ता अवती प्रौर पदा का को उसत प्राणितिया, माध्याय 20-क में परिभाषित है, दान याँ का, भारत संभाग में दिया स्था दे

## अमुस्ची

16 वां हिस्से प्लोट नं. 1-बी-10, कटोगरी-2, ग्रुप-ए, क्षेत्रफल-886.113/144 वर्ग गज, कालीन्दी कालोनी, नर्हे दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रोज ।, नई दिल्ली-110002

तारीख: 17-12-1981

प्ररूप आई . टी . एन एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज ।, नहीं दिल्ली नहीं दिल्ली, दिनांक 17 विसम्बर 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. /एक्यू. /। /एस-आर-3/4-81/119—अतः मुफे, आर. बी. एल. अग्रवाल, आय् कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (असे इ.में इसके विष्यात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मृख्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिस्की संख्या सी-172, है हथा जो ग्रेटर कौलाक-।, में स्थित हैं (और इससे उपावद्य अनुसूची में पर्व रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अभैल-1981

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब . उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——  श्रीमती शिव देवी विश्ववा पत्नी शिव चरण दास.
 एण्ड श्रदर्स, निवासी-सी-172, ग्रेटर कौलाश/1, नर्ड दिल्ली।

(अन्तरक)

2. करन कनवालजीत सिंह सुपुत्र एस हरबंस सिंह निवासी-डी-360, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिन्दित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है !

# क्म्स्ची

प्रॉ. नॅ. सी-172, (क्षेत्रफल-338 वर्ग गर्ज) ग्रेटंर कौलाश-। नई दिल्ली।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सहारक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) कर्जन रंज ।, नर्ह दिल्ली-110002

तारीख : 17-12-1981

मोहर 🥫

प्ररूप आहूँ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंजा।, नर्दादल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निवाँ शं सं . आईं. ए. सी . /एक्यू . / । /एस-आर-3/4-81/123—अतः मुफ्ते, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी संख्या एम 51, हैं तथा जो विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रजिन्स्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

अर्पल-1981 को पूर्वों क्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अधः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निक्निलिस्त व्यक्तियों अर्थात्:——  श्री रोला राम भंडारी, ग्राम-और पांस्ट-क्लानौर डा. गुरुवासप्र।

(अन्तरक)

 मैं शाहपुरी इस्टंट्स (प्रा.) लि. 5/70, डब्ल्यू-इ-ए-कारोल बाग, नर्ड दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो की, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

एम-51, (सोप प्लॉंट) ग्रेटर कौलाश-2, नई दिल्ली (194 वर्ग गर्ज)।

आर. भी. एल. अग्रवाल समक्ष अधिकारी सहाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रंज ।, नर्झ दिल्ली-110002

तारीच : 17-12-1981

## प्रकप आई• टी• एन• एस•---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के ग्रंधीन सूचना भारतसरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज ।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निवाध सं. आर्घ. ए. सी. /एक्यू. /। /एस-आर-3/4-81/ 135—अतः मुभे, आर. बी. एस. अग्रवास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस/284, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल-1981

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्नास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उश्वित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से किवन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीध-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्रविधा के लिए;

भतः सन, उक्त सधिमियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं उक्त सिधनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---  श्री एस. सी. माहनी, निवासी 284, ग्रेटफ कौलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री एस स्रुरजीत सिंह सेठी, द्वारा में दरवेश इन्ड-स्ट्रीज 865, क्वीनस रोड, विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख ने 45 विन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति भ्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भाधि-तियम के श्रष्टवाय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

## **मन्**स्ची

प्रो. नं. एस-284, ग्रेटर कौलाश-2 नई दिल्ली।

आर बी एल अग्रवाल् समक्ष अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज ।, नर्झ दिल्ली-110002

तारीब : 17-12-1981

प्ररूप आई. दी. एन.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज्।, नई दिल्ली

नक् विल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निर्दोश सं. आर्घ. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/4-81/ 136--अतः मुक्ते, आर. बी. एल. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सस्या एम-2, है तथा जो ग्रेटर कैलाइ-2, में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिज-ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस अप्रैल-1981

को पूर्वीक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशह से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूजिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

 मै. ओल्ड विलोज इन्डस्ट्रीज लि., 16-ए, नरायणा इनस्ट्रीयल एरीया, फेस-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मनजीत सिंह, निवासी-एम-103 ग्रेटर कैलाश-।, नर्श विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।.

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

सोप-कम-निवास प्लौट नं. एम-2, क्षेत्रफल-195, वर्ग गज, ग्रेटर कौलाश-2, नर्श दिल्ली।

> आर. बी. एल्. अग्रवास समक्ष अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज ।, नई विल्ली 110002

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् —

तारीब : 17-12-1981

मोहर 🛭

प्रारूप आद्रा.टी. एम. एस. -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जेड ।, नक्षे दिल्ली

नइ दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निद<sup>्</sup>श सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/4-81/144—अतः मुक्ते, आर. बी. एल. अग्रवाल,

आण्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संगा 4-बी/ब्लीक-इ, है तथा जो होजसाम इनक-लेय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्त्री में पूर्व रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस अप्रैल-1981

का 16) के अभीन तारीस अप्रैल-1981 को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिटफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रिटफल से, एसे दृश्यमान प्रितफल का पन्द्रश्च प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचन में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सीवधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण णें, सं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नेलिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् ——  डा. श्रीमती वेधन्दर पाल पत्नी एस. डी. एस. पाल निवासी-जे/295, मालविय नगर, एक्स. नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुहार्यक्ती पत्नी उस. जीवन्द सिंह नित्राभी डी/।।, एन. डी. एस. ई. भाग-2. नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त-व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह स्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, ओ 'उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

प्रो. नं. 4-बी/ब्लौंक 'इ' क्षेत्रफल-125.55 वर्गगज, होज-खास-इनकलेव, नर्इ दिल्ली।

> आर. बी. एल. अप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज ।, नर्ह दिल्ली-110002

तारीख: 17-12-1981

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीन सुभना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ये 25,000/रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या इ/581 है तथा ओ ग्रेटर कैलाश-2, स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ध्रनसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक भन्नैल, 1981

को पूर्वेक्ति सपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करमं का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

जत: अब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसिस व्यक्तियो, अधीस :--

- श्री रमेश चन्द चोपड़ा एण्ड झदर्स सुपुत श्री मुन्सी राम चोपड़ा सी०/श्रो० चोपड़ा मशीनरी स्टोर, रेलवे रोड, लखीमपुरी खेरी (यू० पी०)। (श्रन्सरक)
  - 2. मैं ० शाहपुरी इनवैस्टमेंट प्रा० लि० 5/70 डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जस्त सम्पत्ति के वर्जन, के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपुः --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानितयों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूर्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर खब्ब स्थायर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुस्ची

प्रो० नं० इ०/581, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

भ्रार० बी० एल० प्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई विल्ली-11002

तारी**ख** 17-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

ं निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस श्रार-3/4-81/ 152--श्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्नवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सख्या एस०-316 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख श्रप्रैल, 1981

को पूर्थीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक लिए तिय पाया गया प्रतिक्षक का निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निम्निलिखत उद्वेषय से उक्त अन्तरण निम्निलिखत उद्वेषय से उक्त अन्तरण निम्निलिखत नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती हरजीत कौर पत्नी एस० उपकार सिंह श्रौर श्रमरजीत सिंह सुपुत्र एस० उपकार सिंह, निवासी सी०-453; डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती शान्ती देवी भाटिया परनी श्री टी० श्रार० भाटिया श्रौर श्रदर्स, निवासी-4-मैंन सन्त रिजन्दर नगर, सिविल लाइन्स मुरादाधाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूचीं :

मकान नं० एस०-316, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल, समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीखा: 17-12-1981

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 17 दिसम्बर 1981

सं० फ्राई० ए० सी० /एक्यू/1/एस०फ्रार०-3/4-81/158— भ्रतः मुझे, भ्रार० बी० एल० भ्रग्नवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या बी-27 है तथा जो कैलाश कालोनी, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल, 1981

को पृयों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती जोगिन्दर कौर दुकर, बी-27, कैलाग कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. रैंशीयन्स ग्रपार्टमेंट (प्रा०) लि०, ए-69, नई फेंडस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेपु:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो 'उन्त्र अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुवा हुँ।

# अनुसूची

प्रो० म्युनिसिपल नं० बी-27, कैलाश कालोनी, नई विस्ली।

> ग्रार्० बी० बी० श्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली।

तारीख: 17-12-1981

मोहर ;

प्ररूप आध⁴. टी. एन∨ एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू/2/एस श्रार-1/4-81/7670—-श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थनवर मंपित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है।

ग्रौर जिसकी संख्या जी-24/4 है, तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख ग्रिप्रेस, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिब्क का से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1-1) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स श्री डी० श्रार० भाटिया, पी० पी० भाटिया, एच० सी० भाटिया, सुपुत्र श्री हरी कृशन भाटिया, श्रीमती शान्ती देवी सुपुत्री हरि कृशन भाटिया, ए-2/20, मोती नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्सरक)

2. श्री हरीश चन्दर सुपुत्र मोती राम, इ-35, कीति नगर, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

जी-24/4, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

विसल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीच: 14-12-1981

मोहर 🛭

प्रराप आहें टी एच एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रार्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर, 1981

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एसय्/2/एस०श्रार०-2/4-81/7738——ग्रत: मुझे, विमल, विशष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परतान् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मझम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/- ए० से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 13/6875 है तथा जो बेरीवाला बाग, दिल्ली में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में पूर्व वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्राप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का नाएण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य
तसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक
न्य से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आप की बाबत उवन अधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में उठा करने या उससे जवने में संविधा के लिए; औरं/या
- (श्व) ऐसी किसी आप मा किसी धन या अध्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थे अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में श्विधा के लिए:

अतः ्य, उक्त अधिनियम को धारा 2**69-ग के अनुसरण** भ, में, उ**क्**श **अधिनियम** की शारा 269-च की उपधारा (1) के अधोन, <sup>कि</sup>न्निलिखित व्यक्तियों, अर्धात:—— 16---436GI/82

- 1 श्रीमती कृष्णा रानी विधवा पत्नी खैराती लाल निवासी एक०-10, माडल टाऊन, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री कन्हैया लाल श्रौर राम चन्द मृ्पुत्र टेक चन्द, निवासी-8744, शिदिपुरा, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथा कत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख ने 45 विन की सर्वाध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामीस से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
  - (ख) इस सूत्रना के राजपत ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीस में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे !

स्पच्छीकरण :—-इसमें प्रयुक्त गढ़दों और पदों का, को उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा; को उस अड्याय में दिया गया है।

## वन्सुची

म्युनिसिपल नं० 13/6875 (न्यू) बेरीवाला जाग, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 30-11-1981

प्ररूप आहूर टी. एन. एस. ---

अयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज 2, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० आर०-2/4-81/ 4498—अत: मुझे, विमल विशिष्ट,

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भ्मि है तथा जो ग्राम नरेला, दिल्ली में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रप्नैल, 1981

को पूर्वोक्त संपित्न के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य में उचन अन्तरण लिखिल में नाम्निविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- .क) अलगण स हुई किसी शय की वाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी अग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1022 वा 11) । रक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर भा या किया जाना चाहिए था, किया में स्विधा के लिए:

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों अर्थात :—

 श्री स्रोम प्रकाण सुपुत भृतुं, निवासी याम निर्मा याना प्रयोशन. दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्री परवित्त कुमारगुप्ता सुपृत भागवानगुप्ता, निवासी
 2103, नरेला दिल्ली।

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (स्) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्रारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए त्रा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

कृषि भूमि ग्राम नरेला, दिल्ली।

विमल वशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख: 14-12-1981 मोहर प्रकृप आई० टी० एन० एस०---

भायक प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई विल्ली

़न**ई दिल्ली, दिनां**क 14 दिसम्बर 1981

निर्द्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० श्रार०-2/4-81/4529 श्रतः मझे, विमल विशिष्ट,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उस्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख क प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० य अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पथरौला, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख ग्रप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उवित बाजार मूल्य में कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तवि । इप से किश्यत नहा किया गया है

- (क) अन्तरण स हुई किया त्राय का आवत उक्त प्राध-नियम के अधीन कर वेन के अन्तरक के वायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रम, उनत भिष्ठिनियम की धारा 269-ग के मनसरण मं, में, उनत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के भ्रष्ठीम, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :--

- श्री खान चन्द और लेख राम मुपुत श्री गौरी दत्त, निवासी डब्ल्यू०-जैंड 95, चान्दीपीन, नई दिल्ली। (श्रन्तारक)
- 2. श्रीमती कृशना कोहली पत्नी राज कुमार कोहली, निवासी एच-24, जंगपुरा, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्ज**न के लिए **कार्यवाहियां कर**ता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ां किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदां हा, जा उक्त ग्रिधिनियम क श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्ष होगा को उस श्रष्ट्याय में दिया स्या १।

# अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र ग्राम---बपरौला---दिल्ली।

विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिस्सी

तारी**ख**: 14-12-1981

माहर:

प्ररूप आह<sup>\*</sup>.टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनिय्म्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज 2, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर, 1981 (नर्द्रोण सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार० -1/4-81/7687:---श्रतः मझे, बिमल विशिष्ट,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृष्णात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका जिल्ल बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 2211 है तथा जो चाह इन्दरा, एच० सी० सेन रोड, मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिखत में बास्तविक रूप से किया गया है ।--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सुर्थात्॥--

- 1. श्री सुनिल मोहन (रिज०) जी०ए० श्रीमती बिमला देवी, निवासी डी०-316, डिफेंस कालोनी, नई विस्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती ज्ञारसी देवी, निवासी-283-ए०, गली कुंज, दरीबा कलां, दिल्ली। . (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

नं० 2211, चाष्ठ इन्वरा, एच० सी० सेन रोड, दिल्ली।

बिमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, दिल्ली।

तारीख 14-12-1981 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 14 दिसम्बर 1981 ि ग्राई० ए० सी०/एक्स ०/2/एस० आर०-

नि, श सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भ्रार०-1/4-81/7686—श्रतः मुझे, विमल विशष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० ए.-7 ए/2, है तथा जो लघोरी कलां दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अर्थे ज 1981।

को पूर्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती) (अतरितियो) के वीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विभा के लिए।

(1) श्री उमराव सिंह सुपुत्र माया चन्द निवासी ए-7ए/9, राना प्रताप बाग, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० के० मितल सुपुन्न एल० डी० मितल, निवासी-2/70, रूप नगर, विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

क्षेत्र सृचना जारी करके पृवाकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

प्लाट न'० ए-7ए/2, ग्राम-सघोरी कलां, राना प्रताप बाग, विल्ली ।

> विमल विशिष्ट, सक्षम ग्रीधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियो, अर्थातु :--

विनांक: 14-12-1981

प्रकृप आई. टी. एन, एस. -----

ज्ञायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अभीन सूचना

भारत संस्कार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० म्रार०-1/4-81/ 7663---म्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० ए-7ए/6 ए, है तथा जो राणा प्रताप बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल 1981,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आहर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलीसत व्यक्तियों, अर्थात् :- (1) श्री सतोख सिंह सुपुत्र छतर सिंह निवासी-ए-7ए, राना प्रताप क्षाग, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी दया राम, सी-6/20, राना प्रताप बाग, दिल्ली।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# यनुसूची

प्रो० न० ए-7ए/6ए, राना प्रताप बाग, दिल्ली ।

विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

विनोंक: 14~12~1981

परुप आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 नवस्थर 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्य्०/2/एस० म्रार०--1/4-81/7744---म्रत: मुझे, विमल विशष्ट,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 13/6875 है तथा जो बेरीवाला वाग, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रग्नैल, 1981।

को पूर्वेक्ति संपर्ति का उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और म्भे, यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित न्हीं किया गया हैं ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के दोपित्व में कमी करने या उससे बचने म मृषिश्या के लिय, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

मतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती कृष्णा रानी विधवा पत्नी खैराती लाल निवासी एफ-10, मोडल टाऊन, दिल्ली।
- (2) श्री प्रहलाद राय ग्रौर वाधु मल सुपुत्न टेक चन्द, नियासी—10230, लाइक्रेरी रोड़, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण. -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हुँ।

# अनुसूची

म्युनिसीपल नं० 13/6875, (न्यू) ब्रेरीवाला बाग, दिल्ली

विमल विशिष्ट, मक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-2, दिल्ली,

विनांक 30-11-1981 मोहर:

# प्ररूप आई० टी• एन० एस•---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981 निर्देश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्चार०-1/4-81/7707,--अतः मुझे, विमल विशिष्ट,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 3792-93, है तथा जो कुचा मोतीया खान, मो गेट, में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाधद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रशैल 1981,

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार भृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का फन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्निजिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के क्षीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण कें, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् \*\*\*-- (1) श्रोमती राजरानी पत्नी हरबस लाल, निवासी-डी/ 148, कमला नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) हरजीत सिंह सुपुत्र किशन सिंह निवासी-6548 खारी वावली, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

ा स्वार कर गाय म अकाशन की गरील से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त प्रदिन का निकास की स्वार्थ के स्वीतर पूर्वोंक्त

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मणित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के जिस् किसी का मा किए जा सकीने।

स्थल्डीकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

# अमुसुची

प्रो॰ नं॰ 3792 श्रौर 3793, कुचा मितर खान, मोरी गेट, दिल्ली ।

> विमल विशष्ट, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-2, दिल्ली

दिनाक: 14-12-1981

प्ररूप आईं.टी.एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

## भारत सरकार

क्रायांलय, महाया आयकर आयुरः (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर, 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्य्०/2/एस० प्रार०—1/4—81/7759—म्रतः मुझे, विमल वशिष्ट,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 287, है तथा जो वार्ड नं० 8, मोहल्ला करोर, श्रजमेरी गेट, में स्थित है (श्रौर इससे उपाधद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल, 1981।

को प्योंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसझे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ िंगी हर ही है। हिंद अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भार अब आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1() या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिप्रधा के लिए ।

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन नियनतिस्थित व्यक्तियों, अधीत :----17—436GI/81 (1) श्री जितेन्त्र कुमार गुप्ता सुपुत्र विलायती राम, निवासी पंचक्रइयां रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज श्रग्रवाल पत्नो प्रहलाद दास, निवासी-70 दियागंज, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथानित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है तथा उनका वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

## अनुसूची

प्रो० नं० 287 वार्ड नं० 8, राम कृष्णा फ्लोर मिस्स, म्युनि-सिपल नं० 169 श्रौर 182 पुराना, मोहल्लाकरोज, श्रजमेरी गेट, दिस्ली।

> विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली,

दिनांक: 14-12-1981

मोहरः

प्रकृप बाइ . टी. एन. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 विसम्बर 1981

निर्वेश सं <sup>अ</sup> प्राई० ए०सी०/एक्यू०/2/एस०—प्रार—1/4—81/7764—प्रत मुझे, विमल विशिष्ट,

बाप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० के/93, है जो कीर्ति नगर, बसई दारापुर, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक ग्रील, 1981।

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्येश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-~

(1) भी ठाकुर सिंह सुपुत्र लघा सिंह सुरी मैनेजर शिवा-लोक टाकिज (प्रा०) लि० नांगल टाऊनशिप, जिला-कपर.

(अन्तरक)

(2) श्रो राज कुमार दुगल मुपुत कस्तुरी लाल 13-ए/20, डब्ल्यू-इ-ए करौल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसची

प्लाट नं ० के ०/93, कीर्ति नगर, ग्राम बसद्ध दारापुर, दिल्ली।

विमल वशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली,

विनांक: 14-12-1981

मोहरः

प्रकृष भाई० डी• एन० एस०⊸---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 विसम्बर 1981

नि, ें स सं ० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार-1/4-81/7792—श्रत. मुझे, विमल विशिष्ट,

पायकर प्रिव्चित्रियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क० मे प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० डी-55, है तथा जो कमला नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रग्रैल 1981,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्निति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपल स, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रातेशत से प्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐके अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिधक क्य से किखत नहीं किया गया है: →

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसो आय या किसी घन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के **धनुसरण** म. **ए**क्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, गिम्नौलिश्वत स्पन्तियों, अर्थाद्य:— (1) श्रीमती कलावती श्रप्रवाल, सुपुत्री लाला राम किशन दास तथा पत्नी श्री नानक चन्द श्रप्रवाल, ग्राम— वखतावरपुर, दिल्ली,

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमतीकविता पत्नी राज कुमार निवासी म्यु० इ न्हीया 3 न्य मार्केट, तिलक नगर, नई दिल्ली (ग्रन्त रिती)

को <mark>यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रअंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीज से
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़
  किमी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'जकत श्रधितियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिय' गया है।

# वन्स्ची

डी-55, पार्ट-बी, कमला नगर, दिल्ली।

विमल विशव्ट, संभम प्राधिकारी, सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 2 विल्ली,

विनांक 14-12-1981। मोहर:

# प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

# पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजैन रेंज 4

नई दिल्ली, दिनांक 14 विसम्बर, 1981

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६ थ के पश्चात् 'उनन प्रधिनियम' कहा गरा है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 4954 से 4961, चान्दनी चौक, कुक्चा रेहमान, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विंस्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रील 9 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचितं बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान अतिफल से ऐसे दृश्यमान अतिफल का पत्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिफल, निम्तिथित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—~

- (क) ग्रम्तरण से दुई किसी ग्राय की बाबत, खक्त श्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों
  को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या
  धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया
  गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे
  सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् .---  श्री इशर सिंह सुपुत्र लदन सिंह निवासी-ई-7/ए/2, कृशन नगर, विल्ली

(अन्तरक)

 श्री राजिन्दर सिंह हरबिन्दर सिंह हरजीत सिंह निवासी 7/21, रूप नगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के प्रजंत के निए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की पत्रिध पातरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त दोती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्विक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) १ प सूचना क राजयत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सर्वेगे।

स्पब्हीकरण: ---इसमे प्रमुक्त भन्दा और पढ़ों का जो उक्त अधिनियम के मध्याय-20क में परिभाषित है, बड़ी भ्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्रो॰ नं॰ 4954 से 4961, वार्ड नं॰ 6, चान्दनी चौक, कृषा रेहमान, दिल्ली।

> विमल यणिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रेज ।, नद्दं दिल्ली

तारीख: 14/16-12-1981

# प्रकप भाई। टी। एन। एत।

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

# भारत सरकार सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2

नई विल्ली, विनांक 14 विसम्बर, 1981

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस०भ्रार०-2/4-81/7745—भ्रत. मझे विमल विशिष्ट,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

भौर जिसकी संख्या 9480 है तथा जो निचलसन रोड, मोरी गेट, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल-81

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐने दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से द्वार्ष किसी जाय की वावत, उत्तर अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे जजने में सुविधा का लिए; और्या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्**धित व्यक्तियों, न्थीत**ः--

 श्री पदमा बती विधवा पत्नी गोपाल शर्मा, एण्ड श्रवर्स, निवासी 7/29, रूप नगर, विस्ली

(अन्सरक)

 श्री तरिवन्दर कुमार एण्ड श्री महेग कुमार, सुपुत 3489 निचेलगन रोड, मोरी गेट, विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के भूर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के स्थावर सम्पत्ति में हित- के सूब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित  $e^5$ , वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्त्रची

म्युनिसीपल नं० 3480, निचुलगन रोड, मोरी गेट, बिल्ली

बिमल विभाष्ट सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई विल्ली-110002।

तारीख: 14-12-1981

प्र**रप आ६**० टी० एन**० ए**न०————

म्रापकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) घारा की 269 घ (1) के ध्र<mark>ीम सूचना</mark>

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ध्रर्भन रेंज 2

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर, 1981

निर्वेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2एस० म्रार० 1/4-81/7662---म्रतः मुझे विमल विशिष्टः,

आयणार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000% रु॰ संस्थिक है

ग्रौर जिसकी संख्या डी-10, है तथा जो मोडल टाउन, विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके: दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रांतशित से अधिक है और भग्तरक (मग्तरकों) और प्रग्तरिती (प्रम्तरितियों) के भीच ऐसे भग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिशिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिक्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अस, उन्स्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण मो, मौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के सुभीन निम्मलिखित व्यक्तियाँ सुभृति ६——  श्री सतपाल मेठी सुपुत्र श्री रेलीया राम, निवासी ए-7, मोडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री हरबंस लाल ढोंगरा, सुपुत्र गोपाल दास ढीगरा, डी-10/18, मोडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हू। उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस मूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारी का से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित आह किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्राहेस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :- इसमें प्रमुक्त शब्दों घोर पद्दों का, जो उक्त भिक्षितियम के ग्रध्याय 20क में परिचाधित है, बड़ी भ्रषं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

डी-10, मोडल टाउन दिल्ली, ग्रामबभलीकपुर छावनी विल्ली राज्य, विल्ली

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 विस्ली, नई विस्ली-110002

नारीख: 14-12-1981

पम्प आई० हो० प्न० एस०----

आपकर अबिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज 2

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर, 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० ग्रार०-1/4-81/7719---श्रतः मुझे विमल विशिष्ट,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्वावर सम्पन्ति जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- क॰ से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 12 (जी० एफ०) है तथा जो 32-श्रलीपुर रोड, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उच्चित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल का मिम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक का से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अनुत्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधि-नियम के समीन कर देने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने था उससे बचने में शुविधा के लिए और/या
- (का) ऐसी जिसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों को जिन्हों भारतीय जाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

बत: बन, उनन भविनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों अधीत्:—— श्री रजनी माथुर परमी बाल कृष्ण. निवासी-1, महाराजा लाल लेन, सिविल लाइन, दिल्ली।

(अन्तरक)

2 मैं ॰ बृंधवार मोटर्स 1073, काशिमरी गेंट, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों वें मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यब्टीकरण :---इसर्में प्रमुक्त शक्दों भौर पदों का, ओ खक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अक्याय में दिया गया

# अनुसूची

नं० 12 (जी० एफ०), 32-म्रलीपुर रोड, दिल्ली ।

विमल विधाष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2 विरुक्षी, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-12-1981

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का. 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर, 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० ॄसी०/एक्यु०/2/एस०-श्रार-1/4-81/-7682—श्रतः मुझे विमल विशिष्ट

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या 111/1878, है तथा जो न्यू नं० 3900, मोरी गेट, में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन सारीख ग्रिप्रैल-1981

को पृवांकित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मतिस्ति व्यक्तियों, सर्थात् :--  श्री विभन्न नाथ सुपुत्र शिव दास मल, श्रीमती राम कुमारी पत्नी श्री एस० के० मेहरा सी०/श्रो० मनोहर लाल, श्रजय कुमार एण्ड श्रदर्स बुधवा नगपुर, दिल्ली

(अन्तरक)

 ग्रीन कैरीयर एण्ड कन्ट्रेक्टर दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

111/1878 भाग पुरासा, 3900 भाग नया, मोरी गैंट, दिल्ली।

> बिमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-12-1981

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर, 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/३/एस० श्रार० 1/4 81/ 7677--- ग्रतः मुझे विमल वशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशांस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / एत. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या 2557 से 2559 है तथा जो गली राम रीछपाल, चरीवालान दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1981

को भृटोंक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित वाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ए'से दश्यमान प्रतिकल के प्रंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविका रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण सेहुई किसीकाय की यास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आयया किसी धनया अन्य अपस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात: --

18 —436GI/81

1. मैं० राम चन्च एण्ड सन्स, श्री सूरेश चन्द एण्ड श्रदस, निवासी 2747, गली ग्रायंसमाज, वाजार मीता राम दिल्ली

(अन्तरक)

मरोज कुमारी जैन, पश्नी सुरेश चन्द जैन, निवासी 2671, गली बादलीयन, भुरीवालान, विल्ली

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वा बन सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविध बांद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधाहरताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभौषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गैया

# अनुसूची

मकान नं० 2557, 2558, घौर 2559 गली डा० राम रीष्ठपाल सड़क प्रेम नरायन, चुरीवालान, दिल्ली

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी महापक आधकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली -1 1 0 0 0 2

तारीख: 14-12-1981

प्रारूप आई. टी. एम. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर जायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2

नई दिल्ली, दिनांक 14 विसम्बर, 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्य०/2/एस०-म्रार०-1/4-81/7730----म्रत: मुझे विमल विशष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रुपए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या छी-23, है तथा जो किर्ती नगर, नई विस्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रप्रेल 1981

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिर्ती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कीक्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की वाबस, उक्त जीधीनयम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए थ्या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसक्ण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:——  श्री गुर कमलजीत सिंह सुपुत्र मालिकयत सिंह नियासी फिलोर मंडी, जिला जलन्दर

(अन्तरक)

2. श्री सतनाम देव सुपुन्न राम लाल, निवासी सी-1/47, मालका गंज, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्तिर द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनत्तवी

प्रो० नं० डी-23, किर्ती नगर, नई दिली ग्राम बसई दारापुर दिस्ली

> विमल शिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-12-1981

प्ररूप मार्च. टी. एन्. एस.-----

भाषकर अभिनिस्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज 2 नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर, 1981

निर्वेश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-मार०-1/4-81/ 7658—मार मुझे विमल विशब्द

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपंतित जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी संख्या 6328-29, है तथा जो बाराहिन्दू राव, में स्थित है (गौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख ग्रग्नैल-81

को पूर्वा क्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निलिखत उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक है से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का मिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री मोहमद श्रसिकन सुपुत्न श्रबदुल रशीद, निवासी 6518, गली टायर वाली, बाराहिन्दू राव, दिल्ली

(अन्तरक)

 श्री मोहम्मच स्वाल्हीन सुंपुत्र धबदुल रसीद निवासी-8058, गली टायर वाली, बाराहिन्दू राव, दिल्ली

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकरी।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्बों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# **अनुसूची**

प्रो॰ नं॰ 6528-6529, बारा हिन्दू राव, विस्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
 मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

तारीच : 14-12-1981

# प्रस्मान सहर्षक, बी क, प्रताक प्रताक न्यान

बाय्कर अधिनिय्म 1961 (1961) का 43) की धारा

# 269-व (1) के श्रधीन सूचना

# भारत⊹सरकार∙

कार्यालय, सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/क्यु०/2/एस० आर-2/4-81/ 4493---अतः मुझे विमल विशिष्ट

भायकर भिनित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'खकत प्रश्चितियम' कहा गया है); की भारा 269-ज के प्रभीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का रण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य 28,040/- ध्रम्य से, मिसक है

ग्रीर जिसकी संक्रमा जी व बी व क्यु-1/180 है तथा जो टेहर नं 01, विस्ती में स्थित है (भीर इससे उपायद अनुसूची में पूर्व रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीक्रण अधिमियम, 1908 (1908 का 16) के अभीम, तारीख अग्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अश्वित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह त्रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उकत ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क' प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निथम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में क्यी करने या उसमें बचने में सुविधा के खिए; धीर/वा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का-11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधि-निय्स, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकृतिस्ती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया या या किया जाइस जाहिए था, जिलाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपवास्त (1) के श्रिधीन. निम्नलिखित व्यक्तिमीं, अर्थात् :-

 श्री केशो दास ढींगरा, निवासी एस-54, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्री सुभाष चन्द,
 1/180, टेहर नं० 1,
 नई दिल्ली।

(ऋतन्स्ती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्मति के स्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उका सम्प्रति है प्रशंत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख ने 40 विच की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की सामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद पे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति धारा;
- (ख ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पात सिखि । में किये जा सकेंगे।

स्वव्होकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों फ्रीर पर्दों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही गर्य होगा, तो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

# अनुसूची

जी ० बी० क्यु० नं० 1/180, टेहर नं० 1, नई दिल्ली सुभाण नगर।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीखः: 14-12-1981

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज 2, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० आई ए० सी०/एक्यु०/2/एस० ग्रार -1/4-81/7814—अतः मुझे विमल अशिष्ट

मायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए० से श्रधिक है,

स्रोर जिसकी संख्या बी-1 है तथा जो काटेन न० 2, मोमनाथ मार्ग, अलीपुर रोड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से अणित है) रिजस्ट्रीक्षता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीक्षरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के स्रधीन तारीख स्प्रैल-81

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिशंकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल हा पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त ध्रिष्ठित्यम, के ध्रिष्ठीन कर देने के अस्तरक क धायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (थः) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रीधनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अर्तः ग्रंब, उक्त ग्रंधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में; में, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के ग्रंधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, ग्रंथीतः—- वी इस्ट इन्डीया होटल लि॰
 4-मंगोई लेम कलकता।

(ग्रन्सरकः)

 श्री गैनी जौहर पत्नी श्री जी० एस० जौहर निवासी-सी/श्री० होटल श्रोबरोइ, इन्टर कोन्टीनेन्टल, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह म्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रज</mark>ैन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबाब किसी अन्य व्यक्ति बारा, अधोहस्ताक्षरी के णस निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त मब्दो ग्रीर पदो का, जो खन्त श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो छस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

ब्लाफ बी-1, काटेज न० 4, श्रोबराय स्वीज श्रपार्टमेन्ट, 2-ग्याम नाथ मार्ग (अलीपुर रोड), दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 14-12--1981

मोहर

# प्ररूप आई० टी• एन० एस•-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आण्कर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज-2 दई विल्ली नई दिल्ली, दिनाफ 14 दिसम्बर 1981 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्चार -1/ 4-81/7751—श्चन मुझे विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी मख्या 1/3 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्व रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रिधीन श्रील 1981

को पूर्वितत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्विक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिपाल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--- शी देव राज झानव सुपुत्र सी० एल० झान्व निवासी ई-210, नई राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती नरायनी देवी पत्नी देव राज झन्य ई-210, न्यू राजिन्धर नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देशाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/3, ईस्ट पटेल नगर, नई विल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रर्जन-रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख : 14-12-1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन गुचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

प्रजीन रेंज,-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

सं० श्राई० ए० सी० एक्यू/2/एस० श्रार० 2/4-81/4509---श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 120/139 है, तथा जो ग्राम बखताबर-पुर दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख श्रप्रैल, 1982

को प्वांध्त संपरित के उधित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य उसके उष्यमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल के पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निनियित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- [ख] एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्यरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

 श्रीमती फुलबती, पत्नी कुन्जा मल, निवासी, ग्राम बखनावरपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

 मैं० नेशनल उस द्रेंडर्स, निवासी-84, स्वदेश मार्केट, सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेगे।

स्यव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

सं० 120/139, ग्राम बखतावरपुर, दिल्ली।

विमल विणिटः,
स्थम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रुर्जन रेंज-2, दिल्ली

तारीख: 14-12-1981

प्ररूप आर्ड्: टी. एन . एस . ------

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ ्(1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिह्ली

नई विल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

मं० ग्राइ० ए० सी०/एक्यू/2/एम ग्रार०-1/4-81-7790ग्थतः मुझे, विमल वणिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पित्त, जिसका उचित साजार मूल्य 25,000/रुट. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 101 है तथा जो गली तेलीयन, कटरा घी, खारीबावली, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूधी में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1981 को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वमा करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का मनिनिलिखत उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त शिभियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सविधा के लिए; शर्दि/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जभीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अधीत् :---

- श्री श्रनिस श्रहमद सुपुत्र मोहमद शिफ बेरी एण्ड श्रवसं, निवासी-8, नाई स्ट्रीट, कलकत्ता-73। (श्रग्सरक)
- श्री गनपत राय मुपुत्र श्री दालू राम, 1818, कटरा घी, फाटक हवास खान, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बोद में समाप्त होती हों, के भीतर पृथिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध फिसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

प्रो॰ नं॰ 1018, गली टेलीयन, कटरा घी, खारीबायली, दिल्ली।

> बिमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली।

नारीख: 14-12-1981

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० श्रार०1/4-81/ श्रतः मुक्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बांजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 1386-87 है तथा जो बहादुर गढ़ रोड, गली नं० 5, वार्ड नं० 13 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख ग्राप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ट्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शिहए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :--19-436GI/82

 श्री हर गंगा राम सुपुत्र मुद्दन लाल निवासी 1386, बहादूर गढ़ रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती किरन देवी पत्नी रमेश्वर दयाल जैन, निवासी-4695, गली उमराव, पहारी धीरज, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं 1386-1387, बहाबुर गढ़ रोड, गली नं 5, वार्ड नं 13, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज ।, नर्द दिल्ली

तारीच : 14-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस श्रार-2/4-81/4400:—श्रत० मुझे विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा से अधिक है

भ्रोर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कादीपुर, दिल्ली में स्थित है, (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख भ्रग्रैल, 1981

को पूर्वोक्तत संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन. निम्नलिखिस व्यक्तियों अर्थातः—  श्री राजिन्द्र सिंह, सुपुत्र नारायण सिंह ग्राम कादी पूर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुभाव खन्ना भौर चन्दर खन्ना सुपुत्र केंदार नाथ खन्ना, निवासी नं० 22-बी०/1, श्रीरीजीनल रोड' करोल बाग, दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में क्योर्ड भी आक्षेपु:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत अविधि में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीक रण:-- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

कृषि भूमि ग्राम कादीपुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 14-12-1981

माहर:

प्ररूप, बार्ष: टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
जी-13, ग्रांचन्ड फ्लोर, सी०भार० बिल्डिंग
इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं श्राई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस० मार -1/4-81/ 7750 — अतः मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मकान नं० 8 है तथा जो ब्लाक नं० जी मोडल टाउन दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाक श्रील 1981

को पूर्वोषत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोचत संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उराके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उप्वेष्य से उन्त अन्तरण शिखित में वास्तिवृक्त रूप से कथित नृहीं किया गया हैं..—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्तु अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करूने या उससे बुचने में सूविभा के लिए; आर्ट्र√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्याने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा-269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नु लिखित स्पृक्तियों अर्थात् :---  श्री हरनाम सिंह सुपुत्र श्री मरदार चन्दर 7/91 किशन गंज, दी वार

(भ्रन्तरक)

2. श्री सतनाम दास, इन्दर लाल सुपुत्र सनवाल दास निवासी के-3/5 मोडल टाउन, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्तु स्म्पत्ति के अर्जन के सम्बन्धु में कोई भी आक्षेप ु--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्ति रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसूची

मकान नं ० 8 ब्लाक 'जी' मोडल टाउन, दिल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 14-12-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महासक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं आई० ए० सी० |एक्यू|2|एस०आर -2|4-81|4528—अतः, मुझे, विमल विशिष्ट

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वा जार मृष्य 25,000/- इ॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9/37 है तथा जो सुभाष नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिलस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक श्रील 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के चिन्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है पीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रिश्यत से प्रक्षिक है पीर पन्तरक (धन्तरकों) धीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित छहेश्य से उन्त पन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कविन नहीं किया गया है!--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त आधि-नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः शय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :---

श्रीमती सुमिल कौर पत्नी श्री प्रभा सिंह,
 9/37, सुभाष नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्री रमेण चन्दर मुपुत्र श्री कस्तूरी लाल,
 9/37 सुभाष नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई झाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पद्धीकरण :- इसमें प्रयुक्त मान्दों बौर पदों का, जो छक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उन अध्याय में विदा गया है।

## भनुसूची

जी० बी० पी० नं० 9/37, सुभाष नगर, नई दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन र्रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14 दिसम्बर 1981

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) घारा 269-थ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2 जी 13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी० ग्रार० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०प्रार० 1/4-81/7799---श्रतः मुझे, विभल विशिष्ट,

श्रायकर ग्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० 7/1264-बी है, तथा जो फरास खाना, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिनयम, 1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रेल 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंगति का उचित बाजार मूल्य उसके पूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रिष्ठीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी छन या अंग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय झाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखतु व्यक्तियों, अधीत् ध--- 1. श्री राम किशान सुपूत्र मिलक खान चन्द 1/49, फेस-1 बजोरपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती कान्ता रानी गर्ग, पत्नी श्री पुषपिन्दर गर्ग, 13/23, शक्ति नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>ग्रर्जन</mark> के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

छश्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आबोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सर्वात्र या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सर्वाध, जो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी बसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहक्ताकरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त श्रिधिनियम के भ्रष्ट्याय 20 क में यथापरिभाषित हैं, वही भयं होगा, को उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

म्युनिसिपल नं ० 7/1264-बी, फरास खाना, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-12-81

### प्ररूप आहर्र. टी. एन्. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-2 जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सीं० ग्नार० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेंट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०म्रार०-2/4-81/4530—श्रतः मुझे, विमल विशष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो बपरौला, दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक स्रप्रैल,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरिता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल का निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक क्य से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भास्तिषा के लिए;

अतः अ्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उन्धारा (1) के अभीन, निम्नुसिहित व्युवित्यों, नृषतिय-

 श्री खेम चन्द सुपुत्र श्री गौरी दत्त, डब्ल्यू-जैड-95, शादीपुर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

 राज कुमार कोहली सुपुत श्री किशन चन्द एण्ड प्रदर्स, एच-24, जगपुरा, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम बपरौला, दिल्ली

विमल विभाष्ट सक्षम प्राधिकारी सहासंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) व्यर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-12-1981

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

जी-13, भ्राउन्ड फ्लोर, सी० श्रार० बिल्डिंग, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० भाई० ए० मी०/एक्यू०/2/4-81/4535---अतः मुक्षे, विमल विशिष्ट

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चान् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बंकोली, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक श्रभैन, 1981 को

पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---  श्री धरम सिंह मुपुत खचरू, ग्राम बंकोली, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. श्री कनवाल जीत सिंह एण्ड ब्रंदर्स, सुपुत्र जीवन सिंह बी-ए-276, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सकृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए का सकोंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम बंकोली, दिल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 14-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

**बायकर** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, ,िवनांक 14 विसम्बर, 1982 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/2/एस०श्रार०-1/4-81/7674—श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ए-7 है, तथा जो मोडल टाउन, मिलक पुर छावनी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पम्यह प्रतिष्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——  श्री अमृत सागर सुपुत्र श्री परास राम एण्ड अवर्स. निवासी बी-83, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

 श्री सतपाल सेठी सुपुत श्री रेलीया राम एण्ड प्रदस, ए-7, मोडल टाउन, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

प्लाट नं॰ ए-७, मोडल टाऊन, दिल्ली ग्राम मलीकपुर छावनी ।

विमल विशिष्ट सक्षम प्रधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 14-12-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

## भायकर **मिलियम, 1961 (1961 का 43) की** घारा 2**69-घ (1) के मधीन सूच**ना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2

नई दिल्ली-11000, दिनाक 14 दिसम्बर, 1981

निर्देश सं० ग्राह० ए० मी०/एक्यू०-2/एम०भ्रार०-2/4-81/4531---भ्रतः मुझे, विमल विशष्ट.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बारौना दिन्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूचो में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रील, 1981

कां पृवींकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और म्फो, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पम्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत उक्त सिंह-ैनियम के प्रधीन कर देने के खन्तरक के दायित्व भेमें किमी करने या स्तमें बचने में सूविधा के लिए; 'सौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हों भारतीय भायकर मिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भश्विनियम वा धनकर मिश्वनियम वा धनकर मिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिनिक स्यास्तितयों सर्थातः--

20-436GI/81

 श्री नेतराम, मुखीयारे, बनवारी ग्रौर सूरज सुपुल हरफुल निवासी-ग्राम बपरौला, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री राजकुमार सैनी, श्रार० राकेण कुमार मैनी, सुपुद्ध श्री महिन्दर कुमार सैनी, [4063, गली बाहुजी, पहारी धीरज, दिस्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पवों का जो उन्त अधि-नियम के ग्रह्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उस ग्रह्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम बपरौला, दिल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम श्रिषिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज -2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 14-12-1981

प्रकप आई० टी॰ एन० एस०---

मा¦यक्र**र अधि**नियम, 1961 (1**961 का 43) की घा**रा 269-घ(1) के **अ**घीन सूचना

#### मारत सरकार

कागलिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2

नई दिल्ली-110002, दिनौँक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2 एस-झार-2/4, 81/ 4496---श्रतः मुझे, विमल विशष्ट

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अंक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संयति, जिमका उचित बाजार मूह्य 25,000/-रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० सी-5, है तथा जो भ्रजय श्रन्केलव, श्रशोक नगर रोड़, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रील 1981

को पूर्वो पन सम्पत्ति के उतित बाजार मूल्य से कम के बृह्यमान प्रति कल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृह्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरिक (सन्तरिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य स उच्त अन्तरण निवित में बास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है !——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत खबत अकि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुनिया के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर मधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-न के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-मुकी उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों स्थितः--

(1) श्री कुलवन्त सिंह राना सृपुत्र हरचरन सिंह राना, सी-5, श्रजय इनक्लेब, नई दिल्ली श्रशोक नगर रोड़, दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेम भाटिया पस्ती कें एल भाटिया डब्ल्यु जेड़ 248/1, विरीन्दर नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

उन्त सम्पत्ति के प्रजैत के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजाश में प्रकाशन फीतारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
  हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, ध्रष्टोहस्ताकारी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो छस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं ० सी-5, अजय इनक्लेव, अशोक नगर रोड़, नई दिल्ली ।

विमल विभिष्ट सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) जैन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 14 दिसम्बर 1981

मोहर,

प्ररूप **आई**.टी.एन.एस.-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/4-81/4512---श्रतः मुक्ते, विमल विशष्ट,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रौर जिस की स० 46, ब्लाक 'इ' है तथा जो मुलतान नगर, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक ग्रील 1981

को गूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य सं उक्त अन्तरण निवित में बास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों सक्ते, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्तं अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**व की उपधारा (1)** के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तिसों, अर्थात् ः—

(1) श्रीमित राम पीयारी विधवा पत्नी चेतन ग्रानन्द राज पाल, इ-46, न्यु मुलतान नगर, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कुलबन्त राय भ्रग्नवाल एण्ड भ्रदर्स, सुपुत्न नोहर चन्द 367/387, त्रीनगर, विस्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पृवाँक्त सम्मृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति प्
- (त) इस् सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगै।

स्थब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 46, ब्लाक 'इ' न्यु मुलतान नगर, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-12-1981

मोहर 🧓

प्रक्ष आई.टी.एन.एस.-----

## बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी० ग्रार० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेंट, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/4-81/4423—-श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राध्यकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिस की सं० 16/65, हैं तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक अप्रैल-81

का पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखिति मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी र्रे या उससे बचने में सूविधा-के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, मैं उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (०) के अधीनः, निम्निलिखितं व्यक्तियों, अधीनः:---

(1) श्री कृपान लाल पोपली सुपुत्र प्ररोरा मल एण्ड अदर्म, निवासी-15/3032, पहाड़ गंज, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामेश सुखीजा सुपुन्न श्री शिव दयाल, 15/3032, मुलतानी घन्डा, नई दिल्ली

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्स व्यक्तियों में दो किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### यमस्ची

प्लाङ नं ० 16, रोड़ नं ० 65, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 14─12─1981 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के ब्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी० म्रार० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ल नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०ग्रार०-2/4-81/ 4534—श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रिधक है

श्रौर जिस की सं० जे 13/41 से जे-13/46 है तथा जो राजोरी गार्डन में स्थित है (श्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में, वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अत्रैल-1981 को

पूर्वाक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल।, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रधिनियम, या धनकर ग्रिविनयम, या धनकर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः, भ्रम, उम्त श्रधिनियम, की धारः 269-ग के अनुसरण में, मैं, स्मत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों प्रणीतः---

- (1) श्री बिशम्बर नाथ गर्ग सुपुत्र धुरे, निवासी-जे-13/6, पटेल मार्केट, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती चन्दन भान गर्ग पत्नी श्री खुरे लाल ग्रौर श्रीमती विमला देवी पत्नी विशम्बर नाथ, निवासी जे-13/6, पटेल मार्केट, राजौरी गार्डेंन, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समान्तं होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दी धीर पदों का, जो खक्त ग्रिधिनियम के ग्राड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रार्थ होगा, जो उस ग्राड्याय में विया गया है।

#### अनसर्ची

प्लाट सामने नं० जै-13/41 से जै-13/46, राजोरी गार्डन, एक्स० नई दिल्ली ।

> विमन विधाऽट सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 27 नवम्बर 1981

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस-म्रार-1/4-81/ 7 665—म्रतः मुझे, विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिस की सं० 1987 है तथा जो गली परांठेवाली, चान्दनी चौक, में स्थित है (ग्रीर दिन उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिवीन दिनांक श्रिप्रैल-1981

को पूर्वो कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्माह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नीलिंखत उद्देश्य में उकन अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबद, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती विद्यावती पत्नी एल० जगमिन्दर दास, निवासी-नं० 31, णाम पार्क, गाजियाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) मै॰ हैंललुम साड़ी भवन, गली पराठेवाली, चान्दनी चौक, दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा काई भी आक्षय:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अवसर्ची

प्रो० नं० 1987-गली परांठेवाली, चान्वनी चौक, विल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 14-12-1981 मोहर :

## प्रकप् कार्च, टी. एन्, एस्,-----

काथकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी०ग्रार० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी॰/एक्यू०2/4-81/7656—श्रतः मुझे, विमल विशब्द

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिस की सं० 1987 हैं तथा जो गली परांठे वाली, चान्धनी चौक, में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक भ्रभैल-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिसित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के सिये; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अज, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिकित व्यक्तियों क्यांतु ह—— (1) श्रीमती विद्यावती पत्नी एल० जगमिन्दर दास, 31, णाम पार्क, गाजियाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० हैंडलुम साड़ी भवन, गली परांठेवाली, घान्दनी चौक, दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पछ्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्रो० नं० 1987, गली परांठेवाली, चान्दनी चौक, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त प्(निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, विल्ली, नई दिल्ली-110002

िषनांक 14-12-1981 मोहुरु 🛭 प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

आयक्तर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2

जी-13, प्राउन्ड फ्लोर, सी० ध्रार० बिल्डिंग, इन्द्रप्र स्थ स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-श्रार-2/4-81 4497—श्रतः मुझे विमल विशिष्ट

मायकर ममिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्क ग्रिशिनियम' कहा गया है), की प्रारा 269-ख के ग्रिशीन समागाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये संग्रिधिक है

मौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नरेला, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुभूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रिजस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक प्रप्रैल-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समाति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और ग्रन्तरिक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है।——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उनत श्रिष्ठ-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भग्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भ्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के ग्रधीन, निम्निविक्षत व्यक्तियों, प्रधीन:---- (1) श्री स्रोम प्रकाण सुपुत्र भारतु, निवासी—–पना पपोणन, नरेला, दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार गुप्ता सुपुत्र भगवान गुप्ता, निवासी-2103, नरेला, दिल्ली ।

(भ्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त सिध-नियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है, वही सर्य होगा, जो उन शब्दाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि नरेला, दिल्ली ।

निमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 14 दिसम्बर 1981

## 

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

### भ्रर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 14 विसम्बर 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-म्रार०-1/4-81/7741---म्रत: मुझे, विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/रु. से अधिक है

मौर जिस की सं० 11807 है तथा जो रोशनारा एक्स० स्कीम, विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सपित्त के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहित को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अंधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात् .-- 21--436GI/8!

(1) श्री किशन चन्द सुपुत्र कुन्दन लाल गुप्ता, निवासी-20/21, शक्ति नगर, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कान्ता प्रमाद गुप्ता सुपुत्त गंगा सरण गुप्ता एण्ड श्रदर्स, निवासी—बी-250, श्रशोक विहार, फैस-।, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पृत्रों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद भे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **जन्स्**ची

म्युनिसिपल नं० 11807 प्लाट नं० 21, ब्लाक नं० 20, रोशनारा एक्स० स्कीम, दिल्ली ।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक 14 दिसम्बर 1981 मो**हर**ः प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2

नई विल्ली, दिनांक 14 विसम्बर 1981

निर्देश , सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस-श्रार-2/4-81/4379---श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिस की सं० 10/64, है तथा जो पंजाबी बाग, ग्राम—मादीपुर, विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबस श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इद्यमान प्रतिफल से, एसे इद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल मिम्मलिखित उद्वेध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक अप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरक से हाई किसी जान की बाबत, अक्त अपूर्णित्वम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वादित्व में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; बार्ट/बा
- (क) एसी जिस्सी जान या जिस्सी भूत वा जन्त जार्दिस्तरों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

अतः अब, अक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलुचित स्पृक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती सरोल चान्दना पत्नी के० बी० चान्दना, निवासी—बी-4/48, सफदर जंग इनक्लेव, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पिकी खना पत्नी विरेन्द्र कुमार, निवासी—क्यु-24, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबासे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवृधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूचींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त विभिन्निम्न, को वश्याय 20 न्त में पीउभाषित हैं, वहाँ वर्ष होना को उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं॰ 10, रोड़ नं॰ 64, पंजाबी बाग, ग्राम—मादीपुर, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 विल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 14 दिसम्बर 1981

मोहुर 👙

प्ररूप बाई. टी. एन्. एस.----

## आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **की धारा** 269-थ(1) के अधीन सु**च**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 2

नई विल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981 निर्देश सं० ग्राई० ए.० सी०/एक्यु०/2/एस-ग्रार-1/4-81/7704—श्रतः मझे विमल विश्रप्ट $\frac{1}{2}$ 

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 425 (न्यु) है तथा जो जार्ड नं० 10, गली पहार वाली, छटा लालिमयां में स्थित है (ग्राँग इससे उपाबद्य ग्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारती रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्राप्रैल 1981

को पूर्वेक्ति संपर्तित के उचित बाजार भूल्य से कम के इष्ट्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रयमान प्रतिफल से, एसे द्र्यमान प्रतिफल का पृन्द्रह प्रति-शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियाें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री भ्रबदुल नाजीर एण्ड भ्रदर्स, सुपुत्र भ्रबदुल हमीद खां, निवासी----988, हवेली बखतावर खां, मतीया महल, विल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोहर श्रली खां एण्ड श्रदर्स सुपुत्र श्रखतार श्रली खां, निवासी—425, छटालाल मियां, दिल्ली, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितश्र्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>र</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुमा है।

#### **उलस**ची

मकान नं० 425, (न्यु) वार्ड नं० गली पहाड़ वाली, छटा सास मियां, दिल्ली ।

> विमल निर्माण्ट समक्ष प्राध्कारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 14 दिसम्बर 1981 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ(1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1981 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०2/एस-प्रार-1/4-81/ 7795—ग्रतः मुझे , विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1358-59 भौर 1380, 1381, 1382 है तथा जो काश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास के रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से किथा गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अंत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-मूं के अनुबद्धक में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्त्रलिखित स्थितियों अर्थात:— (1) मेचर जनरल विरेन्दर सिंह जी० ए० श्री प्रताप सिंह निवासी----सुलतान सिंह बिल्डिंग, काश्मीरी गेट, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र शर्मा प्रोप० स्टुडेन्ट्स स्टोर, काश्मीरी गेट, विल्ली, निवासी—एस-114, ग्रेटर कैलाश, नई विल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु<sup>8</sup>।

### अनुसूची

जी॰ एफ॰ नं॰ 1358, 1359, 1380, 1381, 1382, कारमीरी गेट, दिल्ली ।

> विमल विभिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 14 विसम्बर 1981

प्ररूप आई . टी . एन . एस . -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सृष्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 14 दिसम्बर 1981 निर्देश सं० श्चाई० [ए० सी०/एक्यू०2/एस-श्चार-1/4-81/ 7796—श्वतः सुझे, विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जी० एफ० नं० 1360, 1361 श्रीर 1379 है लगा जो काएमीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक श्रिपेल 1981

को पूर्णोक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्वात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मे॰ जनरल विरेन्दर सिंह जी॰ ए॰ प्रताप सिंह, निवासी—-पुलतान सिंह बिल्डिंग, काश्मीरी गेट, दिन्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र शर्मा प्रोग० स्ट्रडेन्ट्स स्टोरेज, एस-114, ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूबना जारो करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्तीक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जी ० एफ ० नं ० 1360, 1361 श्रीर 1379 काश्मीरी गेट, दिल्ली ।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 14 विसम्बर 1981

माहर:

प्ररूप आई० टी० एन० ग्म० ------ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 2 नई दिल्ली, विनांक 14, दिसम्बर 1981 निर्देश सं० श्नाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-श्वार-1/4-81/ 7660—श्वतः भुझे, विमल वशिष्ट

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ-8 है तथा जो राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिक्त उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की कावृत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी कर्श मा उससे कक्ष्में में सुविभा को लिए; जार/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्न, जिल्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था किनाने में सुविभा के लिए;

कहः जुन्, उनत जिभिनियम, की धारा 269-न के जनुसरण में, मैं, अकद अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के जधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती लीला वन्ती पत्नी भ्रमर सिंह, निवासी-ए/165, गजरनवाला कालोनी, नई दिल्ली:

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जसबीर कौर पत्नी गुरबचन सिंह, एण्ड ग्रदर्स निवासी-एफ-8, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भक्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो छक्त श्रिक्षित्यम के मण्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिशा गया है।

### मनृस्ची

एफ-8, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज 2, दिल्ली, नई विल्ली-110002

दिनांक: 14 दिसम्बर 1981

## प्रकृष धाई• टी• एन• एस•---प्रायकर श्रीविषयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अवीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी० श्रार० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई विल्ली,

नई दिल्ली, विनांक 14 विसम्बर 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० म्रार०1/4-81/7740:—म्रत: मृक्षे, विमल विशष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूह्य 25,000/- व्यये से अधिक है

भीर जिसकी सं० 16/38 है तथा जो रोणनारा एक्स० स्कीम, शक्ति नगर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बंजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक छप से किया नहीं किया नथा है:—

- (का) अभ्यारण सं हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रीक्रिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्थरक के वायिरव में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया षाया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ब्रधीन, निस्ननिधिन व्यक्तियों. अर्थात् :--- (1) श्री सतीश कुमार सुपुत्र रोशन लाल गुप्ता, 12/18, शक्ति नगर, दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्री परशोतम दास सुरेश कुमार, राज कुमार, ह्री प्रकाश श्रौर प्रेम सिंगल, सुपुत्र श्रांगन लाल, सी०-33, सी० सी० कालोनी, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के प्रजॅन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की पविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति उत्तर;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इमर्ने प्रयुक्त शन्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिमाणित हैं, वही प्रयंहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं ० 16, ब्लाक नं ० 38, रोशनारा एक्स० स्कीम, शक्ति नगर, दिल्ली ।

> विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, विल्ली, नई दिल्ली-11-0002

तारीख: 14-12-1981.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

# भाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सृचना

भारत, सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-III, 54, रफीग्रहमद किदवई रोड़, कलकत्ता कलकत्ता-16, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

सं० एक्यू० श्रार-III/80-81/981 —-श्रतः मझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 36 ए है तथा जो एस० पी० मुखार्जी रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिध नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 15-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तारितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक स्म से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकयी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती प्रमीयेश साहा।

(अन्तरक)

(2) श्री धनपत राय कन्हैया लाल कारणाणी ट्रस्ट । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वों क्स सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

36 ए० एस० पी० मुखार्जी रोड़ कलकत्ता में ग्रबस्थित 8 कट्टा 34 वर्ग फीट श्रविभक्त जमीन का 1/12 हिस्सा जो 15-4-81 तारीख में डी० नं० 4768 पी श्रनसार सब रजिस्ट्रोर श्राफ एयसुरेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्री हुग्रा।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 8-12-1981.

प्ररूप आर्ध्र.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकसा

कलकसा, दिनांक 8, दिसम्बर 1981

निदेण सं र्फ्यूर-III न्नारः/80-81/983—यतः, मुने, माई वी र एसर जनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 36 ए है तथा जो एस० पी० मुखर्जी रोड़, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15 श्रभैंस, 1981

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक हुप म किथन नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनिधम, की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 22—436GI/81 (1) श्री श्रमरेन्द्र नाथ साहा।

(अन्तरक)

(2) श्री धनपतराई कानाईलाल कारणाणी ट्रस्ट । (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके प्वाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इत त्यां भी राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी स्थायतस्यो पर सूचना की तामिल से 30 विन को बवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिस्था:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उनसे अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक्तं हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याक में दिया गया है।

## अनुसूची

36 ए० एस० पी० मुखर्जी रोड़, कलकत्ता में श्रवस्थित 8-कट्टा 34 वर्ग फीट, श्रविभक्त जमीन पर 1/12 हिस्सा जो 15-4-81 तारीख में डीड नं० 4743-पी० श्रनसार संब-रजिस्ट्रार श्राफ एक्योरेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्री हुश्रा।

ग्नाई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्राजन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 8 विसम्बर 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर, 1981

निर्देश सं० एक्यू० १ \७-/80-81/984:—-प्रतः, मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पूला 25,000/- हाये से प्रधिक है भीर जिसकी सं० 36 ए है तथा जो एस० पी० मुखर्जी रोड़ कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबड अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 15 भ्रमैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृह्यगान प्रतिफन के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का धिवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी श्रन या श्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में प्रविद्या के लिए;

अतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण मैं, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपन्नारा (1) के के मुधीन, निम्नसिष्दित व्यक्तियों, सूर्यात्ः— (1) श्री हरिपद साहा।

(अन्तरक)

(2) श्री धनपतराई कानाईलाल कारणाणी ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

**उद**त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

श्राध्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

### अनुसूची

36 ए०, एस० पी० मखर्जी रोड़ कलकत्ता में श्रवस्थित 8 कट्टा 34 वर्ग फीट श्रविभक्त जमीन जो 15-4-81 तारीख में डी० नं० 4742-पी० श्रनुसार सब-रजिस्ट्रार श्राफ एश्योरेन्स का दफ्तर में रिजस्ट्री हुई।

श्राई० वी० एस० जनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16.

तारीख: 8-12-1981.

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 8, विसम्बर 1981

निर्देश सं० एक्यू०/ग्रार-III/80-81/985:--ग्रतः मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

भौर जिसकी सं० 36 ए है तथा जो एस० पी० मखर्जी रोड़, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15 भग्नैल; 1981

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण स हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायस्य में करों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर्या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें नारतीय श्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गथा या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन, निम्ननिश्चित व्यक्तियों, श्रथीत्:— (1) श्री निखिल कुमार साहा।

(अन्तरक)

(2) श्री धनपतराई कानाईलाल कारणाणी द्रस्ट । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके ब्र**बॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के** लिएकार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवार किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा नकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्धों स्रौर पदों का, जो **उक्त** श्रिधिनियम क स्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

36 ए एस० पी० मुखर्जी रोड कलकत्ता में भ्रवस्थित 8 कट्टा, 34 वर्ग फीट, भ्रविभक्त जमीन का 1/12 हिस्सा जो डीड नं० 4744-पी के श्रनुसार सब-रजिस्ट्रार ग्राफ एश्योरेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्री हुमा—15-4-81 तारीख में।

धाई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-III,कलकत्ता-16.

तारी**ख**: 8-12-1981.

#### SUPREME COURT OF INDIA

#### New Delhi, the 9th January 1982

No. F. 6/82-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri M. S. Bhave, Assistant as Officiating Court Master in the Registry of the Supreme Court of India with effect from January 2, 1982 until further orders.

The Hon'ble the Chief Justice of India has also promoted and appointed Shri R. K. Sharma, Senior Assistant Librarrian to officiate as Librarian w.e.f. January 8, 1982 until further orders.

S. GHOSH Assistant Registrar (Admn.)

#### UNION PUMLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 30th December 1981

No. 31013/1/81-Admn.II.—Chairman, Union Uublic Service Commission hereby appoints Dr. Shyam Kumar substantively to the post of Director (Information Systems) in the office of Union Public Service Commission with effect from 1st May 1981.

P. S. RANA Section Officer, for Chairman Union Public Service Commission

#### New Delhi-11, the 22nd December 1981

No. A.32013/3/79-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission's notification of even number dated the 2nd December, 1981, the President is pleased to appoint Shri B. Das Gupta, a Selection Grade, select list (1979) officer of the CSS, to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission w.e.f. 7-11-81 until further orders.

#### The 24th December 1981

No. A. 32013/3/80-Admn. I.—In continuation of the Union Public Service Commission's Notification of even number dated 5th November, 1981, the President is pleased to appoint the following Officers, included in the Select list of CSS officers for the year 1980, for appointment to Grade I thereof, to officiate as Under Secretaries, on a regular basis w.e.f. 1-3-81 until further orders, in the office of the Union Public Service Commission.

S. Name No.		 	 S,No. in the Select List
S/\$hri			
1. J. S. Sawhney			9
2. M. P. Jain			84
3. A. Gopalakrishnan			85
4. N. K. Soni			86
5. G. P. Saxena			94

#### The 7th January 1982

No. A. 32013/1/81-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of CSS to officiate as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission on an ad-hoc basis for the period shown against each:

#### S. No., Name & Period

- 1. Shri S. K. Mishra-30-9-81 to 29-12-81
- 2. Smt. V. K. Madan-28-10-81 to 27-1-82

Y. R. GANDHI Under Secy. Union Public Service Commission

#### M.H.A. (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th January 1982

No. N-2/69-AD.V.—Shri N. S. Mathur, Dy. Legal Adviser, Central Bureau of Investigation, New Delhi, on the expiry of his term of extension in service, has finally retired from the Government service with effect from the Afternoon of 31-12-1981.

HERO A. SHAHANEY Administrative Officer (A) Central Bureau of Investigation

#### DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110022, the 6th January 1982

No. O. II-1366/77-Estt.—The President is pleased to relieve Shri Des Raj Bains Dy. S. P. of 23 Bn, CRPF with effect from the afternoon of 31-5-81 on expiry of one month's notice under Rule 5(i) of CCS (TS) Rules, 1965.

No. D.I-24/80-Estt.—Consequent on his deputation to Tripura Armed Police, Shri S. Mukharjee, Dy. S. P. of CRPF relinguished charge of the post of Dy. S. P. (Coy Commander) in the afternoon of the 2nd December, 1981,

A. K. SURI Assistant Director (Estt)

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 7th January 1982

No. E-16013(1)/81-PERS.—On transfer from Bokaro Shri Baljit Rai Sur, IPS(MT: 54) assumed the charge of the post of Dy Inspector-General (R&T), CISF HQRs, New Delhi with effect from the forenoon of 30th December, 1981.

SURENDRA NATH Director General

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 12th January 1982

No. 10/34/81-Ad-I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri B. P. Mahapatra, Assistant Registrar General (Language) in the office of the Registrar General, India (Language) Division) at Calcutta, as Deputy Registrar General (Language) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 1st December, 1981 or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

- 2. The headquarters of Shri Mahapatra will be at Calcutta.
- 3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Mahapatra any claim to regular appointment to the post of Deputy Registrar General (Language). The services rendered by him on ad hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the nevt higher grade. The abovementioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without assinging any reason therefor.

No. 11/36/80/-Ad.I.—The Preesident is pleased to appoint, by promotion, Shri K. C. Upadhyaya, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow as Assistant Director Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, with effect from the forenoon of the 14th December, 1981 for a period not exceeding one year or till the post is filled in, on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Upadhyaya will be at Lucknow.

3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon the officer concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by him on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical) nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA Registrar General, India

# MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) BANK NOTE PRESS

Dewas, the 1st January 1982

No. BNP/G/4/79.—Shri R. K. Ghoshal, a permanent Junior Supervisor (Numerota Printing) is apointed to officiate as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the scale of pay Rs. 650-1200 (Group 'B' Gazetted) on ad-hoc basis in Bank Note Press, Dewas in short term leave vacancy with effect from 29-12-81 to 30-1-82.

M. V. CHAR General Manager

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 31st December 1981

No. Admn. I/O.O. No. 382.—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints Shri Hardwarl Singh permanent Section Officer of this office to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the forenoon of 31-12-81 until further orders.

S. C. ANAND Joint Director of Audit (Admn.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I M. P. Gwalior, the 7th January 1982

No. DE.I/GOs-Promotion/393/2447.—The Accountant General, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent section officers as Accounts officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 w.e.f. the dates noted against each:—

Sl. Name No.	Allocation	Permanent No.	Date of joining
S/Shri		_ <del></del> _	<del></del>
1. R.C. Vyas	AG. l	02/270	31-12-81 FN
2. F. L. Jain	17	02/271	4-1-82 FN
3. V. G. Joglekar	,,	02/272	4-1-82 FN
4. R. K. Sharma	AG. II	02/274	31-12-81 FN
5. P. P. Gandhi	***	02/275	4-1-82 FN
6. V. B. Bhagwat	**	02/276	31-12-81 FN
7. P. A. Khaparde	25	02/743	31-12 <b>-</b> 81 FN
8. Suresh Chandra	***	02/1057	31-12-8J FN
9. P. D. Jatav	***	02/1406	31-12-81 FN
10. R. D. Sonwal	,,	02/1529	31-12-81 FN

D. C. SAHOO,

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 6th January 1982

No. Admn. I/8-132/81-82/430.—The Accountant General-I, Andhra Pradesh has been pleased to promote Sri P. V. R. Subrahmanyam, Selection Grade Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad to-officiate as Accounts Officer in the Scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 31-12-1981 F.N. until further orders.

Name & Date of assumption of Charge

Sri P. V. R. Subrahmanyam-31-12-1981 F.N.

The promotion is ordered without prejudice to the claims of his seniors and also subject to the result of the Writ Petitions pending in the A. P High Court/Supreme Court.

R. HARIHARAN Sr. Dy. Accountant General (Admn).

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ORISSA

Bhubaneswar, the 28th October 1981

No. Admn-IAD-1-29-con-2671.—The Accountant General is pleased to appoint substantively the following officiating Accounts Officers of this office in the cadre of Accounts Officers from the dates noted against each:

- 1. Sri Saroj Kumar Mazumder-1-4-78
- 2. Sri P. Venkateswarulu-3-11-78
- 3. Sri A. K. Ghosh--1-4-79
- 4. Sri Niranjan Jena-1-6-79
- 5. Sri Niranjan Mohanty-26-6-79
- 6. Sri R. K. Jena-1-9-79
- 7. Sri R. Sudhakaran-1-11-79
- 8. Sri V. V. Ramanamurty---1-2-80
- 9. Sri J. R. N. Prusty-26-5-80

T. N. THAKUR Sr. Dy. Accountant General (Admn).

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE C. D. A. (ORs) SOUTH, TEYNAMPET

Madras-600018, the 5th December 1981

No. AN/II/8318083/Dispn.—Kum. S. Chandra Banu, Daughter of Shri T. Srinivasan, Quasi Permanent Auditor (Account No. 8318083) of this organisation serving in the office of the Jt. CDA Incharge, PAO (ORs) EME, Secunderabad was granted earned leave from 2-7-1980 to 5-7-1980 with permission to leave duty station. She did not report for duty on expiry of the sanctioned leave ie on 7-7-1980 (6th July 1980 being Sunday). She extended her leave on medical grounds upto 19-11-80. The communications directing her to undergo medical examination for second medical opinion before the Superintendent, K. G. Hospital, Madras-600005, have been returned undelivered by the postal authorities with the remarks "Not found in duty time (Delivery time) and receipt of one communication has been "refused" by her. She continued to remain absent without any report from 20-11-1980. The charge sheet for major penalty sent to her at her known address has also been returned un-delivered by the postal authorities with the remarks Left without information. Kum. S. Chandra Banu also failed to be present before the Inquiring Authority as summened by him and hence the Inquiring Authority as summened by him and hence the Inquiring the reasons for leave from 6-7-80 as she neither reported for duty nor sent any communication explaining the reasons for ther absence even for the show cause notice sent to her intimating the proposed penalty of removal from service with effect from 15-10-1981 which was also returned un-

2

3

delivered. It has therefore been finally decided by the disciplinary authority to remove her from service with effect from fifteenth October, 1981 (15-10-81).

S. SWAMINATHAN Controller of Defence Accounts (ORs) South, Madras-18

## OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 30th December 1981

No. AN/I/1175/I/Vol-I.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers (on deputation as noted against each) of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500-60-1800-100-2000) of the Service, until further orders, with effect from the dates shown against their names, under the 'Next Below Rule':

(1) Shri Sanjiva Goyal	18-07-81	Chief Accounts Officer, Rajasthan Housing Board, Jaipur. (Since reverted)
(2) Smt. Harjeet Kaur Pannu	20-07-81	Under Secretary, Ministry of Defence, New Delhi
(3) Smt. Rukhsana Shaheen Alquadri	03-11-81	Deputy Land and Development Officer, Ministry of Works and Housing, New Delhi.
4) Shri Tarachandra Joshi	20-11-81	Under Secretary, Ministry of Defence, New Delhi.

No. AN/1/1172/1/Vol.I(PC).—The President is pleased to extend the ad hoc appointment of the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service in Level-II of the Senior Administrative Grade (Rs. 2250-125/2-2500) of that Service for a further period upto 31st March 1982. or till regular arrangements are made, whichever is earlier.

- 1. Shri C. V. Nagendra
- 2. Shri S. Mallick
- 3. Shri B. N. Rallan
- 4. Shri R. N. Tyagi
- 5. Shri K. P. Rao

R. K. MATHUR Addl. Controller General of Defence Accts. (Admn)

#### New Dolhi-66, the 4th January 1982

No. AN-II/2158-81.—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in an officiating capacity with effect from the date noted against each until further orders:

Sl. No.	Name	Organisation	Date	
<u>-</u>	2	3	4	
S/S				
1. P.	A. Paranjape	C.D.A. (Officers) Pune	12-2-80	
2. P	rit Pal Singh	J.C.D.A. (Funds) Meerut	14-2-80	
3. C	.P. Singh	C.D.A. (ORS) North, Meerut	18-2-80	
4. K	. Venkatoswara Rao	C.D.A. (ORs) South, Madras	12-2-80	
5. C	R. Sudagopan	C.D.A. SC, Pune	12-2-80	
ú, R	am Nagina Choubey	C.D.A. (Pensions), Allahabad	12-2-80	

1	2		3	4
	S/Shrì	_	<del></del>	
7.	R.R. Dhobal .		C.D.A. (AF)	12-2-8
			Dehradun	12 2 0
8.	S. Sivakumaran Thampy	•	C.D.A., SC, Pune	12-2-8
9.	K. Sadasivam .		C.D.A. (Officers) Pune	12-2-8
10.	T. Ramakumaran		C.D.A. (Officers) Pune	12-2-8
11	Kirshan Lal ,		C.D.A., CC, Meerui	12-2-8
	S.R. Nagarajan		C D.A., SC. Pune	12-2-8
13.	Surjit Singh .	٠	C.D.A. (Navy) Bombay	12-2-8
14.	A.S. Vasan .	,	C.D.A. (ORs) South, Madras	12-2-8
15.	Swamirendra Dass		C.D.A. (Pensions) Allahabad	12-2-8
16.	R. P. Sharma .		C.D.A., CC, Meerut	7-3-8
	N. L. Prasad .		C.D.A. (AF) Dehradun	12-2-8
18.	K. Gopal Krishnan Nair		C.D.A., SC, Pune	12-2-8
19	V. Subramanian		C.D.A. Patna	12-2-8
	Satyendra Nath Mit	re	C.D.A (Pensions),	22-2-8
			Allahabad Controller of	12-2-8
∠1.	G, Sankaranarayan	•	Accounts,	14-4-0
			(Factories) Calcutta.	
22	A. K. Sarkar		C.D.A. (Penions),	
<b>-</b> 1.	. II. II. DEINE	•	Allahabad	12-2-8
23	Jagan Nath Hastir		C.D.A., WC, Meerut	19-5-8
	R. Rangaswamy		C.D.A. (Navy)	12-2-8
۳4.	ic. Rungaswamy	•	Bombay	12-2-0
25.	Krishan Lal Kalra		C.D.A., WC, Meerut	12-2-8
	K.V. Gopalakrishna		Controller of	12-2-8
	The second second second		Accounts, (Fys), Calcutta	0
27.	V. M. Kanetkar		C.D.A. (ORs), South, Madras	12-2-8
28.	V. Krishnamurthy		C.D.A., SC., Pune	12-2-8
29.	Rameshwar Das		C.D.A. NC, Jammu	25-3-8
30.	A.R. Bhattacharya	٠	C.D.A., SC,	
			Pune N.B.R. with effect from	12-2-8
٠.	NI MI A anaka		• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	12-2-8
	N.W. Agashe	•	C.D.A. (Officers)	
	M.G. Datar .	٠	C.D.A. (Officers) Pune	12-2-8
	G. Kshcerasagar		, ,	21-2-8
	A.K. Gupta Sharma		C.D.A. Patna	12-2-8
_	B, K, Parad	٠	C.D.A. (Officers) Pune	28-2-8
-	. J. P. Sharma		C.D.A., CC, Mecrut	18-2-8
37.	. Lakhbir Singh	•	C.D.A. (AF) Dehradun	4-3-8
38	. Devendra Singh		C.D.A. (AF), Dehradun	12-2-8
	. S.S. Malhotra .	•	C.D.A. (Pensions) Allahabad	13-2-8
-	. Bimal Krishnadas Choudhury	٠	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	23-2-8
_	. Kamlesh Verma	•	C.D.A. (Pensions) Allahabad	21-2-8
	. Harbans Lat .	•	C.D.A. (ORs) North Meorul	12-2-8
43	. Bhav Mohan Sharn	na	J.C.D.A. (Funds) Meerut	12-2-8
44	. Har Swaroop Sharr	118	C.D.A., WC, Meerut	12-2-8
4.5	. Arun Kumar Ghosi	h.	Controller of Accounts, (Fys), Calcutta	23-2-8

1	2	3	4	1	2	3	4
	S/Shri			<del>//</del>	S/Shri	<del></del>	
	P.V. Prabhakaan Nan	C D.A. (ORs) South Madras	1-3-80	79	I.D. Singh	C.D.A. (Pensions) Allahabad	10-3-80
	Jai Dev T.R. Neelakantan	C.D.A., W.C. Meerut C.D.A. (Pensions), Allahabad	14-4-80 28-2-80	80.	S.J. Singh	C.D.A. (ORs) North, Meerut	N.B.R. with effect
49.	Daniel Manoharan		NBR with effect				from <b>29-4-</b> 80
			from 13-2-80		B. K. Mahajan	C.D.A. (N.C.) Jammu	
	Amar Chand Dutta	C.D.A., WC, Meerut	13-2-80		S. Viquar Hussain	J.C.D.A. (Funds) Meerut	21-5-8
	T.R. Sarin	C.D.A. Patna	11-3-80		Gabar Singh Negi	C.D.A. Patna	15-4-8
52.	B.R. Chaubey	C.D.A. (ORs) North, Meerut	27-2-80		Hans Raj ' R.C. Dhingra	C.D.A. Patna	23-5-8
53.	Nasser Hussain Zuberi	Controller of Accounts, (Fys)	28-2-80		· ·	C.D.A. (ORs) North, Meerut C.D.A. (ORs)	9-7-8 16-4-80
		Calcutta		001	IL. I TABOUT TEAM	South, Madras	10-4-00
54.	Markenday Singh	Controller of Accounts, (Fys), Calcutta	29-2-80		K.B. Sivasubramanian	C.D.A. Patna	29-5-8
55.	P.N. Tandon	C.D.A. (ORs) South, Madras	29-12-80		Surinder Singh Syali	C.D.A. (AF) Dehradun	29-7-8
56,	N. P. Singh	C.D.A. (Pensions), Allahabad	13-2-80		Gurucharan Singh	C.D.A., WC, Meerut C.D.A. (Navy)	21-5-8
	Ram Kishan Khanna	C.D.A., NC. Jammu	25-3-80		Karam Singh  Mohan Chand Goyal	Bombay C.D.A. (HQrs)	23 <b>-</b> 4-8
	H.S. Srivastava	C.D.A. (Pensions), Allahahad	13-2-80		Mahesh Chandra	New Delhi	14-7-0
	Mahak Singh	C.D.A., WC, Meerut	4-3-80		Sharma	J.C.D.A. (Funds)	15-4-8
60.	Gopal Das Bhatnagar	C.D.A. WC Meerut	2-4-80	24	en	Mœrut	
<i>C</i> 1	R. Subramanian	C.D.A., SC, Pune	15-3-80	93.	Shyam Beharilal Saxona	C.D.A. (Pensions)	20.40
	M.R. Devasthali	Controller of Accounts (Fys), Calcutta		94.	Harish Chandra	Allahabad C.D.A. (N.C.)	28-4-8 18-6-8
63.	K.R. Rajasekharan Nair	C.D.A., SC, Pune	3-3-80		K.V. Sherkar	Jammu C.D.A. (Officers)	21-4-8
64.	N. Danial Bose	C.D.A. (ORs) South, Madras.	18-3-80	96.	Man Mohan Singh	Pune C.D.A., C.C. Meerut	15-4-8
65.	Bhagat Singh Negi	C.D.A. Patna	22-3-80	97.	Shiv Swaroop Sharma	C.D.A. (ORs)	26-5-8
66.	V. Ramadurai	Controller of Accounts, (Fys)	19-3-80	98.	K.D. Tiwari	North, Meerut C D.A. (Pensions) Allahabad	15-4-8
67.	Krishan Dev	Calcutta CDA (ORs)	26-3-80	99.	F.S. Krishnamurthy	C.D.A. (AF) Dehradun	2-5-8
68.	V.S.K. Vital	South Madras C.D.A., SC, Pune	26-3-80	100.	R.M.V.S. Rao	Controller of Accounts	12-5-8
69.	Krishan Lal Batra	C.D.A., SC, Pune	31-3-80			(Fys), Calcutta	
70.	Ramendra Banerjee	Controller of Accounts, (Fvs), Calcutta.			Prem Bali	J.C.D.A. (Funds) Meerut	5-5-8
71	Mridul Kumar Goswami	C.D.A. Patna	31-3-80	102.	Prem Chand Gupta	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	1-5-8
<b>7</b> 2.	Y, Subba Rao	C.D.A (ORs) South,	28-3-80	103.	M. Srinivasan	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	30-5-8
73.	Y. Govinda Rao	C.D A., SC, Pane	12-3-80	104.	Yashpal Sahai	C.D.A. (ORs)	1-5-8
	Kailash Chand	C.D.A. (OR9)	26-3-80		*	North Meerut	
,	Rastogi	South, Madras.	_0-5-00		Sushil Chandra Bhaumik Onkar Singh	Controller of Accounts (Fys); Calcu	itta 1-5-8 29-9-8
75.	Ramesh Chand Jain	C.D.A., CC, Meerut	25-3-80		Mahcshwari Khacheru Singh	North, Meerut C.D.A. (ORs)	29-9-8 3-5-8
76.	L. I. Dwivedi	C.D.A. (Pensions), Allahabad	6~3-80	108.	Anand Prakash Jindal	North, Meerut C.D.A. (Pensions) Allahabad	6-5-8
<b>7</b> 7. <b>*</b>	'Amar Nath	C.D.A., CC Meerut	13-5-80	109.	V.N. Thakur	C.D.A. Patna	1-5-8
78	D N. Ram	C.D.A. (ORs)	29-4-80		P.S.R.K. Sastry	C.D.A. (Officers)	2-5-8
		North, Meerut				Pune	

1	2	3	4	1	2	3	4
	S/Shrı				S,Shri		
11.	V. Ramachandran	CDA, SC	1-5-80	139.	T.R Gupta	C.D.A (Pensions),	2-6-80
12.	Battu Nagendia Rao	Punc C D A (Officers) Pune	3-5-80	140	Padmanabh Misra	Allahabad CDA (Pensions),	20-6-80
13	K. Ch	CDA (Officers)	2-5-80	141.	S Ramanathan	Allahahad CDA, SC, Pune	9-6-80
	Brahmananda Rao	Pune			M G. Lal	C D.A. (ORs)	28-6-80
4.	K Sambasiya Rao	Controller of	1-5-80			South, Madras	
		Accounts (Fys), Calcutta			K L. Kundu Dharam Prakash	CDA Patna	4-6-80
15	T.N. Jayataman	Controller of Accounts	29-5-80	144	Dharam Prakash	C.D.A. (ORs) North, Meerut	NBR w.e.f.
	1.11. Jayaramas.	(Fys) Calcutta	2, 000			Horm, Meetut	14-7-80
16.	Satya Dev Arya	C.D A, CC, Meerut	23-6-89	145	Sant Kumar	CDA (Pensions)	14-7-80
	Harish Chandra	C D.A (Pensions)	NBR			Allahabad	
	Makrandı	Allahabad	w e f		Dadhi Bal Rajput	C D A. Patna	29-7-80
	I	CDA, CC, Meerut	1-5-80 1-5 <b>-</b> 80		Rishi Kumar Gupta	C.D.A., CC, Meerut	29-7-80
	Jaswant Rai Suri M Somayyah	CDA, (ORs) South	1-5-80	148.	V P. Singhal	CDA (ORs), North, Meerut	NBR
17	M Somayyan	Madras	1-5-00			North, Meetut	w e.f. 16-7 <b>-</b> 80
20	Bakshi Sangat Singh	CDA CC Meerut	27-6-80	149.	R P.S. Yadav	CDA (ORs)	10-1-00
	Mangat Ram	C D.A (Navy)	NBR.	- 12.	<del></del> ·	North, Meerut	16-7-8
		Bombay	with effect		. Inderjeet Singh	C D A. Patna	11-9-80
			from		Devinder Sam	C.D.A, CC, Meerut	14-7-80
	=1 -	GB 4 /B	16-6-80	152	Madan Mohan Lal Khanna	C.D.A. (Pensions), Allahabad	5-7-80
22	Charan Dass	C D.A (Pensions) Allahabad	16-6-80	153.	D. P. Guha	Controller of	
77	D V Syrvactova	Controller of	12-6-80		Khasnobish	Accounts,	1-7-80
25.	PK Srivastava	Accounts (Fys), Calcutta	12-0-00	154.	Shrı Pal Jain	(Fys), Calcutta C.D.A (Officers)	12-9-80
24.	Ram Pal Singh	Cotroller of	1-5-80	155.	Surendra Bahadur	Pune C.D.A., SC,	16-7-80
		Accounts, (Fv),			Singh	Pune	10 7 00
		Calcutta		156,	K. L. Kapoor	C D.A., WC, Meerut	3-7-8
25	Yash Pal Singh	C D.A (MC)	1-5-80	157	Suresh Chanda Goyal	C D A., Patna	29-11-80
	Dave Dave	Jammu			Jai Prakash Garg	CDA (ORs)	10-11-80
40.	Raja Ram	C.D A. (Pensions), Allahabad	2-6-80			South, Madras	<b></b>
7	Radhey Lal Goyal	C.D.A , CC,	NBR	159.	S. K. Bhatia	C D.A., WC, Meerut	7-7-80
• / •	Radiley Ear Goyal	Meerut	w e.f.	160.	Ram Niwas Gupta	C.D A., SC, Pune	NBR
			2-6-80	400,	111111 1111111 0 mp, m	0.0 111, 00, 1 4,10	w.c.f.
28	M Mukherjee	Controller of		161	Raj Kishore Singh	Controller of	1-7-80
		Accounts (Fys),	2.6.90	101.	Kaj Kishote Singh	Accounts, (Fys)	1-7-80
20	G. Muralidharan Nair	Calcutta C.D A (Officers)	2-6-80 2-6-80			Calcutta	
67	G. Mulanduaran Nan	Pune (Officers)	2-0-00	162.	Yogendra Dutta Tiwari	C.D A., CC, Meerut	20 7 00
30.	Sah Dev	C.D A, WC,	30-6-80	163.	Bhim Sain	C.D.A. (HQrs),	28-7-80 21-10-80
		Meerut				New Delhi	21-10-00
31.	D.L.N. Reddy	Controller of	2-6-80	164	M. Kotilinga	C.D.A.	22-7-80
		Accounts (Fys),		165	Charyulu R.D Shrotriya	(ORs) South, Madras CDA, CC,	1.70
		Calcutta		105.	K.D Smolliya	Meerut	1-7-80
32.	Sudhir Kumar Mitra	Controller of	2-6-80	166.	L. K. Dubey	C D A. (Pensions)	26-7-80
		Accounts (Fys), Calcutta		1.00	D. Malana	Allahabad	
12	M. Suryanarayana	C D.A , (ORs)	3-6-80	167	R Mohanarangam	C D.A. (Pensions) Allahabad	2-7-80
,,	Wi. Suryanarayana	South, Madras	7-0-00	168.	Bansi Lal Sobti	CDA, CC, Meerut	14-8-80
34.	Ede Madhava Rao	CDA (Officers)	9-6-80		Dharam Pal	C.D.A , Patna	26-9-80
		Pune		170.	Ram Krishna Saxena	C.D.A., Patna	27-10-8
35	V Sambasiva Rao	C.D A (Officers)	9-6-80	171	P D. Krishnaswamy	C.D A (ORs)	1-8-86
	_	Pune		4=0	Trulahau T -1 Tr -1-1	South, Madras	
36	Nityananda	Controller of	20-6-80		Krishan Lai Kohli	CDA, CC, Meerut	15-9-80
	Chakravarty	Accounts,		173	Bishan Swarup Gupta	C.D A. (AF) Dehradun	27-10-8
17	S Samba Murthy	(Fys), Calcutta C.D A (ORs)	NBR	174	MD. A. Wasay	C.D A, Patna	100
31	5 Samoa Muthy	South, Madras	wef		PD Thangadurai	•	1-8-80
		second as more - P.M.	3-6-80	1/3.	I To Thankanman	C D A. (ORs) South Madras	1-8-80
	J.V.S S A	CDA, SC Pune	3-6-80	176.	B. Gopal	C.D.A. (ORs)	18-8-80
38.	4. ( ID ) / L						

Ī	"	٦	1	I	2.	3	4
	S/Shrı				S Shri		
177	K L P nerjec	CDA Patna	16-8-80	716	o Jalish Chandia	CDA (OR) North,	11-11-80
	Su if Chandra	Controller of	8-8-80	-11	, is usu cumuu	Merrut	11 11 00
	Mukberjec	Accounts (Fys) Calcutta	_	217	I K Dargan	( DA (ORs) North Meerut	22-12-80
179	K L Joshi	CDA (ORs) South, Madras	1-8-80	218	Mu tala Hussam	CDA (ORs) North, Meerut	13-10-80
	Satya Pal Chopra	CDA, Patna	29-9-80	219	J D Gupta	CDA,WC	NBR
181	Motwani Arjun	CDA (Pensions) Allahahad	1-8-80			N'cerut	wef 16-10-80
182	LR Tanoja	CDA (Officers) Pune	29-9-80	220	K Parthasarathi	Controller of Accounts (Fvs),	16-10-80
183	O P Bakshi	CDA, (AF) Debradun	23-9-80	221	K D Misra	Calcutta CDA (ORs)	31-10-80
184	Jagp il Singh	CDA (ORs)	NBR	223	C II C	South, Madras	22 10 90
		North, Meerut	w e f	222	. S H Sriniyasa Murthy	( DA (ORs), South, Madras	23-10-80
185	C Gopalaktishnan	CDA (Officers), Pune	4-9-80 4-9-80	223	S Veerabhadia Rao	( D A (ORs) South, Madras	21-10-80
186	Suresh Vir Singh	CDA (Pensions)	8-9-80	224	M V Subhavadham	CDA (ORs) South, Madras	21-10-80
187	Kuldip Singh Sachai	Allahabad CDA (Pensions)	29-9-80	225	H S. Simath	C D A (Navv) Bombay	27-10-80
188	Gas Ras Smah	Allahabad	20.11.00	226	Aut Singh Bay a	CDA (ORs)	24-10-80
	Gaj Raj Singh Hira Nand	CDA, Pa(na CDA, (AF)	29-11-80 6-9-80		J	North, Meerut	
190	N V Ramachandra	Dehradun CDA Patna	4-9-80	227		C D A (ORs) South, Madras	21-10-80
	Rao PS. Mehta	C D A. (Pensions)	29-9-80	228	5 N Bhattacharjee	Controller of Accounts (Fys),	11-11-80
		Allahabad	23-5-00	220	K R Dinitius	Calcutta C D A , SC, Pune	21-10-80
192	Satya Narain	CDA Patna	18-9-80		Rounag Lal	$\dot{C}DA,WC,$	24-10-80
	J K Srivastava	CDA Patna	17-9 80	2.10	Rounay Lai	Meerul	21
	S P Shukla Madan Gopal Divekar		23-9-80 3-9-80	231	M P Thite	C D A (Navy) Bombay	31-10-80
		Bombay		232	Gurbaksh Singh	CDA, NC Jamnu	21-11-80
196	D K Mukherjee	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	1-9-90	233	R Ramachandran	Controller of Accounts (Fys),	24-11-80
197	R Babu I akshmanan	C D A (ORs) North, Meerut	22-9-80	234	DN Misia	Calcutta CDA (Pensions)	24-11-80
198	TN Khanna	CDA,CC,	24 9-80	235	Gian Chand Bansal	Allahabad (, D A (ORs) North	25-11-80
100	Doobysky Cynak	Meerut			<b></b>	Mcerut	
	Raghubir Singh M J Sandhana	CDA, WC, Meerut CDA (Officers) Pune	1-9-80	236	Tılak Raj Sharma	Jt CDA (Lunds)	17-11-80
	Suresh Chandra	CDA (Officers) Pune CDA, WC, Meerut	4 9 80 NDD			Meerut	20 11 00
	Saxena	CDA, WC, Meetut	NBR wet 8-10-80	237	S K Smha	Controller of Accounts, (Fys) Calcutta	28-11-80
202	P N Mukherjee	Controller of Accounts, (Fys),	8-10-80	238	L Janardhan Rao	CDA(QRS)	28-11-80
		Calcutta				North, Meerut	25-11-80
	C L Chopra Hakumat Rai Arora	C D A, WC, Meerut C D A (AF),	6-10-80 4-10-80	239	JS Khorgade	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	29-11-00
205.	S Krishnamurthy	Dehradun CDA (ORs)	8-10-80	240	Ram Kishan	CDA (Pensions) Allahabad	28-11-80
206	C I Prabhakar	South, Madras C D A (ORs) North,	13-10-80	241	K L Venkatasubbiah	Jt CDA (Funds) Meerut	17-11-80
	Kamljit Singh	Meerut C D A, WC, Meerut	10-10-80	242	P Smya Rao	C D A (Pensions) Allahabad	21-11-80
308	Sheo Raj Singh	CDA (ORs) North, Meerut	9-10-80	243	M V Padmanabhan	CDA, SC Pune	6-12-80
209	Shaim Prakash Gautam	CDA, WC, Meerut	6-10-80	244	Nair Shank 11 Lal	C D A (ORs)	24-11-80
	R N Goswami T C Rajappan Pillay	CDA, Pa(na CDA (Officers)	21-10-80 29-10-80	245	Gurbaksh Singh	Central CDA, WC,	28-11-80
	B N Pradhan	Pune C D A (ORs) North		246	S. Krishna Rao	Meerut CDA (ORs) North,	24-11-80
	N C Jain	Meerut CDA, CC	6-10-80		K Sundara Rao	Mecrut C D.A. (ORs)	12-12-80
		Meerut	6 10-90		K. P. Kesavan	North, Meerut C D.A (Navy)	29-11-80
	Gutsaran Singh	CDA, WC, Meerut	4-10-80			Bombay CDA (Pensions)	17-11-80
115	JN Roy	CDA (Pensions)	7-10-80	249	HS Ranga	Allahabad	1,-11-00

- —   -		3	2	<u>-</u>
'				
			S/Shrı	
11-80		DA (Pensions) Allahabad	ta Ram	250 Sita
12-8 <sup>()</sup>	8-	ODA (ORs) North, Meerut	alzor Singh	251. Balz
12-80	31-1	DA (ORs) North, Icerut	Iohan Lai	252. Moh
11-80	28-	D A (Pensions) Allahabad	at Ram Singh	253 Pat
11-80	24-	CDA (ORs) South, Madras	Nattarayan	254 G 1
11-80	24-	CDA (Navy) Bombay	Rajamany	255 C F
11-80	29-	DA (ORs) outh, Madras	hoop Singh	256. Bho
11-80	20-	OD A (ORs)	ota Ram	257. Tota
12-80	10-	D.A. (ORs) outh, Madras	loop Ram Singh	258. Roo
12-80	10-	DA (Officers)	K Paramanık	259. A K
11-80	24-	DA, SC, Pune	Sekharan	260 P S
2-80	1-	DA, CC Meerut	rabhu Dayal	261 Prai
11-80	24-	Controller of Accounts, Fys), Calcutta	V S Waidya	262 W S
11-80	26	DA (ORs) outh, Madras	Balakrishnan	263 A I
11-80	24-	CDA, Navy, ombay	D Vasava	264 T D
11-80	27-	TDA, WC, Meerut	mar Nath Shauq	265 Ama
11-80	28-	Controller of Accounts Fys), Calcutta	K Saha	266 AK
12-80	17-	ontroller of accounts, (Fys), Salcutta	Prasannan	267 T P
12-80	5-	DA (ORs)	ishan Lal	268. Kish
11-80	21-	DA (ORs)	amesh Chandra	269, Ran
11-80	10-	DA, CC, Mcerut	P Manocha	270 В Р
1	21-	'alcutta CDA (ORs) Jorth, Meerut CDA (ORs) North, Meerut	amesh Chandra	269, Ran

A K GHOSH. Dy. Controller Genl of Defence Accts (Proj )

#### MINISTRY OF DEFENCE

#### INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

#### ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 19th December 1981

No 54/G/81 - The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg DADGOF/DM with effect from the date shown against them

- Ranga Rao, AM(Prob)—1st July 1981 K Bondopadhyay, Ty AM—1st July, 1981 R Sudhakar, AM (Prob)—30th Nov, 1981 (3) Shri P R
- (4) Shri S R Tiwaii, AM (Prob)-30th Nov., 1981
- (5) Shr<sub>1</sub> M V Srınıvasan, AM (Prob)—30th Nov 1981
   (6) Shri P M Meshram, AM (Prob)—30th Nov, 1981

#### The 4th January 1982

No. 55/G/81—The President is pleased to accept resignation of Shri C B Vadgaonkar, Temporary Manager with effect from 2nd Sept. 1981 (AN) the Asstt.

> V. K MEHTA Asstt. Director General Ordnance Fys

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 11th January 1982

IMPORT AND EXPORT FRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No 6/533/58 Admn 'G'/348 - The President is pleased to giant extension of service for a period of one year to Shri A Ramachandran, an officer of the Selection Grade of the Central Secretariat Service and presently working as Export Commissioner in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, beyond the age of super annuation with effect from the 1st January, 1982

> MANI NARAYANSWAMI Chief Controller of Imports and Exports

## (DEPARTMENT OF TEXTILES)

#### OFFICE OF THE TFXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 23rd January 1982

#### CORRIGENDUM

No 5(2)/80-CIBII/136 -- In this Office Notification No 5(2) /81-(1 B II dated 231d November, 1981 regarding Marking Regulation, published in the Gazette of India, Part III-Sec I, at pages 13805-13806, week ending on 12th December, 1981, in the eleventh line from the bottom on 13806-

for paragraph number 'VI' read 'IV'

O L DAVID, Assistant Enforcement Officer

#### MINISTRY OF INDUSTRY

## (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALF INDUSTRIFS)

New Delhi, the 1st January 1982

No A-19018(573)/82-Admn (G) — The President is pleased to appoint Shri D D Singh, a Gr II Officer of IES and Assistant Economic Adviser in the Department of Economic Affairs as Director (Gr. II) (EI) in the Office of Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the afternoon of 11th December, 1981 until further orders

> C C ROY Deputy Directot (Admn)

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 6th January 1982

No A-1/1(1103) —Shri G Nandiga, officiating Director (Admn) (Gr II) in the office of the Director of Inspection (Met), Burnpur retired from Government Service with effect from the afternoon of 30th November, 1981 on attaining the age of superannuation

> S L KAPOOR Deputy Director (Administration) for Director General of Supplies & Disposals

#### (ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi 110001, the 7th January 1982

No A 6/247(286) -Shri S P. Chatterjee, a Assistant Inspecting Officer (Figg) and officiating Inspecting Officer (Engg) in the Office of Director of Inspection, Calcutta retired from Government Service wef 31-10-1981 (AN) on attaining the age of superannuation No. A-6/247(301)/61.—Shri N. R. Ghosh, a permanent Assistant Inspecting Officer (Met-Chem) and officiating Assistant Director of Inspection (Met-Chem) (Grade-III) of Indian Inspection Service, Group 'A' (Met-Chem Branch) in the office of Director of Inspection (Met.), Jamshedpur retired from service on the afternoon of 30-11-1981 on attaining the age of superannuation.

M. G. MENON
Deputy Director (Administration)

#### MINISTRY OF STEEL & MINES

## DEPARTMENT OF STEEL JRON & STFEL CONTROL

Calcutta-20, the 31st December 1981

No 1:1-2(3)/75(.).-—Iron & Steel Controller hereby appoints the undermentioned persons on promotion to officiate in the post of Assistant Iron & Steel Controller in this office w.e.f. 1-1-82 F. N.:—

- (1) Shii Benoy Bhusan Bagchi
- (2) Shri Jyoti Ranjan Chakraborty

Calcutta-20, the 6th January 1982

No. EI-2(3)/75().—Iton & Steel Controller Intohy appoints Shri S. C. Sarkar, Superintendent, on promotion to officiate in the post of Assistant Iron & Steel Controller in this office w.e.f. 4-1-82 F.N.

S. N. BISWAS Joint Iron & Steel Controller

#### (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta 700016, the 5th January 1982

No. 172B/A-19012(1-HCK)/80-19-A.—Shri Hem Chandia Khanduri is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 26th September, 1981, until further orders.

J. SWAMINATH Director General Geological Survey of India

#### NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 4th January 1982

No. F. 8-30/81-Estt.—Sh. B. R. Sharma, Offg. Administrative Officer on ad-hoc basis is appointed as Administrative Officer on regular temporary basis with effect from 1st January, 1982 (F.N.) until further orders.

S. A. I. TIRMIZI Director of Archives

#### New Delhi-1, the 8th January 1981

No. F. 11-9/80(A1)-Estt.—The Director of Archives, Govt. of India hereby appoints Shi V. N. Kholi Asstt. Archivist Gr. I(G) and Offg. Archivist (General) on 2d hoc basis as Archivist (General) on regular temporary basis w.e.f. 1-1-82 (F.N.) until further orders.

B. R. SHARMA Administrative Officer, for Director of Archives

#### DIRI CTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th December 1981

No A-32013/1/81-SV.—The DG, All India Radio is pleased to appoint the following Officers in the Grade of Inspector of Accounts on regular basis in DGAIR/DG, Door-

darshan, New Delhi with effect from the dates shown against each.

- Shi J. P. Jain, ad-hoc Inspector of Accounts, DG-AIR, New Delhi, with effect from the afternoon of Nov. 17, 1981, in Directorate General, All India Radio, New Delhi;
- (ii) Shri M. P. Jain, ad hoc Inspector of Accounts, DG, Doordarshan, with effect from the afternoon of November 17, 1981 in DG, Doordarshan, New Delhi;
- (iii) Shri Bharat Singh, ad hoc Inspector of Accounts, Directorate General, All India Radio, New Delhi, with effect from the afternoon of November 17, 1981 in DGAIR, New Delhi; and
- (iv) Shri A. K. Ganguli, Senior Administrative Officer. NSEAIR, New Delhi, with effect from the afternoon of December 10, 1981 in DGAIR, New Delhi.

#### The 2nd January 1982

No 3/17/64-SII(Vol.II).—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri P. K. Boro, Accountant, All India Radio, Shillong to officiate and Administrative Officer at All India Radio, Imphal with effect from 16-12-1981 until further orders.

#### The 7th January 1982

No. 10/144/61-SII.—The Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri G. D. Dhongde, Accountant All India Radio Sangli to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Nagpur with effect from 23-12-1981 (F.N).

No. 2,42/80-SII.—The Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri V. L. Sahu, Senior Accountant, Central Sales Unit, All India Radio, Bombay to officiate as Administrative Officer, Doordarshan Kendra, Calcutta with effect from 28-12-81 (F.N).

S. V. SESHADRI Deputy Director Administration. for Director General.

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (STORE I SECTION)

New Delhi, the 5th January 1982

No. A. 22012/1/81-S1.—1. Consequent on his transfer Shii Samir Chowdhury relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director General (MS) Medical Store Deput, Hyderabad on the forenoon of the 22nd September, 1981 and assumed charge as DADG (MS) Medical Store Deput, Calcutta on the afternoon of 23rd September, 1981.

- 2. Consequent on his transfer Shii M. L. Meena relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director General (MS) Medical Store Depot, Calcutta on the afternoon of the 23rd September, 1981 and assumed charge as DADG (MS) Medical Store Depot Gauhati on the forenoon of the 12th October, 1981.
- 3. Consequent on his transfer Shri H D. Patel relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director General (MS) Medical Store Depot, Gamhati on the forenoon of the 12th (terober 1981 and assumed charge as DADG (MS) Medical Store Depot, Hyderabad on the forenoon of 22nd October, 1981.

SHIV DAYAL Deputy Director Administration (Stores)

#### New Delhi, the 12th January 1982

No. A. 32014/7/81(NICD) Admn.J.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri U. C. Jatav, Superintendent, National Institute of Communicable Diseases, Delhi, to the post of Administrative Officer at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi with effect from

the afternoon of 30th November, 1981 in a temporary capacity and until further orders

Deputy Director Administration (O&M)

## MINISTRY OF RURAI RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the January 1982

No A 19023/35/78 A III—On his attaining the age of superannuation, Shi i S. P. Singh, Marketing Officer of this Dte at Lucknow, retired from Government Service with effect from the afternoon of 30-11-1981

#### The 7th January 1982

No A 19023/8/81-AIII — The ad-hoc appointment of Shii A Raghava Rao to the post of Marketing Officer (Group I) in this Directorate of Tirupur has been extended upto 19-11-81 (AN) Shii Rao stands reverted to the post of Assistant Marketing Officer (Group I) at Tirupur we f 20-11-81 (FN)

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

## DEPARTMENT OF A FOMIC ENERGY (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad 500016 the 8th January 1982

No AMD-16/2/82 Rectt —Director, Atomic Minerals Division of Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Bh L G. Sastry, permanent Senior Stenographer and officiating Selection Grade Stenographer in Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, as Assistant Personnel Officer in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of December 21, 1981 until further orders

M S RAO Sr Administrative & Accounts Officer

## MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 5th January 1982

No A 12040/I/81-FI — The President is pleased to appoint the following as Meteorologist Grade-II in the India Meteorological Department in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th September, 1981 and until further orders.—

- 1 Shri M D. Ramachandran
- 2 Shii A K Sharma
- 3 Shri A L Koppar

Additional Director General of Meteorology

## OFFICE OF THE DIRFCTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Della the 4th December 1981

No A 12025/1/81-FC—The President is pleased to appoint Sbri Ajai Kumor Sangal as Technical Officer wef 4 12 81 in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department and to post him in the office of the Director, Radio Const & Dev Units, New Delhi until further orders

#### The 4th lanuary 1982

No A 12025/1/81-FC—The President is pleased to appoint Shri Suresh Datt Awasthi as Technical Officer wef 22nd Dec, 1981 (FN) in the Aeronautical Communication Organisation of the CAD and to post him in the office of the Director, Ridio Const & Dev Units New Delhi until further orders

No A 32013/10/80-EC - The President is pleased to appoint the following Communication Officers to the grade of Senior Communication Officer on ad-hoc basis for a period of six months wie fit the date(s) indicated against each and they are posted to the stations indicated against each.

S Name No	Present Stn of posting	Stn to which posted	Date of taking over charge
3/Sbrt		<b></b> .	
1 P Kesayan	ACS,	ACS,	1-12-81
	Madras	Madras	(FN)
2 Umesh Kumar	ACS,	ACS,	30-11-81
	Delhi	Delhi	(FN)
3. H L Srivastava	CATC,	ACS,	23-12-81
	Allahabad	Delhi	(FN)
4 I D Sharma	DGCA	DGCA	10-12-81
	(HQ)	(HQ)	(FN)
5 S G Presad	ACS,	ACS,	30-11-81
	Bombay	Bombay	(FN)
6 B P Bhagat	ACS,	ACS,	30-11-81
	Bombay	Bombay	(FN)

#### The 6th January 1982

No A. 32013/2/81-EC—The President is pleased to appoint the following Asstt. Technical Officers in the Civil Aviation Department to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months wie fithe dates indicated against each and to post them to the stations indicated against each—

S Name No	Present Stn of posting	Stn to which posted	Date of taking over charge
1 2	3	4	5
S/Shri 1 R N Dutt	Delhı	Delhi	30-11-81 (FN)
2 O P Dixit	Delhi	Delhi	30-11-81 (FN)
3. M S Sawhney	Delhi	Delhi	30-11-81 (FN)
4 S K Nair	Madras	Madras	1-12-81 (FN)
5. C Herman	Hyderabad	Hyderabad	1-12-81 (FN)
6 HS Sarma	RCDU, Delhi	RCDU, Delhi	30-11-81 (I'N)
7 K C Devgun	RCDU, Delhi	RCDU, Delhi	30-11-81 (FN)
8 VP Narang	CRSD, Delhi	ACS, Delhi	30-11-81 (FN)
9 R. Vittal Singh	Bangalore	Bangalore	2-12-81 (FN)
10 PC. Jain	DGCA(HQ)	RCDU, N. Delhi	30-11-81 (FN)
11 V K Sharma	Mandasaur	Mandasaur	30-11-81 (FN)
12 Rai Chand	RCDU, N. Delhi	RCDU, Delhi	30-11 81 (ΓN)
13 Piara Singh	Amritsar	Amritsar	1-12-81 (FN)
14 f J Sharma	Delhi	Delhi	30-11-81 (FN)
15 TR Menon	Trivandrum	Trivandrum	1-12-81 (ΓN)
16 GS Kochikar	Patna	Patna	3-12-81 (FN)
17. K.S Balasubra- maniam	Madras	Madras	2-12-81 (FN)
18. Manohai Singh	Ahmedabad	Ahmedabad	30-11-81 (FN)
19 PN Nayyar	CRSD, N Delhi	CRSD, N Delhi	30-11-81 (FN)

1 2	3	4	5
S/Shri 20, M.D. Ranganathan	Madras	Madras	2-12-81
21. H. L. Sharma	Delhi	Delhi	(FN) 30-11-81
22. V. Krishnamurthy	Madru	Madras	(FN) 1-12-81
23. S. N. Singh	Varana i	Varanasi	(I·N) 8-12-81 (EN)
24. K.B. Kripalanı	Bombay	Bombay	(FN) 30-11-81 (FN)
25. Ashish Dutta	Ganbati	Gauhan	2-12-81 (FN)
26. S.C. Ghosh .	RCDU, Delhi	RCDU, Delhi	30-11-81
27. S. P. Chakravorty	Calcutta	Calcutta	4-12-81 (FN)
28. N.S. Sapre .	Bornbay	Bombay	30-11-81 (FN)
29. B.S. Bakshi .	CRSD, Delhi	RCC, Delhi	1-12-81 (FN)
30. C.P. Rao	Bombay	Bombay	30-11-81 (FN)
31. A. K. Saxena .	CATC, Allahabad	Lucknow	10-12-81 (FN)
32. Ranjit Ghosh .	Delhi	RCDU, Delhu	7-12-81 (FN)
33. A.S. Paul	Bombay	Bombay	30-11-81
34. Atma Ram .	Delhi	Delhi	30-11-81 (FN)
35. K. Sobti .	Delhi	Delhi	30-11-81 (FN)
36. V. K. Rastogi .	Bombay	Bombay	30-11-81 (FN)
37. S. N. Sampath .	RCDU, Delhi	RCDU, Delhi	30-11-81 (FN)
38. V.B. Chatigule .	Bombay	Bonibay	30-11-81 (FN)
39. Ch. Venkātachallam	Bonibay	Bombay	30-11-81 (FN)
40. R.S. Sokhey .	Delĥi	Delhi	30-11-81 (FN)
41. K.S. Anand .	Jaipur	Jaipur	5-12-81 (FN)
42. M.W. Shrouti	Bembay	Bembay	30-11-81 (FN)
43. M. K. Krishnan	Bonibay	Bombay	30-11-81 (FN)
44. S. K. Rao .	Madras	Madras	2-12-81 (FN)
45. Kulwant Singh	Bombay	Bombay	30-11-81 (FN)
46. N.V.S. Mani	Bombay	Bombay	30-11-81 (FN)
47. Kesho Nath	Bombay	Bombay	30-11-81 (FN)
48. Haribhagwan	Bombay	Bombay	30-11-81 (FN)
49. N.B. Sidhapalkar	Nagpar	Nagpur	1-12-81 (FN)
50. S.S. Parashar	Nagpur	Nagpur	1-12 81 (FN)
51. M.B. Gajabhiye	Nagpur	Nagpui	1-12-81 (FN)
52. A. K. Bagchi	Calcutta	Calcutta	30-11-81 (FN)
53. D. N. Biswas	Calcutta	Calcutta	30-11-81 (FN)
54. J.C. Roy	Calcutta	Calcutta	30-11-81 (FN)
55, S. K. Bhattacharya	Calcutta	Calcutta ·	1-12-81 (FN)
			,

1	2	3	4	5
•	Shri K. Chatterjee	Calet, ta	Calcutta	30-11-81
57. B. j	K. Mukherjee	Calcutta	Calcutta	(FN) 30-11-81 (FN)
58. T.V	. Gopalakrishna	Calcutta	Calcutta	2-12-81 (FN)
59. M.	K. Chakravorty	Calcutta	Calcutta	1-12-81 (FN)
60. N.	K. Roy	C. Futta	Calcutta	30-11-81 (FN)
			PRE Assistant Dire	M CHAND, ctor (Admn)

### OVI RSFAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 2nd January 1982

No. 1/257-81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G. C. D'Lima, Supervisor Bembay Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from the foreneon of the 2nd September, 1981 and until further orders.

No. 1/335/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri F. P. D' Souza, Supervisor, Bombay Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 2-9-81 and until further orders.

H. L. MALHOTRA Dy. Director (Admn.) for Director General

# COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bhubaneswar, the 8th January 1981

No. 14/81.—Shie Gopinath Mohapatra, Administrative Officer, Central Excise and Customs, Cuttack Division retired from Government Service from this Department on Superannuation in the atternoon of the 30th November, 1981.

S. DAS Assistant Collector (Hd. Qrs.) Central Excise & Customs

### Bangalore, the 14th May 1981

No. 5/81.—In exercise of the powers conferred on me by Rule 5 of Central Freise Rules, 1944, I hereby empower the jurisdictional Assistant Collectors of Central Freise to exercise powers of Collector under Rule 95-A of Central Freise Rules, 1944.

C. BHUJANGASWAMY Collector of Central Excise

# Bangalore, the 12th June 1981

No. 6/81.—In view of the Notification No. 110/81 CE Dated 29-4-81 issued by the Government of India, Ministry of Finance, (Department of Revenue) New Delhi, this Collectorate's carlier Notification No. 3/81 C.E. dated 6-4-81 is hereby rescinded.

# The 21st July 1981

No. 7/81—In exercise of the powers vested in me under Rule 5 of Central Excise Rules, 1944, I hereby empower Assistant Collectors of Central Excise to exercise within their jurisdiction, the powers of Collector of Central Excise in respect of the proviso (V) of Ministry of Finance, Notification No. 197/62/CE dated 17-11-1962 substituted by Ministry of Finance, Notification No. 178/80-CE dated 12-11-1980 for extending the period of export of goods

beyond four months from the date on which the goods were first cleared for export from the producing factory or the warehouse.

### The 21st October 1981

No. 8/81—In exercise of the Powers vested in me under Rule 5 of the Central Excise Rules 1944, I hereby authorise the Central Excise Officers of the Karnataka Central Excise Collectorate of and above the rank specified in Column 3 of the undermentioned table, to exercise within their respective jurisdiction, the powers of "Collector" given under Rule 19(2), 27(4), 49, 147 and 196 of Central Excise Rules 1944.

nount of duty on excisal le goods involved in each individual case	Rank of the Central Excise Officer	
2	3	
excreding Rs. 1000/- eeding Rs. 1000/- but not eding Rs. 2500/-	Superintendent Assistant Collector	
eeding Rs. 2500/- but exceeding Rs. 5000/-	Deputy Collector	
· · ·		

R. N. SHUKJA, Collector Central Excise, Bangalore

### Nagpur, the 28th December 1981

No. 11/81.—On attaining the age of superannuation Shri J. T. Dongre, Assistant Collector, Central Excise Division Chandrapur (at Nagpur) of this Collectorate retired from Govt. service in the afternoon of the 31st October, 1981.

No. 12/81.—Consequent upon his reversion from deputation to Indian Petro Chemicals Corporation Itd., Buroda as per Govt. of India, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi's Estt. Order No. 197 of 1981 dated 13-11-1981 (F. No. A-22012/106/81-Ad. 11), Shii P. R. Kanhare has assumed charge of the office of the Assistant Collector, Central Excise Division-II Nagpur in the forenoon of the 9th December, 1981.

No. 13/81.—On his posting as Assistant Collector, Central Excise Division Chandrapur (at Nagpur), Shri R. J. Beley, lately posted as Assistant Collector, Central Excise Division-II, Nagpur has assumed charge of the office of the Assistant Collector, Central Excise Division Chandrapur (at Nagpur) in the forenoon of the 14th December, 1981.

K. SANKARARAMAN Collector

### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 5th January 1982

No. A-19012/959/81-Estt. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Ranajit Kumar Das, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 23rd November, 1981.

A. BHATTACHARYA Under Secy. Central Water Commission MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY

(DFPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES MAHARASHTRA,

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Randtrouics Instruments Private Limited

Bombay-400002, the 4th January 1982

No. 625/16038/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Randtrouics Instruments Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the mater of the Companies Act, 1956 and of M/s. Ammco Machines Private Limited
Bombay-400002, the 4th January 1982

No. 627/16227/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ammoo Machines Private I imited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay,

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M's. Marine & General Services Private Limited

Bangalore, the 5th January 1982

No. 3425/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Marine & General Services Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

P. T. GAJWANI Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. M. R. V. Bus Service Private Limited

Madras-600006, the 7th January 1982

No. 4074/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. M. R. V. Bus Service Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company dissolved.

In the matter of the Companies Act, VTET and of M/s. Arokiamatha Benefit Funds Private Limited

Madras-600006, the 7th January 1982

No. 5466/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Arokiamatha Benefit Funds Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bathrakali Bus Service Private Limited

Madras-600006, the 7th January 1982

No. 4579/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of M s. Bathrakalı Bus Service Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Vasanth Automobile Engineering Company Pvt. Limited

# Madras-600006, the 7th January 1982

No. 6666/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies, Act, 1956 that the name of M/s. Visianth Automobile Engineering Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE Asst. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras

# INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 7th January 1982

No. F. 48-Ad(AT)/81.—Shri R. K. Ghosh, Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was continued to officiate as Assistant

Registral, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of two months with effect from the 6th November, 1981 vide this office Notification No. F. 48-Ad (Ai) 81, dated 4-12-81, is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad on ad-hoc basis in a temporary capacity for a further period of one month with effect from 6th January, 1982 or till the post is filled up on regular basis whichevel is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow anon Shi R. K. Ghosh a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

No. F. 48-Ad(AT)/81.—On attaining the age of superannuation, Shri Naranjan Dass, Assistant Registrar, Incometax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1981.

> T. D. SUGLA President.

### FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVRNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS

Madras-600-006, the 18th December 1981

Ref. No. 11/April 81.—Whereas 1, R. RAVICHAN-DRAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 154, 155, Gollavar Agraharam, Road,

situated at Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 1637/81) on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

 M. Jayaraman, M. Rajarathinam, M. Daiyakaunan and M. Soundaravel, 154, 155, Gol'avar Agraharam Road, Madras-21.

(Transferor)

(2) M. Jayataman, M. Rajarathinam, M. Daivakannan and M. Soundaravel, 154, 155, Gollavar Agrabaram Road, Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at 154, 155, Gollavar Agraharam Road, Madras-21. (Doc. 1637/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 18-12-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) S. Nagoor Kalinjiam 213, Thambu Chetty St., Madras-1.

(Transferor)

(2) M/s R. J. Mehta & Co., 32, Sembudoss St., GT Madras-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS

Madras-600-006, the 18th December 1981

Rcf. No. 1/April/81.—Whereas, I, R. RAVICHAN-DRAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

213, Thambu Chetty Street, situated at Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 1504/81) on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 213, Thambu Chetty St., Madras-1. (Doc. 1504/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 18-12-1981

Seal:

24 - 436GI/81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) K. S. Bashir Ahmed, 10, Puliangudi South,

St., Koothanallur 614 101, Tanjore Dt.

(Transferor)

(2) Salma Bai, 119, Thambu Chetty St., Madras-600 001.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOR,
621, MOUNT ROAD, MADRAS

Madras-600-006, the 18th December 1981

Ref. No. 8/April/81,—Whereas I, R. RAVICHAN-DRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

125, Thambu Chetty street

situated at Madras-1 (Half share)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of '1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 1429/81) on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Givette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 125, Thambu Chetty St., Madras-1 (Half share)
(Doc. 1429/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-12-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1962)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS

Madras-600-006, the 18th December 1981

Ref. No. 143/April/81.—Whereas J, R. RAVICHAN-DRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5, Kondi Chetty St., situated at Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Madras North (Doc. 1825/81) on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Madras Hotels Association, 289, N.S.C. Bose Road, Madras-1.

(Transferor)

(2) Rafeeq Trust, 163, Boradway, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at 5, Kondi Chetty St., Madras-1. (Doc. 1825/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 18-12-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1-KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOR, 621, MOUNTROAD, MADRAS-600 006

Madras-600-006, the 18th December 1981

Ref. No. 145/April/81.—Whereas I, R. RAVICHAN-DRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

48. situated at Armenian Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras North (Doc. No. 1896/81 on April 1981)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:-

- Mr. Ahamed Khaleel Citizen of Pakistan,
   Mr. M. Abbas Khaleeli, Citizen of Pakistan.

  - Mrs. Shamsunnissa Begum, Citizen of Singapore.
     Mr. M. Kasim Khaleeli,
     College Road, Nungambakkam, Madras-6
  - Dr. Taqui Khaleeli Citizen of Britain,
     Mrs Zeebunnissa Begum,
  - Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s. Basic Engineers and Traders, 30 Errabalu Street, Madras-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at No. 48 Armenian Street, Madras-1 (Doc. No. 1896/81)

R. RAVICHANDRAN Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 18-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Arjundas S/o Lekhmal, Iawahar Ganj, Dabra (2) Nebhamal, S/o Parthemal Sindhi, Dabra, (Transferor)

(2) Shri Ramdas Pahadiya and Harcharanlal, Shri Brijeshkumar (Minor) S/o Shri Rambilas Sharma, Subhash Ganj, Dabra.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 1st January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2219.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinnster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

Port on of Rice & Dal Mill, situated at Dabra (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1968) in the Office of the Registering Officer at

Dabra on 10-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of Rice & Dal Mill at Ward No. 12, Jawahargani, Dabra.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 1-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 1st January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2220.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of Rice and Dal Mill,

situated at Dabra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Dabra on 10 4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Puranlal S/o Lekhumal Sindhi, r/o Jawahar Ganj, Dabra.

(Transferor)

(2) Shri Ramdas Pahadiya and Harcharanlal Pahadiya, R/o Subash Gani, Dabra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of Rice & Dal Mill at Ward No. 12, Jawahar Ganj, Dabra.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 1-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 1st January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2221.—Whereas D. P. PANTA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Portion of Rice & Dall Mill, situated at Dabra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on April, 1981 Dabra on 7-4-1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

rrow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri BalchanJra s/o Shri Arjundas Sindhi. Jawahar Ganj, Dabra, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Pradeepkumar S/o Shri Ramdas, Subhash Ganj, Dabra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Portion of Rice & Dal Mill at Ward No. 12, situated at Jawahar Ganj, Dabra.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 1-1-1982

### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Lalchand s/o Leghumal Sindi.

Jawahaigani Dabra, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shii Rajeshkumar s/o Ramvilas Sharma, Subhash Ganj, Dabra, Gwalior,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 1st January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2222.—Whereas PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property (Mill), situated at Ward No. 12, Dabra (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dabra on 7-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following parsons, namely :--

Objections, if any, to the acquiistion of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of Rice & Dal Mill at Ward No. 12, Dabra.

D. P. PANTA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 1-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 1st January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2223.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Portion of Rice & Dal Mill, situated at Dabra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dabra on 7th April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25--436GI/81

(1) Shri Bhagwan Das s/o Shri Lakhumal Sindhi, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shti Shriktishna 9/0 Ramdas, Subhash Ganj, Dabta, Gwalior.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of Rice & Dal Mill at Ward No. 12, Jawahar Ganj Dabra.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 1-1-1982

(1) Smt. Kamla Devi w/o Shri Bhishamlal Sinohi, Jawahar Ganj, Dabra, Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Rajesh Kumar s/o Shri Ram Bilas Shaima, r/o Subhash Ganj, Dabra.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGF, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 1st January 1982

Ref. No JAC/ACQ/BPL 2224.—Whereas I, D. P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of Rice & Dal Mill, situated at Dabra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dabra on 7-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of Rice & Dall Mill at Ward No. 12, Jawahar Gani, Dabra

D. P. PANTA
Competent Authroity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 1-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

### OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st December 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2225.—Whereas I, K. k. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-/ and bearing No.

Portion of House,

situated at Ward No. 3, Vidisha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vidisha on 29-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Narsinghdas s/o Shri Narayandasji Goyal, r/o Vidisha.

(Transferor)

(2) Shri Bharat Lal s/o Goverdhandas Agrawal, R/o Sironj, at present Vidisha.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of House at Ward No. 13, Vidisha.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Floor, Gangoni Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 31-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st December 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2226.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 14, situated at Vidisha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha on 26-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Narsinghdas Goyal s/o Shri Naraindas Goyal Agrawal, r/o Vidisha.

(Transferor)

(2) Shri Hati Om Babu s/o Shri Goverdhandas Agrawal, r/o Swarnakar Colony, Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 14 at Ward No. 13, situated at Swarnakar Colony, Vidisha.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 31-12-1981

10, 1903)

# FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st December 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2227.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Portion of House, situated at Ward No 13, Vidisha (and more fully described in the Schedule affinexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha on 29-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the transferee for Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Nærsinghdas Goyal s/o Shri Naraindasji Goyal Agrawal, r/o Vidieha.

(Transferor)

(2) Smt. Radhika Bal w/o Shri Goverdhandasji Agrawal, r/o Sironj at present Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of House at Ward No. 13 Vidisha.

K. K. ROY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 31-12-1981

### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st December 1981

Ref. No IAC/ACQ/BPL/2228.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Sec-

tion 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of House,

situated at Ward No. 13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha on 29-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid, property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Narsinghdas Goyal s/o Shri Narayandas Agrawal, r/o Vidisha.

(Transferor)

(2) Shri Prahlad Babte s/o Shri Goverdhandas Agrawal, r/o Sironj, Vidisha.

(Transferee)

(3) 1. Shri Ashok Kumar 2. Shri Prakash Tallor.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of House at Ward No. 13 at Vidisha.

K. K. ROY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 31-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st December 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2229.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 14, situated at Vidisha

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vidisha on 26-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property,

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other- assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of .1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nassinghdas Goyal s/o Shri Narayandas Goyal Agarwal, 1/o Vidisha.

(Transferor)

(2) Shri Narayan \$/o. Shri Goverdhan Das Agrawal, 1/o Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Portion of House No. 14, Ward No. 13, situated at Swarnakai Colony, Vidisha.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 31-12-1981

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st December 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2230.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Portion of House No. 25/510,

situated at Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 16-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

(1) Shri Shaji Rao Angre s/o Shri Chandraji Rao Angre, r/o Shambhaji Vilas, Angre-ka-Bazar, Lashkar, Gwalioi.

(Transferor)

(2) Smt. Gangadevi W/o Paramanand Ke-hwani,
r/o Khube-ki-Bazaria,
Lashkaj Gwalior.

(Transferee)

PART III-SEC. 1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of House No. 25,510, situated at Khubi-ke-bazaria, Lashkar, Gwalior.

K. K. ROY
Competent Authority
ssistent Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 31-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st December 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2231.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25.000/- and bearing No.

situated at Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 16-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-26--436GT/81

(1) Shri Shahii Rao Angre S/o Shri Chandraji, Rao Angre, r/o Shambhaji Vilas, Angre-ka-Bazar, Lashkar, Gwalion

(Transferor)

 (2) 1. Shri Ashok Kumai s/o
 Shri Khyaldas Keshwani,
 2. Vidya Bai D/o Shri Parmanand Keshwani, r/o Khube-ki-Bazaria, Tashkar, Gwalior

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 25/510 portion situated at khubi-ke-Bazaria, Lashkar, Gwalior.

> K. K. ROY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 31-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st December 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2232.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of House No. 25/510 situated at Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 16-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

sforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shahji Rao Angre S/o Shri Chandraji Rao Angre, r/o Shambhaji Vilas, Angre-ka-Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Umadevi w/o Shri Shrikrishna Shivhare, r/o Angre-ka-Bazar, Lashkar, Gwalior,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 25/510 portion situated at Khubi-ke Bazaria, Lashkar, Gwalior,

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 31-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

G-13 GROUND ACQUISITION RANGE FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7700.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

H. No. 3498 situated at Kucha Lalman. Daryaganj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shanta Sharma W/o. L. Sh. Shrikishan, R/o 3492, Kucha Lalman, Daryagani, Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Jagdish Saini S/o L. Ram Chander R/o 3498, Kucha Lol Man, Darya Ganj, Delhi.

(Transferœ)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

H. No. 3498, Kucha Lalman, Daryaganj, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 30-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

G-13 GROUND ACQUISITION RANGE FLOOR CR BUILDING, 1. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR 1/4-81[7771.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

XIV/6723 situated at Ahata Kidara, Gali Kuan Wali, Bara Hindu Rao, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Hari Ram S/o Sugha Mal & others R/o H. No. XIV/6722, G.F. Ahata Kidara, Bara Hindu Rao, Delhi.
- (2) Smt. Kanta Devi W/o Sukhiam Dass D/o Sh. Gordhan Dass R/o XIV/6723, F. F. Ahata Kidara, B. H. Rao, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. XIV/6723, F. F. Ahata Kidara, Gali Kuan Wali, B. H. Rao, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 30-11-1981

### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/4-81/7769,—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2615 situated at Chatta Partap Singh, Kinari Bazar, Delhi has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Gyan Chand S/o Lachhaman Dass 452, Plot No. 4, M. S. Block, Hari Nagar, New Delhi.
- (2) Smt. Phool Wati W o Suraj Bhan, 2623, Chalta Partap Singh, Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 2615, Chatta Partap Singh, Kinari Bazar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 19-11-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE1II, G-13 GROUND FLOOR,CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.1/4-81/7770,---Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 18, situated at Vill. Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Smt. Kamlesh Khanija w/o Kewal Krishan Khanijo r/o F-54, Rajouri Garden, Delhi.
- (2) Smt. Jagdish Manchanda w/o Hans Raj Manchanda r/o 1625 Madrasa Road, Kashmiri Gate, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 18, Vill. Basai Datapur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 30-11-1981

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DFLHI

New Delhi, the 28th November 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/4-81/4501,—Whereas, I, VIMAL VASISHT, .

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Baprola, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Prithi S/o Muthura R/o Vill. Baprola, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Harsh Arora s/o Inder Singh Vill. Tikri Gianwal, UP.

  (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri, land Vill. Baprola, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 28-11-1981

### FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/4-B1/7688.—Whereas, J, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,200/- and bearing No.

G.F. Basement 6940 situated at Ward XIII Beri Wala Bagh, Azad Market, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Chanan Devi Wd/o Harbhagwan Harban, Lal & others r/o C/150, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Rafix Ahmed s/o Mohd. Nawab & others r/o 6940 Beri Wala Bagh, Azad Market Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

G. F. & Basement No. 6940, Ward XIII. Beri Wala Bagh, Azad Market, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 6-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-!AX ACT, 1261 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/4500.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Yill. Baprola, Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 1981

on April 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—27-436GI/81

(1) Sh. Prithi S/o Mathura R/o Vill. Baprola, Delhi,

(Transferor)

(2) Sh Manjeet Aloin Sto Inder Singh Vill, Tiku Gianwal, UP.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land Vill Eaprola, Delhi

SMT VIMAL VASISHT, Competent Authority Inspecting Assistant Commissional of Income-tax, Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 28-11-81

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, 30th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/4-81/7718.—Whereas, I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

G.F. H. No. 4771/23 situated at Bharat Ram Road, Darya Ganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rai Kanwari Devi Sethia w/o Sri Bahadurmal Sethia & others through GA M. L. Sethia S/o R/o 4771/23 Darya Ganj. Delhi.

(Transferor)

(2) M/s United Electronics, 4374/4B Ansari Road, Darya Ganj. Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

G. F. H. No. 4771/23 Bharat Ram Road, Darya Ganj. New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 30-11-1981

Scal:

(1) Sh Lajwanti Anand 1/3 West Patel Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt Shantı Devi 24/17-18, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

G-13 GROUND ACQUISITION RANGF FLOOR CR BUILDING, I P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1981

Ref No IAC/AcqII/4 81/7746—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

34/6 West Patel Nagar New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration an! that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

34/6, West Patel Nagar, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, H Block,
Vikas Bhavan, I. P. Estate New Delhi

Dated: 9-12-1981

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq II/4-81/813.—Whereas, I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(a) Act, 1901 (43 of 1961) (hereunafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 21 situated at Kh. No. 23, Kewal Park, Vill. Asadpur, DeJhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afo esaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kanta Devi w/o Ram Bhaj Gupta R/o Vill. & P.O. Bakhtawarpur, Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Narain Dass Gupta S/o Manak Chand R/o, A-12, Kewal Park, Azadpur, Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 21, Kh. No. 23, Kewal Park, Vill. Asadpur, Delhi.

SMT VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assett, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 9-12-81

### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

G-13 GROUND ACQUISITION RANGE FLOOR CR BUILDING, I P. I'STATE, NEW DFLHI

New Delhi, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/ $\Lambda$ cqII/4-81/7772.Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1621 situated at Basti Julahan, Sadar Bazar, Dohi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Delhi on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor e,inpur shrdlu emfwyp shrdlu shrdlu shrsev Act, I hereby initiate proceedings tor the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Maman Singh S/o Jisukh Ram No. 1621, Basti Julahan, Sadar Bazar, Delhi, (Transferor)
- (2) Smt. Rajendra Prashad, S/o M. Singh R/o No. C-3/323, Lodhi Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ihe terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 1621. Basti Julahan, Sadar Bazar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 9-12-81

Scal:

### FORM ITNS----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7733.—Whereas, I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

XIV/6876 situated at Gali Beach Wali,

Ahta Kidara, B. H. Rao, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ghansham Dass S/o Kimat Ram R/o Ashok Vihar, Delhi,
- (2) Sh. Mohd. Sualin S/o Shafi Ullah 6876, Gali Beach Wali, Ahata Kidara B. H. Rao, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. XIV/6876, Gali Beach Wali, Ahata Kidara, Bare Hindu Rao, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi,

Dated: 9-12-1981

### FORM ITN3-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Smt. Viran Wali W/o Lekh Raj R/o C-431 Majlis Park, Delhi.

(Transferor)

42) Smt. Raj Rani W/o K A. Aggarwal R/o C-429, Majlis Perk, Delhi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7816,---Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 415 situated at Block C Majlis Park. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Officer at on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state din the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faiclitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Plot No. 415 Block C Majlis Park, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11, New Delhi.

Dated: 9-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P FSTATE, NEW DELHI

New Ochi, the 9th December 1981

Ref. No JAC/Acq II/4-81/7780.--Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000'- and bearing No.

1072-73 situated at Ward No. 13 at Mohalla Kishan Ganj, Teliwara Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Delhi on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons; namely:—

- (1) Smt Shamsun Nisa Wd/o L. Sheikh Mohd, Sheed & others R/o 1078-79, Mohalla Kuhun Ganj, Delhu. (Transferor)
- (2) Sh. Sami Uddin & other sons of L. Umar Din R/o 1072-73, Kishan Ganj, Teliwara, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

H No 1072-73, Ward No 13, Mohalla Kishan Ganj, Teliwata, Delbi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi,

Dated: 9-12-81

(1) Sh. Des Raj S/o. Gopal Dass R/o. 135 Type 3rd Timarpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Radhey Shyam S/o Kadar Nath R/o 2252-53, Gali Hinga Beg, Delhi.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7775.—Whereas. I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing

III/2252-53 situated at Gali Hinga Beg, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--28-436GI/81

(a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. III/2252-53, Gali Hinga Beg, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, New Delhi.

Dated: 9-12-81

#### FROM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq II/4-81/4485.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the competent authority under Section 269 B of the being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C-98 situated at Fatch Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Urmil Rani W/o Ramji Dass R/o 3/129, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor) (2) Sh. Jasbir Singh S/o S. Prithmi Singh R/o BA/112A Panak Puri, New Delhi, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person inierested in the sai dimmovable property, within 45 days from the date of the rubl. cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. C/98, Fatch Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, New Delhi.

Dated: 9-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/4533.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 50 situated at Block J-8, Rajouri Garden.

Vill. Tatarpur Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Davinder Pal Singh S/o Harbans Singh & others R/o J-164 Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sita Devi W/o Sh. Moti Ram R/o 80, Prem Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 50, Block J-8, Rajouri Garden, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H Block, Vikas Bhawan, I.P. Estate
New Delhi

Dated: 9-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Rcf. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-81/7789.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

2292 situated at Gali Pahar Wali, Dharampura, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Milap Chand,
   2292, Pahar Wali Gali Ward No. V, Dharampura,
   Delhi.
- (2) Shri Ashok Kumar Aggarwal R/o 2003, Katra Lachhu Singh, Fountain,

Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. 2292, Gali Pahar Wali, Dharampura, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,
Delhi/New Delhi.

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT; 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P. ESTATE, NEW DELHL

New Delhi, the 30th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ.II/4-81/4499.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agricultural land situated at Village Baptola, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prithi •/o Mathura R/o Village Baprola, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Inder Singh s/o Devi Sahai R/o Village Tehri U P.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land, Village Baprola, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,
New Delhi

Date: 30-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 30th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7821.—Whereas, IVIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6035, situated at Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Badri Nath s/o Jagan Nath R/o 7A/5, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal S/o Ram Lal and other R/o 6035 (F.F.) Basti Harphool Singh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and explanation used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 6035, Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,
Delhi/New Delhi.

Date : 30-11-81

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

. ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE NEW DELHI .

New Delhi, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/4576.—Whereas I, YIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2 situated at Vill. Madipur, Delhi Admn., Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer on April 1981 at Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely

(1) Shri Ravi Kanta Sharda w/o Jagdish Chander Sharda R/o 95/96 D C.M. Qtt. Line No. 9, Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Roop Chand Jain s/o Jia Lal Jain R/o 1446 Gali No. 2, Kailash Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2, Vill. Madipur, Delhi Admn. Delhi.

SMT. SIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge-II, Delhi/New Delhi

Date: 9-12-1981

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/4-81/4466.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'ssid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. D-71 situated at New Multan Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 1981

for an apparent consideration which is less, than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any nicome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Naresh Kumar Diwan s/o Bhagwat, Sarup Diwan, 21-B/8, New Rohtak Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Inder Singh Chaudhary and other sons of Ram Kala r/o 20/28, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the publication of this notice in the Official Gazette. later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H. No. D-71, New Multan Nagar, Delhi.

SMT. SIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 9-12-1981

### FORM I.T.N.S.---

(1) Shrimati Laiwanti wd/o Moti Singh 16/40, Joshi Road Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
(2) Shri Sunder Dass Kamra s/o Khushi Ram 20-B/
82-B, Tilak Nagar, New Delhi,
(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/4-81/4435,—Whoreas J. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

23/29-B, situated at Tilak Nagar, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used lifefeld as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Or. No. 23/29-B, Tüak Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority.
Inspecting Asset. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—
29-436GI/81

Date: 9-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Ram Piari w/o Ram Lal R/o C-153 Hari Nagar, Ghanta Ghar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Biji Mohan s/o Kasturi Lal R/o A-93, Hari Nagar, Ghanta Ghar, New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE New Delhl, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.ll/4-81/4484.—Wherens I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority, under

Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 102 situated at Hati Nagar, Vill. Tihar, Kh. No. 2049, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee far the purposes of the Indian facemetax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 102 Hari Nagar, Vill. Tihar, Kh. No. 2049, Delhi.

SMT. SIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Ta:
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 9-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SRII/4-81|4441.--Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-33A Kh. No. 1607 situated at Vill. Naraina, Inderputi Colony. New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market valu of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

(1) Shri Man Mahon Arora s/o Ram Nath Arora R/o No. F-14, N.D.S.E. Part II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Karam Singh Parmar s/o Narain Singh Parmar R/o No. E-32, Inder Puri, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. B-33A, Kh. No. 1607, Vill. Naraina, Inderpuri Colony, New Delhi

SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 9-12-1981

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Kalap Nath s/o Lakshmi Rai R/o WZ-140, Shiy Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Kanwar Gupta and others R/o A-9, Raghbir Nagar, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 9th December 1981

Ref. No. IAC, Acq.II/SR.II/4525.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. WZ-140 on plot No. L/65 situated at K-24 (New) Shiv Nagar Extn. Vill. Tihar, Delhi State,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

H. No. WZ-140 on plot No. L/65 (old) K-24 (New) Shiv Nagar Extn. Vill. Tihar Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 9-12-1981

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## •

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G 13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP ESTATE

New Delhi, the 9th December 1981

Ref No IAC/Acq II/SR I/4-81/7701—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No A 25 situated 21 Vill Bassai Daiapur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeshid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeshid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Nand Kishore s/o Lal Chand R/o B 3/16, Rajouii Garden, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri S K Malik s/o R B Malik and others R/o A 62, Vishal Enclave New Delhi

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No A 25, Vill Bassai Darapur, Delhi State, Delhi

SMT VIMAL VASISHT Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date 9 12-1981 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Ashok Kumar s/o Prem Chand and others r/o 21/36, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Lakhpat Rai and Ramesh Kumar 8/0 Raja Ram r/0 K-5/36, Model Town, Delhi.\_\_

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-81/7783.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 109 situated at Khurshid Market, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 109, Khurshid Market. Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 30-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GTOUND FLOOR OR BUILDING, I.P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7758.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mpl. No. 6817-6818 situated at Gali Makhanwali, Beriwala Bagh, Pullbangash, Azad Mkt. Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shrimati Lila Wanti w/o Kimat Ram R/o B-4/64 Ashok Vihar, Phase-II, Delhi.
  - (Transferor)
- (2) Shrimati Raj Rani w'o Kasturi Lal Asri R/o 1st floor of H. No. 6817-6818, Gali Makhanwali, Beriwali, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mpl. No. 6817-6818, Gali Makhanwali, Beriwala Bagh, Pulibangash, Azad Mkt., Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 9-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATI-, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/4461.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 51 situated at Block J-6, Rajouri Garden, Vill. Tatarpur, Delhi State, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, to pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons mamely:—

- (1) Sbri Pearev Lal and Narinjan Dass sons of Barkat Ram Puri R/o J-6/51, Rajouri Garden, New Delhi, (Transferor)
- (2) Shi Rattan Chand son of Ram Chand R/o J-6/51, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 51, Block J-6, Rajouri Garden, Vill. Tatarpur Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 9-12-1981

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/4-81/7817.--Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. J-46 situated at Rajouri Garden, Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—436GI/81

- (1) Shri Chaman Lal Sharma s/o Dayal Chand R/o II-C/45, Nehru Nagar, Ghaziabad.
- (Transferor)
  (2) Shri Kundan Lal s/o Mahesh Ram R/o I-235, Sadar Thana Road, Delhi.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interest in the said immovable property within 45-days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. J/46, Rajouri Garden, Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 30-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shri Ram Lal s/o Parmanand R/o 2611, Basti Punjabian, S/Mandi, Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Rattan Mala Jain w/o Prem Chand Jain, r/o 4430/2. Aryapur, S/Mandi, Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 26th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-81/4424.---Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

and bearing
No. 2611, Ward No. XII situated at Basti Punjabinam, S/
Mandi Delhi.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

No. 2611, Ward No. XII, Basti Punjabina, Subji Mandi, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 26-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 27th November 1981

. Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-81/7654.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shops 327 and 328 situated at 171 (old) and New No. 326-A to 335, Dariba Kalan, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shakti Kumar Rajput s/o L. Shri Dhanna Singh R/o 1560, Kucha Seth, Dariba Kalan, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Papil Jain w/o Vijay Kumar Jain R/o 21/15, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop Nos. 327 and 328, Property No. 171 (old) and New No. 326-A to 335 at Dariba Kalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 27-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shrimati Santosh Kumari w/o Mohan Lal Jain and other R/o 7067 Gali Ch. Tej. Singh, Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vishan Kumari w/o Ravinder others R/o 220, Chawri Bazar, Delhi.

Kumar and (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 30th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/4-81/7714.—Whereas I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 52, situated at Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 1981

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, it hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice la the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 52, Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Dolhi/New Delhi

Date: 30-11-1981

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 27th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/4-81/7709.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. F-36, Shop situated at Central Mkt. Kirti Nagar, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Atam Devi Dhingra w/o P. D. Dhingra R/o 26/13, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Master Manish Arora (M) s/o Bhushan Arora R/o I-190, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

F-36, Shop Central Market, Kirti Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 27-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

Nwe Delhi, the 27th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.[I/SR-II/4-81/4458.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. H. No. WZ-66 situated at Vill. Tihar, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

·(1) Shri Shamsher Singh s/o Baulat Singh R/o WZ-66, Uggarsain Market, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Janki Devi w/o Krishan Lal and Krishan Lal s/o Ishar Dass R/o G-20/2A, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall, have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. WZ-66, Vill. Tihar, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 27-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7725.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Q1. No. 37/24 situated at East Patel Nagar, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, inrespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Walinti Ram Suri s/o Khazan Chand Suri R/o 37/24 East Patel Nagar, New Delhi.
- (2) Shri Naresh Kumar Verma s/o Atma Ram Verma r/o No. I-53, Kirti Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

G.B.Q. No. 37/24, East Patel Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7818.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-6/16, Model Town, Delhi situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Rgistration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating th concealment of any income or any any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Santokh Singh s/o Gurkukh Singh A-79, Model Town, Bareilly.
  - ('Transferor)
- (2) Shri Kuldip Singh s/o L. S. Khushal Singh B-6/16, Model Town, Delhi.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. B-6/16, Model Town, Delhi.

SMT. VIMAL. VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

(1) Shri Ram Rikhi s/o Ganeshi Vill Gola Khurd, Delhi

(2) M/s Bobby Soap Industries Gola Khurd, Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

E

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP ESTATE

New Delhi, the 30th November 1981

Ref No IAC/Acq II/SR II/4-81/4536—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No Agrı land situated at Vill Gola Khurd, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid-persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrı land Vill. Gola Khurd, Delhi

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely — 31—436GI/81

Date 30-11-1981 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P ESTATE

New Delhi, the 30th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/4-81/7815.—Whereas J, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Mpl. No. XIII/6875 situated at Deriwala Bagh, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the 'Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Krishana Rano wd/o Khairaiti Lal R/o F-10, Model Town, Delhi.

  (Transferor)
- (2) Shri Tei Bhan and Shri Moti Ram s/o Tek Chand

(2) Shrl Tej Bhan and Shri Moti Ram s/o Tek Chand R/o 10230, Library Road, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Mpl. No. XII/6875, Beriwala Bagh, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 30-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,

New Delhi, the 30th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/4924.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. R/shop No. 2 situated at Vill. Narina, Inder Puri, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri J. K. Goel s/o R. P. Goel R/o No. EA-128, Inderpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satya Bhushan Jain s/o Ram Narain Jain R/o No. 2964, Kucha Mai Dass, Bazar Sita Ram, and others Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. R/shop No. 2, Village Naraina, Inderpuri, New Delbi

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 30-11-1981

(Transferor)

(1)

New Delhi.

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Sukhbir Saran Aggarwal HUF 2003, Kt. Lachu Singh, Fountain, Delhi. (Transferee)

Shri Lala Beni Parshad R/o 51, Friends Colony,

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONÉR OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II/4-81/7773.--Whereas I. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mpl. No. 701 and New Mpl. No. 1892 situated at Chandni Chowk, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mpl. No. 701 and New Mpl. No. 1892, Chandni Chowk, Delhi.

> SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 30-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Nanak Chand Kapur s/o Ladha Ram Kapur R/o A-10, Lawrance Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Parshad s/o Gora Lal R/o C-12, Bali Nagar, New Delhi and others.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-81/4428.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. C-28 situated at Shivaji Park, Rohtak Road, Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influence per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-28, Shivaji Park, Rohtak Road, Delhi.

SMT. SIMAL VASISHT Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1981

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1981

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-II/4-81/4380.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. H-93/2 situated at Shivaji Park. Vill. Madipur, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Shri Ashwani Kumar and Shri Ashok Kumar s/o Vidya Sagar Bhandari R/o H-93/2, Shivaji Park, Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Chand Rani w/o Kidar Nath Soni 36/62, Puniabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

No. H-93/2, Shivaji Park, Vill. Madipur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1981

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/4395.—Whereas I, VIMAL VASHIST,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/57, situated at Tehar No. I, Subhash Nagar, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Fateh Chand s/o Tala Ram R/o 4928, Qazi Haauz, Delhi.

(2) Shri Leslie Chauhan s/o L. Sh. Rev. H. Chauhan R/o 22/1, Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 1/57, Tehar No. 1, Subhash Nagar, New

SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/7692.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

G. B. Shop No. 11 situated at Azad Market, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kaushalya Rani w/o Tilak Raj, R/o 8/47( Jangpura, New Delhi,

(Transferor)

(2) Adarsh Khera s/o Som Nath Khera, R/o 1300 Faiz Road, Bhadur Garh. Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

G. B. Shop No. 11, Azad Market, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

#### FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Naveen Kumar s/o Ram Kishore Aggarwal r/o 3011 Bhagwan Ganj, Bahadur Garh Road, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shyam Sunder Bhattar s/o L. D. Bhattar r/o D-29, Phase-I, Ashok Vihar, Delhi. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 14th December 1981

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/7811.—Whereas I, VIMAL VASISHT

> Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Mpl. No. 3104, Ward No. XIII situated at Gali Ahiran Bahadur, Garh Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Mpl. No. 3104, Ward No. XIII, Gali Ahiran Bahadur Garh Road, Delhi.

> SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range JJ Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--32 -436GI/81

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/7810,—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mpl .No. 3103 situated at Ward No. XIII, Bahadur Garh Road, Gali Ahiran, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not beent truely stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Kishore Aggarwal s/o Jyoti, 3011, Bhagwan Ganj, Bahadur Garh, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri L. D. Bhattar s/o M. R. Bhattar, r/o D-29, Ashok Vihar, Phase I, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mpl. No. 3103, Ward No. XIII, Bahadur Garh Road, Gali Ahiran Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/7737.—Whereas I, VIMAL VASHIST,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. XIII/6875 (New) situated at Beriwala Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Delhi on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration adn that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Krishan Rani wd/o Khairaiti Lal R/o F10, Model Town, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Gopi Chand s/o Sh. Tek Chand, R/o 8744, Shidipura, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FPXLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Mpl. No. XIII/6875 (New) Beriwala Bagh, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq II/4-81/7720,—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

D.S. No 1001 situated at New No. 1505, Gali Kotana, Mohalla Suiwalan, Chitli Qabar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sharfuddin 3/0 Imamuddin, R/0 4219 Gali Shahtara, Ajmeri Gate, Delhi. (Transfero)
- (2) Shri Vishwa Bandhu s/o Chetan Dev, R/o 1505, Suiwalan, Delhi & others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

D.S.H. No. 1001, New No. 1505, Kotana, Mohalla Suiwalan, Chilli Qabar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq II/4-81/4429,----Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 11 situated at New Multan Nagar, Rohtak Road, Dehli-56

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Darshana Devi Singal w/o Lal Chand Singal, r/o DDA Multy Storied Flat, No. C-4, Bhim Nagri Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Chand Jain & others s/o Sh. Deep Chand Jain R/o H. No. D-75, New Multan Nagar, Shakur Bastl, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meannig as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 11 Block 'D', New Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Iuspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHL

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/7804.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3/36 situated at Ramesh Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Urmila Kapoor, 37/19, Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Bhatia, 3/36, Rameth Nagar, New Dolhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sai dimmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 3/36, Ramesh Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/4472.—Whereas J. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. 54 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under he said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ved Parkash Seehdev s/o Dewan Chand Sachdev R/o 54, Road No. 42, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh s/o Jagat Singh R/o H. No. 12 Road No. 42, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that (bapter.

### THE SCHEDULE

H. No. 54, Punjabi Bagh, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initaite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-81

----

### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### (2) Shri Tej Ram Bansal s/o Lalji Mal, R/o K-1/2 Model Town, Delhi.

 Shri Nathu Ram Wadhwa s/o Devi Dass, R/o 1866, Malka Ganj, S/Mandi, Delhi.

(Transferor)
(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 30th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/7728.—Whereas J, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. K-1/2, situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. K-1/2, Model Town, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 30-11-1981

Scal:

(1) Smt. Leela Wanti w/o Amar Singh, R/o A-165, Gujranwala Colony, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Vidya Kaur w/o Gurcharan Singh, R/o F-8, Rajouri Garden, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IJ G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 9th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/7818.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-8 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

33-436GI/81

(a) by any of the aforestid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. F-8, Rajouri Garden, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 11
Delhi/New Delhi

Date: 9-12-81

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND HI OOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/7717.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. M-56/A situated at Kirti Nagar, Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shanti Devi w/o Kundan Lal, R/o L-67, Kirt iNagar, New Delhi.

(Transferoi)

(2) Smt. Gurmit Kaur Ghai w/o Makhan Singh Ghai. & other R/o G-53, Kirti Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have-the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 56/A, Kirti Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
DELHI/NEW DELHI

Date: 14-12-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th December 1981

Ref .No. IAC/Acq. I/SR-III/4-81/164.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 7, situated at Feroz Gandhi Road, Lajpat Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following serious, namely:—

- (1) Mrs. Perm Kamte r/o No. 2-B, Hira Mahal, 44-Amrita Sher Gill Marg, New Delhi, (Transferor)
- (2) Mr. Devi Dass Aggarwal s/o Bankey Lal Aggarwal & Smt. Shanta Aggarwala w/o Devi Dass Aggarwala, No. 7, Feroz Gandhi Road, Lajpat Nagar, New Delhi.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Assemble shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 7, measuring 791.1 sq. yds. Feroz Gandhi Road, Lajpat Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
DELHI/NEW DELHI

Date: 17-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/4-81/23.—Whereas , R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S-474, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri Ram Kishan Handa House No. 2640, Lambi Gali, Basti Punjabian Subzi Mandi, Delhi.

(Transferoi)

(2) Shri Inderjeet Singh r/o M-103, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Residential Plot No. S-474 (measuring 550 sq. yd.) in Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
DELHI/NEW DELHI

Date: 17-12-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/4-81/24.—Whereas I, R B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S-375, situated at Greatet Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Col. Jai Dayal Singh s/o Shri Mohar Singh r/o Village Bhadavas, Hehsil Rewari, Distt. Mahendragarh.

(Transferor)

(2) M s. S. V. Industries through its Prop. Sh. Pawan Kumar Singhania s/o late Sh. R. L. Snighania, 6/7, Shanti Niketan, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. S-375, Greater Kailash-II, New Dehli.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
DELHI/NEW DELHI

Date: 17-12-1981

Scal;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATÉ, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/4-81/35.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S-347, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Denhi in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely.

Sh. Rana Pratap (Karta HUF) s/o late
 Sh. Karam Chand, General Manager of
 M/s. Usha Kiran Block (Wire Ropes) Ltd.
 Talisiwali, Ranchi, Bihar.

(Transferor)

(2) M/s Bhatia Properties (P.) Ltd., through its Director, Sh. N. K. Bhatia s/o Sh. B. R. Bhatia r/o W-41, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Concetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant Plot No. S-347, measuring 296 sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
DELHI/NEW DELHI

Date: 17-12-1981 Seal:

SOM!

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/4-81/39.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-384, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in April 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Lt, Col. Kanwal Jit Singh (Retd.) D-360, Defence Colony, New Delhi.
- (Transferor)
- Sh. Hanuman Prashad Gupta, Smt. Bimla Gupta c/o F-54, NDSE-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. S-384, Greater Kailash-II, New Belhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I DELHI/NEW DELHI

Date: 17-12-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New DeJhi, the 17th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-81/47.—Whereas, J. R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25;000/-and bearing No.

Plot No. 82 Block No. 171 situated at Sunder Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mr. Tiluk Raj Kapoor and others Kohinoor Cinema Building, Ranade Road, Dadar, Bombay,
- (2) AVM Chaman I al Mehta R/o G-7, Anand Niketan New Delhi & others. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 82, Block No. 171, Sunder Nagar, New Delhi,

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate, Delhi/New Delhi.

Date: 17-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-81/50.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-192 situated at Greater Kailash-II. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following remains name to the said Act.

 M/s Delite Builders, A-2/140, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Tarlochan Singh Maini, S-268, Panchshilla Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. S-192, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Fstate,
Delhi/New Delhi.

Delhi: 17-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-81/52.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-559, situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 Dr. Mrs. Kaushlya Prabhakar and others R/o 1-16, Sarvpriya Vihar. New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Suraj Lamp & Industries (P) Ltd., and others R/o 402, Akash Deep Building. Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Plot No. S-559, Greater Kailash-II, New Delhi admeasuring 1151-6/10 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, H-Block, Vikas Bhayan, I.P. Estate, Delhi/New Delhi.

Delhi: 17-12-1981

#### FORM ITNS --- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delht, the 17th December 1981

Ref. No. 1AC/Acq I/SR-JII/4-81/59.—Whereas, J. R. B. L. AGGARWAL

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-7, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parcies has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Snii Dharam Chand V.P. Talwar Sewa Trust, Through Managing Trustee V.P. Talwar 5/o Shii D. C. Talwar, R/o N-10, South Extension Part-I, New Delhi.

(2) Shri Trılok Chand Khurana S/o Shri Mela Ram R/o E-280. Greater Kailash-I.

R/o E-280, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No M-7, Greater Kailash-I, New Delhi measuring 195 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Delhi : 17-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D<sub>0</sub>(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHL

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. 1AC/Acq.I/SR-III/4-81/61.--Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S-458 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Sarjeet Singh S/o Late Kapoor Singh, R/o 370, Sector 7, R. K. Puram, New Delhi Through attorney Harbhajan Singh S/o Late Natha Singh,
- (2) Shri Arun Mittal s/o V. B. Mittal R/o A-3, Greater Kailash Enclave-I, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Plot No. 458 Block S. measuring 208 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi,

R. B. I. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,
Delhi/New Delhi.

Delhi: 17-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIO NRANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/4-81/63.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

E-293, situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Hemant Virmani s/o S. L. Virmani (Late) R/o E-293, Greater Kailash-Π, New Delhi.
- (Transferor) (2) Mrs. Usha Chopra w/o I. R. Chopra,
  - Mrs. Rani Chopra w/o R. K. Chopra, Mrs. Priya Chopra w/o S. K. Chopra, R/o E-331, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 293, Block-E measuring 249 sq yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

> R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate, Delhi/New Delhi.

Date: 17-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/4-81/67.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 41, situated at Ring Road, Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

New Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Indu Bhushan s/o Dr. Kulbhushan r/o G-28, Lajpat Nagar-III, New Delhi, (Transferor)
- (2) Shri Suraj Prakash s/o Sh. Chanan Singh and others r/o 41, Ring Road, Lajpat Nagar-III, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/4th undivided share of the property No. 41, Ring Road, Lajpat Nagar-III, New Delhi,

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
H Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,
New Delhi.

Date: 17-12-1981

### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/4-81/90 —Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ps. 25,000/-and bearing No. F-31 to 41

situated at Connaught Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagdish Prasad Aggarwal Karta of Jagdish Parsad HUF 26-Asia Nagar, Mathura Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Competent Builders, Januar Mantar Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

6% share in property No. F-31 to 41 Connaught Place, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
H Block, Vikas Bhawan I.P. Estate,
New Delhi

Date: 17-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DEI HI

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. JAC/Acq. I/SR-III/481/97.--Whereas, I. R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 90 Block A-I, situated at Safdarjang Residential Scheme, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Kasturi Lal Chadha s/o
 Sh. Gopal Dass Chadha,
 r/o 2442, 10-Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi at present 66/879, Kutub Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Padma Mahant w.o C. D. Mahant r/o A-13, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 90, Block A-1, measuring 298 sq. yd. Safdarjung Development Residential Scheme, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-I,
H Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,
New Delhi

Date : 17-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

## ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No IAC/Acq-I/SR-III/4-81/108.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B-10, situated at Kalindr Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per-cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—436GI/81

 M/s R. C. Sood & Co. (P) Ltd. Eros Cinema Bldg. Jangpura Ext. New Delhi through their Director Sh Satish Kumar Sood.

(Transferor)

(2) Mrs. Raj Kumari Jam B-2/62, Safdarjung Encl. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

16th share in plot No B-10 measuring 886.113/144 sq yd. Category-II, Group-A. Kalindi Colony, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 17-12-81

### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DFLHI

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. IAC Acq.-1/SR-III/4-8/109.—Whereus, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-10, situated at Kalindi Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s R. C. Sood & Co. (P) Ltd. Eros Cinema Bldg. Jangpura Extn. New Delhi through their Managing Director Sh. S. K. Sood.

(Transferor)

(2) Mrs Veena Chopia 36-Hem Kunt, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/16th share in plot No. B-10, Category-II, Group-A, measuring 886,113/144 sq yd. Kalindi Colony, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/4-81/110.—Whereas, I. R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

No. B-10, situated at Kalindi Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s R. C. Sood & Co. (P) Ltd. Eros Cinema Bldg. Jangpura Extn. New Delhi through their Director Sh. Satish Kumar Sood.

(Transferor)

(2) Sh. Sunil Dhowan B-1/219, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

16th share in plot No. 1B-10, Category-II, Group-A, measuring 886.113/144 sq. yd. Kalindi Colony, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 17-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. 1AC/Acq.1/SR-III/4-81/119.—whereas, R. B. L. AGGARWAL,.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. C-172, situated at Greater Kailash-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shib Devi wd/o Shib Charan Dass and others r/o C-172. Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Col. Kanwaljit Singh s/o S. Harbans Singh r/o D-360, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made as writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. C-172, measuring 338 sq. yd. Greated Kailash-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 17-12-81

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ralla Ram Bhandari, V & P.O. Kalanaur, Dt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) M/s Shahpuri Estates (P) Ltd., 5/70, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1981

Rcf. No. IAC/Acq. 1/SR-III/4-81/123.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. M-51, situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesiad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following porsess, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetter

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

M-51 (Shop plot) Greater Kailash-II, New Delhi (194 sq. yd.)

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 17-12-81

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE.

NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. IACAcq. I/SR-III/4-81/135.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S-284, attuated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—.

(1) Shri S. C. Sawhney r/o S-284, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri S. Surjit Singh Sethi through M/s Darvesh Industries 865, Queens Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. S-284, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 17-12-81

### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACF, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/4-81/136.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section

169(B) of the Income-tax ct, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-2, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Old Village Industries Ltd., 16-A, Naraina Industrial Area, Phase-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Manjit Singh 1/0 M-103, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop-cum-Residential Plot No. M-2 (measuring 195 sq. yd.) in Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 17-12-81

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### Dr. Mrs. Davinder Pal w/o S. D. S. Pal r/o J/295, Malviya Nagar Ext. (Saket), New Delhi

(Transferor)

 Mts. Suhagwanti w/o S. Jiwand Singh r/o D/11, NDSF Part-II, New Delhi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. JAC/Acq. I/SR-J $\Pi$ /4-81/144.—Whereas, I. R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4 Block-E, situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer on April 1981,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

· Plot No. 4 Block E, measuring 125-55 sq. yd. in Hauz Khas Enclave, New Delhi,

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 17-12-81

#### FORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DFLHI

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SP-III'4-81/147.--Whereas, I, R. B. I AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fuir market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. E/581, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mecome arising from the transfer; and/or

(b) facilinating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely —

36-436GI/81

- (1) Sh. Ramesh Chand Chopra and others s/o Sn. Munshi Ram Chopra c/o Chopra Machinery Stores, Railway Road, Lakhimpuri Kheri (UP).
- (2) M/s Shahpuri Investment (P) Ltd, 5/70, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. E/581, Greater Karlash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 17-12-81

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NFW DELIHI

New Delhi, the 17th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/4-81/152.--Whereas, I. R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-316, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as nforesaid exceeds the apparent consideration therefor by proper than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Smt. Harjit Kaur w/o S. Upkar Singh & Amarjeet Singh s/o S. Upkar Singh r/o C-453, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt, Shanti Devi Bhatia w/o Shri T. R. Bhatia and others r/o 4-Main St. Rajinder Nagar, Civil Lines, Moradabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. S-316, Greater Kailash-II, New Delhi area 300 sq. yd.

R. B. I. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/Ntw Delhi.

Date: 17-12-81

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SLCTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### ACQUISITION RANGE I.

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

G 13 GROUND FLOOR OR BUILDING IP FSTATE NEW DFLHI

New Delhi, the 17th December 1981

Rcf \*No IAC/Acq I/SR-III/4 81/158 —Whereas, I, R B I AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinniter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No B 27, situated at Kailash Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intuate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Smt Jogindei Kaur Tuckei, B-27, Kailash Colony, New Delhi

(Transferor)

(2) Reliance Apartment (P) Ltd, A 69, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SOHEDULE

Property bearing Municipal No B-27, Kailash Colony, New Delhi

R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority, Acquisition Range-I, Delhi/Ntw Delhi

Date 17 12 81

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No IAC/Acq 1I/4-81/7670.—Whereas, 1, VIMAL VASISH1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the im movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. G 24/4 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subscition (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii D R Bhatia, P P Bhatia, H. C Bhatia sons of Sh Hari Krishan Bhatia Smt. Shanti Devi d/o Hari Krishan Bhatia w/o Kharati Lal R/o A 2/20, Moti Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shii Haiish Chandel s/o Moti Ram R/o E-35, Kirti Nagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) the cry of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetro or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- 1 XPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

G-24/4, Rajoun Garden, New Delhi.

SMf VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/Ntw Delhi.

Date 14-12-1981

Seal

### FORM NO. I.T.N S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. LSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th November 1981

Ref. No. IAC Acq. II/4-81/7738.—Whereas, I. VIMAL VASHISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. XIII/6875 situated at Beriwala Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Apul 1981,

for an apparent consideration which is less him the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftren per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following reisons, namely:—

(1) Smt Krishna Kani wd/o Khairati Lal R/o F-10, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kaniya Lal & Ram Chand s/o Tek Chand R/o 8744, Shidipura, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXELANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Mpl. No. XIII/6875 (New) Beriwala Bagh, Delhi.

SMT. VIMAL VASHIST,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 30-11-81.

......

### FORM NO. 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/4498.—Whereas, I, VIMAJ. VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Ari, land situated at Vill, Narela, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shi Om Parkash s/o Bhartu
   R/o Vill Narela Panna Papesian, Delhi.
   (Transféror)
- (2) Shii Paiveen Kumar Gupta s/o Bhagwan Gupta R/o 2103, Narela, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Narela, Delhi.

SMT. VIMAL VASHIST,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 14-12-81.

FORM NO. IT.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Khan Chand & Lekh Ram sons of Gauri Datt 1/0 WZ-95 Chandipin, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Krishana Kohli w/o Raj Kumar Kohli R o H-24, Jangpura, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/4529.—Wheeras, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land, situated at Vill. Baprola, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trunsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, Vill. Baprola, Delhi

SMT. VIMA1 VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date . 14-12-81 Seal :

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/7687.—Wheeras, J. VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 2211 situated at Chah Indara, H. C. Sen Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Sunil Mohan Regd. GA of Smt. Bimla Devi 1/0 D-316, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Gyası Devi 1/0 283-A, Gali Kunj, Dariba Kalan, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

No. 2211, Chah Indara, II. C. Sen Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 14-12-81.

FORM NO. I.T.N.S,-

(1) Shri Umraoo Singh s/o Maya Chand, R/o A-7A/9, Rana Partap Bagh, Delhi (Transferor)

(2) Shri N. K. Mittal s/o L. D. Mittal R/o 2/70, Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, **NEW DELHI** 

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acg. II/4-81/7686.--Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot 7a/2 situated at Vill. Sadhore Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

37-- 436GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot A-7A/2, Vill. Sadhore Kalan, Rana Partap Bagh, Delhi.

> SMT. VIMAL VASHIST, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 14-12-81

Scal

#### FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, .

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/7663.—Whereas, I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. A-7A/6A situated at Rana Partap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Santokh s/o Chhattar Singh R/o A-7A Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Devi w/o Daya Ram, R/o C-6/20, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A-7A/6A Rana Partap Bagh, Delhi.

SMT. VIMAL VASHIST,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 14-12-81.

PART III—SEC. 1]

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND PLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/7744.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Mpl. XIII/6875 (New) situated at Beriwala Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely --

on April 1981.

(1) Smt. Krishna Rani wd/o Khairaitl Lal R/o F-10, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prahlad Rai & Wadhu Mal s/o Tek Chand R/o 10230, Library Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Mpl. No. XIII/6875 (New), Beriwala Bagh. Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 30-11-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Raj Rani W/o Harbans Lal R/o D/148, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Harjeet Singh S/o Kishan Singh R/o 6548 Khari Boali, Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7707.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

3792-3793 situated at Kucha Motitar Khan,

Mori Gate, Delhi

Rs. 25,000/- and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 81

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferée for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 3792-3793, Kucha Mitar Khan, Mori Gate,

SMT. VIMAL VASISHT.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 14-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7759.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/r and bearing No.

287, Ward No. VIII situated at

Krishna Floor Mills, Mpl. No. 169 & 182,

Mohalla Karor, Ajmeri Gate, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at April 81

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent-such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the saki instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I horeby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jitender Kumar Gupta S/o Walaiti Ram R/o Panchquian Road, New Delhi & others.

(Transferor)

(2) Sh. Saroj Agrawal W/o Prahlad Dass R/o 70, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 287, Ward No. VIII, Ram Krishna Floor Mills, Mpl. 169 & 182 Did. Mohalla Karor, Ajmeri Gate, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 14-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81,7764.—Whereas, I, VIMAL VASISIIT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

K/93 situated at Kirti Nagar, Vill. Bassal Darapur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Sh. Thakur Singh son of Ladha Singh Suri Manager Shiwalik Talkies (P) Ltd. Nangal Township, Distt, Ruper.

(Transferor)

(2) Sh. Raj Kumar Duggal S/o Kasturi Lal 13-A/20, W.E A., Karol Bagh, New Delhi, (Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. K/93, Kirti Nagar, Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 14-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981 Ref. No. JAC/Acq.II/4-81/7792.—Whereas, I. VIMAL VASISHT,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D-55 situated at Kamla Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Kalawti Agg. D/o I ala Ram Kishan Dass W/o Nanak Chand Agg. R/o Vill. PO Bakhtawarpur, Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Kavita W/o Raj Kumar R/o New India Traders, 3 New Market, Tilak Bazar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D-55, Part B, Kamla Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated; 14-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-

### TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7684.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

4954 to 4961 situated at Chandni Chowk, Kucha Rehman, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ishar Singh 6/o Ludan Singh, R/o E-7A/2, Krishan Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Rajinder Singh, Harbinder Singh Harjeet Singh R'o 7/21. Roop Nagar, Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 4954 to 4961, Ward No. VI, Chandni Chowk, Kucha Rehman, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 14-12-81

Seal ;

(1) Smt. Padma Wati Wd/o Gopal Sharma & others R/o 7/29, Roop Nagai, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Tarvinder Kumar & Sh. Mahesh Kumar S/o 3489 Nicholson Road, Mori Gate, Delhi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7745,—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3480, situated at Nichelson Road, Moii Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering

Officer at on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Mpl. No. 3480, Nichelson Road, Mori Gate, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, New Delhi-

Dated: 14-12-81

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

38 - 436GI/81

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7662.—Whereas, 1. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

D-10 situated at Model Town, Delhi, Vill. Malikpur Chhaoni, Delhi State Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering

Officer at on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Sat Pal Sethi S/o Sh. Ralia Ram R/o A-7, Model Town, Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Harbans Lal Dhingra S/o Gopal Dass Dhingra R/o D-1018, Model Town, Delhi.

  (Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

D-10 Model Town, Delhi, Vill. Malikpur Chhaoni, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 14-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7719.—Whereas, 1, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 12 (G.F.) situated at 32, Alipur Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registra

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Rajni Mathur W/o Bal Krishan R/o 1, Maharaja Lal Lane, Civil Line, Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Budhwar Motors, 1073, Kashmere Gate, Delhl.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

No. 12 (G.F.) 32, Alipur Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 14-12-81

#### FORM I.T.N.S.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sh. Vishwa Nath S/o Shiv Dass Mal Smt. Ram Kumari W/o S. K. Mehra C/o Manohar Lal Ajay Kumar & other Bhudhwa Nagpur at Delhi in favour of Green Carriers & Contractors, Delhi.

(Transferor)

(2) Green Carriers & Contractors, Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DFLHI New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7682.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. III/1878 situated at Part Old/3900 Part New,

Mori Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Delhi on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same menning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

III/1878 Part Old/3900 Part New, Mori Gate, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 14-12-81

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81,7677.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2557 to 2559 situated at Gali Dr. Ram Richpal Sarak Prem Narain, Chooriwalan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s Ram Chand, & Sons (HUF) consisting of Sh. Suresh Chand & others R/o 2747, Gali Arya Samaj, Bazar Sita Ram, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Saroj Kumari Jain W/o Suresh Chand Jain R/o 2671, Gali Badliyan, Chooriwalan, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. 2557, 2558 & 2559, Guli Dr. Ram Cichpal Sarak Prem Narain, Chooriwalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 14-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTINGA SSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.]]/4-81/7730.—Whereas, I. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market D-23 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Gur Kamaljit Singh S/o Malkiat Singh R/o Phillour Mandi, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Satnam Dev S/o Ram Lal R/o C-1/47, Malka Ganj, Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. D-23, Kirti Nagar, New Delhi Vill. Bassal Darapur, Delhi State, Delhi.

SMT, VIMAL VASISHT. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 14-12-81

#### FORM ITN8-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7658.—Wheeras, 1, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6528-6529 situated at Bara Hindu Rao, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Mohd. Ashqeen S/o Abdul Rashid R/o 6518, Gali Tyre Wali, Bara Hindu Rao, Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Mohd. Swalheen S/o Abdul Rashid
  R/o 8058. Gali Tyre Wali, Bara Hindu Rao,
  Delhi.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sadi property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 6528-6529, Bara Hindu Rao, Delhi.

SMT VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 14-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/4493.—Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. GB.Q. 1/180 situated at Tehar No I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Kesho Dass Dhingra R/o S-54 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Subhash Chand of 1/180, Tehar No. 1, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

G.B.Q. No. 1/180, Tehar No. \*1, New Delhi (Subhash Nagar).

SMT. VIMAL VASISHT.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 14-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7814 -- Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair farket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-1, Cottage No. 4 situated at Oberoi Swiss Apartment, 2, Shamnath Marg (Alipur Road), Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
39 -436GJ/81

(1) The East India Hotels Ltd.
4 Mangoe Lane, Calcutta through GA
(Transferor)

(2) Mrs Shani Johar W/o Mr. G. S. Johar R/o C/o Hotel Obcioi Intel Continental New Delht.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Block B-1, Cottage No. 4, Oberoi Swiss Apartment, 2, New Delhi on April 1981

SMT VIMAI, VASISHT.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 14-12-81

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Dev Raj Jhanb
 Shri Chuni Lal Jhanb
 R/o F-210, New Rajinder Nagar,
 New Delhi.

(2) Smt. Naraini Devi w/o Shri Dev Raj Jhanb R/o E-210, New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferor)

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7751.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3, situated at East Patel Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3, East Patel Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Rcf. No. IAC/Acq.II/4-80/4509.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 120/139 situated at Vill. Bakhtawar Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on April, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Phoolwati w/o Shri Kunja Mal r/o Vill. Bakhtawar Pur, Delbi.

(Transferor)

 M/s. National Wool Traders, r/o 84, Swadesh Market, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

No. 120/139, Vill. Bakhtawar Pur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ret. No. IAC/Acq.II/4-81/7790.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No 1018 situated at Gali Telian, Katra Ghee, Khari Boali, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1981,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Anis Ahmed Barı 5/0 Mohd. Shafi Bari & others r/0 No. 8, Knai Street, Calcutta-73.

(Transferor)

(2) Shri Ganpat Rai s/o Shri Dalu Ram 1018, Ktra Ghee, Phatak Habas Khan, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 1018, Gali Telian, Katra Ghee, Khari Boali. Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELIII

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7657,—Whereas, I, VIMAI, VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000'- and bearing

No. 1386-1387 situated at Bahadur Garh Road, Gali No. 5, Ward No. 13, Delhi-6,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Har Ganga Ram 4/0 Shri Sudan Lal R/0 1386, Bahadur Garh Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kiran Devi w/o Shii Rameshwar Dayal Jain, R/o 4695, Gali Umrao, Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. 1386-1387, Bahadur Garh Road, Gali No. 5 Ward 13, Delbi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/4400.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri, land situated at Vill. Qadipur, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Rajinder Singh s/o Shri Narain Singh R/o Vill. Qadipur, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Subhash Khanna & Chander Khanna ss/o Shri Kedar Nath Khanna, R/o No. 22-B/1, Original Rd. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The ferms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Qadipur, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7750.—Whereas, 4, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/-- and bearing

H. No. 8 situated at Block No. 'G' Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harnam Singh s/o Sardar Chander R/o 7/91, Kishan Ganj, Deawar.

(Transferor)

(2) S/Shri Satnam Dass, Inder Lal ss/o Shri Sanwal Dass & other r/o K-3/5, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. B, Block No. 'G' Model Town, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pange-II.
Delhi/New Delhi

Date 14-12-1981

 Smt. Susheel Kaur w/o Shri Prabh Singh R/o 9/37, Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chander S/o Shri Kasturi Lal R/o 9/35, Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/4528.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9/37 situated at Subhash Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

G.B.P. No. 9/37, Subhash Nagar, New Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ram Kishan s/o Malik Khan Chand R/o 1/49, Phase No. I, Wazirpur, Delhi.

(2) Smt. Kanta Rani Garg w/o Shri Pushpinder Garg r/o 13/23 Shakti Nagar, Delhi. (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No IAC/Acq/II/4-81/7799,—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authorit yunder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mpl. No. VII/1264-B situated at Frash Khaua, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than nfifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mpl. No. VII/1264-B, Farash Khan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 14-12-1981

Scal

40--436GI/81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/4-81/4530,---Whereas, I. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri, land situated at Vill. Baprola, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Khem Chand s/o Shri Gauri Datt R/o WZ-95, Shadipur, New Delhi:

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kumari Kohli d/o Kishan Chand & other R/o H. 24, Jangpura, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deflued in Chapter XXA of the said Ac,t shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Vill. Baprola, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/4535.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Agri. land situated at Vill. Bankoli, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1981,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftee nper cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-haz Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dharam Singh s/o Shri Khacharu R/o Vill. Bankoli, Delhi.

(Transfetor)

(2) Shri Kanwaljit Singh & other ss/o Shri Jiwan Singh R/o BA/276, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Vill. Bankoli, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/7674.—Whereas, Ι. VIMAL VASISHΓ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. A-7 situated at Model Town, Vill. Malikpur Chhaoni, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering New Delhi on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amrit Sagar 9/0 Shri Paras Ram & other R/0 B-83, Greater Kailash I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sat Pal Sethi s/o Shri Ralia Ram & other R/o A-7, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. A-7, Vill. Malikpur Chhaoni, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

(1) S/Shri Net Ram, Mukhiare, Banwari & Suraj ss/o Shri Harphool r/o, Vill. Baprola, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) S/Shri Raj Kumar Saini and Rakesh Kumar Saini ss/o Shri Mahinder Kumai Saini r/o 4063 Gali Bahuji Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC//cq II 4-81'4531.—Whereas, I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agr. land situated at Vill. Baptola, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land Vill. Baprola, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4496.—Wheleas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C-5 situated at Ajay Enclave, Ashok Nagar Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at New Delhi on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kulwant Singh Rana s/o Shri Harcharan Singh Rana r/o C-5, Ajay Enclave, Ashok Nagar Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Bhatia w/o Shri K. L. Bhatia r/o WZ-248A/1, Verinder Nagar, New Delhi & other.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. C-5, Ajay Enclave, Ashok Nagar Road, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, .
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/4-81/4512.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o f1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

H. No. 46. Block-E situated at New Multan Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ram Piari wd/o Shri Chetan Anand Rajpal r/o E-46, New Multan Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kulwant Rai Aggarwal & other 98/0 Shri Nohar Chand Aggarwal r/0 367/387, Tri Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. 46, Block-E, New Multan Nagar, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Krishan Lal Popli s/o Shri Arora Mal & other R/o XV/3032 Pahar Gan<sub>1</sub>, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shti Ramesh Sukhija s/o Shri Shiv Dayal R/o XV/3032, Multani Dhanda, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Dolhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq.JI/4-81/4423.—Whereas J, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 16 situated at Road No. 65, Punjabi Bagh, New Delhi

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuing of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 16, Road No. 65, Punjabi Bagh, New Delhi.

VIMAI VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II.
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 27th November 1981

Ref .No IAC/Acq.II/4-81/SR-II/4534.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. J-13/41 to J-13/46 situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delni on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert yas aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
41-436GI/81

(1) Shri Bishamber Nath Garg s/o Ghurey Lal R/o J-13/6 Patel Market, Rajouri Garden, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Chander Bhan Garg w/o Churey Lal & Smt. Vimla Devi w/o Bishamber Nath R/o J-13/6, Patel Mkt. Rajouti Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot opp. Nos. S. J-13/41 to J-13/46, Rajouri Garden Extn., New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 27-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Vidya Wati w/o L. Jagminder Dass R/o No. 31, Sham Park, Distt. Ghaziabad. (Transferor)

(2) M/s Handloom Saree Bhawan,
Gali Pranthewali, Chandni Chowk, Delhi.
(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR C RBUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/7665.—Whereas, I, VIMAL, VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1987 situated at Gali Pranthewali, Chandni Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at April 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 1987, Gali Pranthewali, Chandni Chowk, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 14-12-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref No. IAC/Acq.II/4-81/7656.—Whereas I, VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1987 situated at Gali Pranthewali, Chandni Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Vidyawati w/o L. Jagminder Dass, 31, Sham Park, Ghaziabad.
   (Transferor)
- (2) M/s Handloom Saree Bhawan, Gali Pranthewali, Chandni Chowk, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 1987, Gali Pranthewall, Chandni Chowk, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 14-12-1981

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHL

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4497.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Incomestar Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Agri, land situated at Narela, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Om Parkash s/o Bhartu R/o Panna Paposian, Narela, Delhi State, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar Gupta s/o Bhagwan Gupta R/o 2103, Narela, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Narela, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 14-12-81,

### FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th December 1981

Ret. No. IAC/Acq. II/4-81/7740,—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mpl. No. 11807 situated at Roshnara Extn. Scheme, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kishan Chand s/o Kundan Lal Gupta r/o 20/21, Shakti Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Kanta Prasad Gupta s/o Ganga Saran Gupta & others r/o B-250 Ashok Vihar, Phase-I, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mpl. No. 11807 on Plot No. 21, Block No. 20, Roshnara Extn. Scheme, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 14-12-81.

### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq II/4-81/4379.—Whereas, I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable 'property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 10 situated at Road No. 64, Punjabi Bagh, Vill. Madipur Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Saroj Chandna w/o K. B. Chandna .
  R/o B-4/48, Safdarjung Enclave, New Delhi.
  (Transferor)
- (2) Smt. Pinki Khanna w/o Virendra Kumar Khanna R/o Q-24, Rajouri Garden, New Delhi.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 10, Road No. 64, Punjabi Bagh, Vill. Madipur, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 14-12-81.

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE,

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI.

New Delbi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/7704.---Whereas, I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 425 (New) Ward X, situated at Gali Pahar Wali, Chhatta Lalmian, Delhi

(wid more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Abdul Nazir & other sons of Abdul Hamid Khan r/o 988, Haveli Bakhtawar Khan, Matia Mahal, Delhi.
- (Transferor)
  (2) Shri Gohar ali Khan & other sons of Akhatar Ali
  Khan r/o 425 Chhata Lal Miah, Delhi.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 425 (New) Ward X, Gali Pahar Wali, Chhatta Lal Mian, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 14-12-81

Scal 1

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/7795.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1358, 1359, 1380 to 1382 situated at Kashmere Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi, on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said apparent of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Maj. Gen. Virendra Singh GA, Sh. Partap Singh r/o Sultan Singh Bldg. Kashmere Gate, Delhi.
  (Transferor)
- (2) Shri Devendra Sharma, proprietor Students Stores, Kashmere Gate, Delhi. R/o S-114, Gr. Kailash, New Delhi.

(Transferee,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

G.F. Nos. 1358, 1359, 1380 to 1382, Kashmere Gate, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 14-12-81,

Scal:

### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DELHI.

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/7796,—Whereas, I, VIMAL VASISHΓ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. G.F. Nos. 1360, 1361 & 1379 situated at Kashmere Gate.

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with hte object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Maj. Gen. Virendra Singh GA Pratap Singh R/o Sultan Singh Building, Kashmere Gate, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Devendra Sharma, prop. Students Stores, S-114, G1. Kailash I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the came meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

F F. Nos. 1360, 1361 & 1379 Kashmere Gate, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 14-12-81.

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/7660.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under

at New Delhi on April, 1981

Section 269B of the Income-tax Act, 1967 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-8 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- th) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seld Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Leela Wanti w/o Amar Singh R/o A/165, Gurjranwala Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Jasbir Keur w/o Gurbachan Singh & others R/o F-8, Rajouri Garden, New Delhi.
  (Transferee.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

F-8, Rajouri Garden, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
DEI HI/NEW DELHI

Date: 14-12-1981

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATF,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/4-81/7740.—Whereas, I, SMI. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 16 situated at Block 38, Roshanara Extn. Scheme, Shakti Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Satish Kumar s/o Roshan Lal Gupta, R/o 12/18, Shakti Nagar, Delhi.
  - (Transferor)
- (2) Parshotam Dass, Suresh Kumar, Raj Kumar, Hari Parkash & Prem Singhal sons of Angan Lal C-33, C. C. Colony, Delhi.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- •(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 16, Block 38, Roshanara Extn. Scheme, Shakti Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delbi/New Delhi

Date: 14-12-1981

Scal:

### FORM ITNS-

(1) Promothesh Saha

(Transferor)

(2) Dhanpatrai Kanhaiyalali Karnani Trust

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1981 Ref. No. 981/Acq./R-III/Cal/80-81.—Whereas I. J. V. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 36A situated at S. P. Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 15-4-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent, consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/12th share of land measuring 8 Cottahs 34 sit. being No. 36A S.P. Mukherjee Road, Calcutta vid deed No. 4768P registered by S.R. of Assurance, Calcutta on 15-4-81.

> J. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting. Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range No. III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor) Calcutta-700 016

Date: 8-12-81

Soal:

### FORM ITNS---

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1981

Ref. No. Acq./R-III/Cal./80-81/983.—Whereas I, I. V. S. IUNEIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 36A situated at S. P. Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-4-81

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Amarendra Nath Saha
- (Transferor)
- (2) Dhanpatrai Kanhaiyalall Karnani Trust

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THI: SCHEDULE

Undivided 1/12th share of land measuring 8 Cottahs 34 st. being No. 36A S.P. Mukherjec Road, Calcutta vid deed No. 4743P registered by S.R. of Assurances, Calcutta on 15-4-81.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range No. III
54, Rafl Ahmed Kidwai Road (2nd floor)
Calcutta-700 016

Date: 8-12-81

## FORM, ITNS-

(1) Sri Haripad Saha

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dhanpatrai Kanhaiyalali Karnani Trust (Transferee

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of -45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said humbovable property, within 45 days from the date of the

Calcutta, the 8th December 1981

publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Acq./R-III/Cal./80-81/984,--Whereas, J. 1. V. S. being the Competent Authority under Section 269B of the

> EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ass. shall have the same meaning as given in that Chapter.

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No. 36A situated at S. P. Mukherjec Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Office, at

tran fer with the object of :--

Calcutta on 15-4-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/12th share of land measuring 8 Cottahs 34 sft being No. 36A S.P. Mukherjee Road, Calcutta vide deed No. 4742P registered by S.R. of Assurances, Calcutta on 15-4-81.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

I. V. S. JUNEJA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range No. III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-700 016

Date: 8-12-81

Scal:

## FORM ITNS

## (1) Sri Nikhil Kumar Saha

(Transferor)

OTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dhanpatrai Kanhaiyalall Karnani Trust
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1981

Ref. No. 985/Acq./R-III/Cal./80-81.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 36A situated at S. P. Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-4-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/12th share of land measuring 8 Cottahs 34 sft. being No. 36A S. P. Mukherjee Road, Calcutta vide deed No. 4744P registered by S.R. of Assurances, Calcutta on 15-4-81.

I. V. S. IUNEIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range No. III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor)
Calcutta-700 016

Date: 8-12-81

### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sarojini Ammal, w/o Late Azhakar Raja, Rajapalæjam.

(Transfero)

(2) Jagadeeswararaja s/o Late Azhakar Raja, P. S. Kumareswaram Ruja Nagar, Pudupalayam, Rajapalayam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING, 2ND FI OOR. 621, MOUNT ROAD, MADRAS

Madras-600-006, the 18th December 1981

Ref. No. 83 'April/81.--Whereas I, R RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 924. situated at Sivegiri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sivagiti (Doc. 183/81) on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purroses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Sivagiri S. No. 924 (Doc. 183/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 18-12-1981